मूल्य-20

अंगिराऽसि जंगिडः

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMIN

वर्षः 118, अंकः 02, फरवरी-2025 ई., तारीख 22-27 प्रति माह

श्री विश्वकर्मणे नमः

POSTED UNDER LICENCE NO. U(DN) 39/2024-26 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मनेन्द्र मोहन श्रीवास्तव न्यायाधीश मनीष शर्मा, को न्यायाधीश पद और गोपनीयता की शपथ दिलाते हुए।

जांगिड समाज के गौरव और देदीप्यमान सितारे, सौम्यता, शालीनता और सहृदयता के प्रतीक विख्यात अधिवक्ता, जयपुर के मनीष शर्मा को राजस्थान उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ जोधपुर में, न्यायाधीश के पद पर नियुक्त होने पर, राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, मनेंद्र मोहन श्रीवास्तव द्वारा उनको 17 फरवरी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा रुपी परिवार की तरफ से न्यायाधीश मनीष शर्मा को अन्तःकरण से हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभ मंगलकामनाएं।

प्रधान- श्री रामपाल शर्मा

राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, मनीष शर्मा की 17 फरवरी को, शपथ ग्रहण समारोह के कैमरे की दृष्टि में यादगार क्षण।

कैमरे की एक नजर में: मुंडावर जिला अलवर में, जांगिड धर्मशाला के मुख्य द्वार और भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति का प्राण प्रतिष्ठा समारोह 19 जनवरी को आयोजित।

INTERIO CRAFT

MERGER OF **ROYAL, SG AND KRISHNA INTERIORS**

Our Management Team

Rampal Sharma | Deepak Sharma | Jagmohan Sharma | Amith Sharma

With its existence over three and half decades, we have carved a niche in the segment of providing complete interior solutions to various corporates houses, retail stores & residences pan India.

OUR STRENGTHS

- QUALITY OF WORK
- SERVICE COMMITMENT
- ON TIME COMPLETION
- PRICING

Our Sister Concerns:

- Krishna Ventures
- Krishna Retails
- SG Ventures
- NR Retails

Our Franchise Stores

- N R Retails, Uspolo Store, Kammanahalli, BANGALORE
- Uspolo Store, Vega City Mall, BANGALORE
- Krishna Retails, Uspolo Store, USPA-Forum Sujana Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM-Forum, Sujana Mall, HYDERABAD
- Uspolo Kids, USPA kids-Sarat City Mall, HYDERABAD
- Uspolo Denim, USPA Denim - Sarat City Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM -Sarat City Mall, HYDERABAD
- Krishna Ventures, Mega Mart, Mega Mart - Kotputli, JAIPUR
- Third Wave Coffee, Bel Road, BANGALORE
- Wrogn Store, L&T Mall, HYDERABAD
- Swish Salon, BANGALORE

OUR SERVICES

ON SITE

- Carpentry
- Painting
- Tiling
- Marble Work
- Electrical & Lighting
- Civil
- Plumbing...

OFF SITE

- Production of Furniture
- Metal Works

WE ARE TURNKEY INTERIOR SOLUTION PROVIDERS

WE MAKE THEM LOOK AESTHETICALLY RICH AND BEAUTIFUL

Some of our Valuable Clients

FLYING MACHINE, U.S. POLO ASSN., AÉROPOSTALE, ARROW, LP Louis Philippe, PETER ENGLAND, NAUTICA, GAP, trueblue, GANT, Allen Solly, Van Heusen, lifestyle, max, homecentre, ZOYA, TANISHQ, TANEIRA, TITAN, Helios, fastrack, TITAN eyeplus, Mia, MELORRA, CENTRO, BIRKENSTOCK, THIRD WAVE COFFEE, SWAYAMVAR, SHOPPERS STOP, BLUESTONE, S3EAUTY, SWISH, TASVA, Manyavar

Reach us:

Corporate Office: No 13/14 Royal Chambers, 3rd Floor, Dodda Banaswadi, Outer Ring Road, Near Vijaya bank Colony, Bengaluru, Karnataka 560043

080 2542 6161

projects@interiocraft.com

www.interiocraft.com

''जांगिड ब्राह्मण महासभा पत्रिका'' के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज के सभी वर्ग के व्यक्तियों के सर्वागीण विकास के लिए नवाचार करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यत्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना तथा उन्मूलन के लिए विकास की ओर उन्मुख होने का संचरण करना।
6. पत्रिका प्रत्येक अंग्रेजी माह की 22-27 तारीख को प्रकाशित होती है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी गयी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्रिका में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदरकुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006
दूरभाष:- 9990070023
Website: www.abjbmahasabha.com
E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

प्रधान-पं.रामपाल शर्मा ''जांगिड''	-	09844026161
महामंत्री-पं.सांवरमल ''जांगिड''	-	09414003411
सम्पादक-प.रामभगत शर्मा ''जांगिड''	-	09814681741

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(01-10-2018 से)

सदस्यता		रुपये
प्लैटिनम सदस्य	-	1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	-	51,000/-
रजत सदस्य	-	25,000/-
विशेष सम्पोषक	-	21,000/-
सम्पोषक सदस्य	-	11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	-	2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	-	500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	-	240/-
मासिक पत्रिका शुल्क	-	20/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 10000/-,वार्षिक 100000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 6000/-,वार्षिक 61000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 4000/-, वार्षिक 41000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 31000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-, वार्षिक 17000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 750/-,वार्षिक 8500/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 201/-

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं. **61012926182 (IFSC Code: SBIN0006814)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-एसबीआई, मुण्डका, नई दिल्ली-41) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते हैं। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम ''अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा'' अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है।महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है।दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

श्री अरूण कुमार
कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 9810988553

।। ओ३म् भूर्भुवः स्वः। तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात् ।।

अनुक्रमणिका

02. राज0 उच्च न्यायालय के न्यायाधीश-मनीष शर्मा
03. कैमरे की नजर में- मुंडावर जिला अलवर...
07. सम्पादकीय...
09. प्रधान की कलम से...
11. गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर राष्ट्रीय...
13. मनीष शर्मा ने राज0 हाईकोर्ट के न्यायाधीश...
15. आगामी तीन वर्षो के दौरान महासभा के....
17. जीवन में आशातीत सफलता का 9 मूल मंत्र...
20. प्रदेशसभा-राजस्थान द्वारा गणतंत्र दिवस पर...
21. मातृ-पितृ ऋण से मुक्ति के लिए....
22. सावंरमल जांगिड को पुनःमहासभा का महामंत्री.
23. सीकर के अंगीरा भवन में 10 फरवरी को...
24. जांगिड-सुथार समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष कीरताराम
25. जीवन में जरूरतमंद लोगों का दान देने से..
26. भगवान विश्वकर्मा जन्मोत्सव 10फरवरी नाासिक
27. नीमच में धूमधाम से मनाया गया दो दिवसीय..
28. खुशी जांगिड ने कराटे की राष्ट्रीय प्रतियोगिता..
29. कैमरी जिला हिसार के भूपेन्द्र सूरा जांगिड...
30. हिसार में विधायक चंद्रप्रकाश और मनदीप....
32. बहुआयामी प्रतिभा के धनी, लक्षित जांगिड...
33. भा0प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, जलज शर्मा.
35. शिवानी जांगिड ने खेलो इण्डिया खेलों में..
36. प्रेमनारायण शर्मा बने उज्जैन जिले के निर्विरोध..
37. भगवान श्री विश्वकर्मा का प्रकाटय दिवस...
38. श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाडगंज दिल्ली में...
39. संगम विहार दिल्ली में मनाया गया,
41. जिलासभा भरतपुर द्वारा सम्मान समारोह कें
42. नारायणपुर कस्बे में 10 फरवरी को भगवान..
43. जिलाध्यक्ष पद चुनाव अधिसूचना-बारां,नागौर, राजसमन्द,उदयपुर,भीलवाड़ा,चितौड़गढ़
44. महासभा के प्लेटिनम सदस्य....
50. महासभा के इक्यावन हजार रूपये के स्वर्ण सदस्य
50. महासभा दिल्ली के पच्चीस हजार रूपये के रजत सदस्य
51. महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची..
60. वैवाहिक विज्ञापन..
61. शोक संन्देश- पूर्व सम्पादक प्रभु दयाल शर्मा

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)

कृष्णा इंटीरियर

भारत व्हील

शर्मा एण्ड कम्पनी

भागीरथ मोटर्स

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर माह की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही हैं वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही हैं, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही हैं। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ हैं तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती हैं।

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्ववानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की 10 तारीख तक महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें- बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे है। जिससे हमेंशा पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नहीं हो पाएंगे।

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अंत में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है तो उसका संदर्भ अवश्य दे तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।

(6)अस्वीकरण-पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के व्यक्तिगत विचार होते हैं। महासभा का उनसे सहमत होना आवश्यक नही है।

-सम्पादक

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

सम्पादकीय..... सम्पादक, राम भगत शर्मा

समय की जंजीरों को तोड़कर, अपने बच्चों के साथ आत्मीयतापूर्ण व्यवहार करें

आज के इस आधुनिक भौतिक युग में विभिन्न परिस्थितियों के कारण, परिवार में ही आपस में निरंतर दूरियां बढ़ रही है। वेदों और शास्त्रों के अनुसार पारिवारिक रिश्ते ही हमारी अनमोल सामाजिक धरोहर हैं और इन मजबूत रिश्तों की डोर पूर्व जन्मों के कारण ही एक दूसरे से बंधी हुई है। लेकिन आज के बदलते हुए इस सामाजिक परिवेश में मनुष्य अपनी ना समझी और अविवेक के कारण इन रिश्तों से दूर होता जा रहा है। भगवान की दी हुई इस अनमोल विरासत को कभी भी कमजोर ना होने दें और आधुनिक युग में विषमताओं के कारण ही आज माता-पिता और बच्चों में आपस में दूरियां बढ़ रही हैं।

प्राय: देखा गया है कि **आज अधिकतर साक्षर माता-पिता अनावश्यक रूप से समय न होने का बहाना बनाकर, अपनों बच्चों से निरंतर दूर होते जा रहे हैं और इस कड़ी में जहर घोलने के काम में, मोबाइल और गेजैट भी अंहम भूमिका निभा रहे हैं।** हां, मैं इस बात को सहज रूप से स्वीकार करता हूं कि आज के इस भौतिकतावादी आधुनिक युग में पैसे की बढ़ती हुई लोभवृति और महंगाई ने इस बदलते हुए इस सामाजिक परिवेश में मनुष्यों की आर्थिक जरूरतों को कई गुना तक बढ़ा दिया है और इन सभी जरुरतों को पूरा करने के लिए ही अभिभावकों को अधिक काम करने की आवश्यकता महसूस होने लगी है और आपाधापी में माता-पिता के प्यार की चाहत में मासूम बच्चों का जीवन समय की बलि वेदी पर भेंट चढ़ रहा है। आज अधिक भौतिक सुख सुविधाओं को पाने की अभिलाषा के कारण ही, अभिभावक अत्यधिक व्यस्त रहने के कारण ही, अपने बच्चों के लिए अधिक समय नहीं निकाल पा रहे हैं।

यह सत्य है कि आज के इस व्यस्ततम युग में भी **सभी सुख सुविधाएं, माता-पिता के असीम स्नेह और प्यार तथा सहृदयता और मां के आंचल और आशीर्वाद की छाया को कभी भी नहीं भर सकती हैं।** ठीक है, पैसे के बल पर आप अपने बच्चों को सभी सुख सुविधाएं तो उपलब्ध करवा सकते हैं, लेकिन वह प्यार और आत्मीयता कहां से मिल सकती है ? जिसकी परिकल्पना एक मासूम बच्चा अपने खालीपन को भरने के लिए करता है। **आपका सर्वश्रेष्ठ और उच्चतम शिखर का वह करियर भी बच्चों के उस खालीपन को नहीं भर सकता, जो एक माता-पिता अपने बच्चे के लिए प्यार की मातृछाया से भर सकती है।** आज अपने बच्चों की परवरिश के लिए समय का उचित प्रबंधन करने के साथ ही दाम्पत्य जीवन में आपस में सामंजस्य और तादात्म्य स्थापित करने की महत्ती आवश्यकता है।

माता-पिता को अपने मासूम बच्चों के जीवन में माधुर्य भरने के लिए अपने सपनों की कुछ हद तक बलि वेदी देनी होगी और समय की खाई को पाटने के लिए मिलकर उपाय ढूंढ़ने होंगे और संबंधों की इस खटास को दूर करने के लिए असलियत को पहचानने के साथ ही अपने परिवार को भी एकता के सूत्र में बांधना होगा। आज एकल परिवार की बढ़ती हुई इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है ताकि संयुक्त परिवार में बच्चों के लालन-पालन के साथ ही उन्हें संस्कारवान भी बनाया जा सके। **आधुनिक युग में इस बात में कोई भी अतिशयोक्ति नहीं है कि भौतिक सुख सुविधाओं में आशातीत अभिवृद्धि हो रही है, लेकिन इन सभी सुविधाओं के बावजूद भी हमारे अंतर्मन को शांति नहीं मिल रही है और इस अशांति का कारण हमारी संकुचित मानसिकता ही है।**

समय में कोई परिवर्तन नही हुआ है। **सूर्य चंद्रमा उसी गति से अपनी परिक्रमा कर रहे हैं, बदली है तो केवल हमारी सोच और मनुष्य समझ बैठा है कि समय बदल गया है। उसको मालूम नहीं कि पाश्चात्य**

सभ्यता और संस्कृति के दुष्प्रभाव के कारण हमारी सोच बदल गई है। जिस दिन अभिभावक अपने बच्चों के प्रति अपनी सोच बदल लेंगे तो आनंद की अनुभूति सहज रूप से ही होने लगेगी। लेकिन मेरा मानना है और जीवन का अनुभव भी है कि अपनेपन और आत्मियता के बिना रिश्तों में कभी भी प्रगाढ़ता नहीं आ सकती है।

आजकल शिक्षित महिलाएं माताएं भ्रान्ति का शिकार हो कर अपने बच्चों को दूध पिलाना छोड़ देती है। ऐसी महिलाओं पर मुझे तरस आता है। उन्होंने कभी इस बात पर विचार किया है कि 9 महीने में जिस समय बच्चा मां के गर्भ में था उस समय सेहत खराब नहीं हुई, क्योंकि उसको अपने भगवान पर भरोसा था और अब आपकी फीगर दूध पिलाने से बिगड़ जाएगी। बल्कि दूध पिलाने से मां की वेवज बच्चे के भीतर जाती है और वह बच्चे में प्रतिशोधक शक्ति उत्पन्न करती है।यह मां की अपने बच्चे के प्रति एक प्रकार से निष्ठुरता और क्रुरता ही कही जायेगी और फिर आप परिकल्पना कर सकते है कि वह बच्चा बड़ा होकर अपनी मां के दूध की लाज रखेगा। क्योंकि मां का अमृत रुपी दूध तो उसको पिलाया ही नहीं गया क्योंकि वह दूध तो मां की भौतिक इच्छाओं की बलि वेदी पर चढ़ गया और उसको ममता का मोल नहीं चुकाना आया और यही आधुनिक जीवन की विडंबना है।

हां यह बात कुछ हद तक सही भी है कि एक बच्चा अपने अभिभावकों की मजबूरी को भली-भांति समझता है और वह केवल अपने अभिभावकों से न्याय की उम्मीद रखता है। **इस जीवन में एक बात हमेशा ही याद रखनी चाहिए कि सुख-सुविधाओं की और उत्कृष्ट चीजों की भरमार और उच्च प्रतिष्ठित कैरियर भी माता पिता से उपेक्षित उस खालीपन को कभी भी नहीं भर सकता है और उन बच्चों में, संबंधों की जो नीरसता और निराशा से जन्म लेती है और ऐसी विकट परिस्थितियों में बच्चों का जीवन अधिक नीरस और कुंठाग्रस्त हो जाता है।** जीवन में भौतिक चीजें, केवल बाहरी सुविधाओं का एक स्रोत मात्र है, लेकिन अपनेपन से परिपूर्ण रिश्ते आत्मीयता, सौहार्द, स्नेह और आपसी मेलजोल के बिना संभव नहीं है।

पारिवारिक अनमोल रिश्ते, भगवान का दिया हुआ अनूठा उपहार हैं और इन रिश्तों की मधुरता ही, बच्चे के जीवन रूपी रंगोली में सुखों के विभिन्न प्रकार रंगों से भरती है। लेकिन हमारे जीवन की विडंबना यह है कि हम प्रायः यह भूल गए हैं कि जिंदगी का लेनदेन और जीवन का गणितीय सूत्र अलग है, जहां समर्पण और समर्पित भाव से बच्चों की सेवा करने वाले या कहें कि लूटने वाले लूट जाते हैं और तालमेल और सामंजस्य न होने और व्यस्तता की केंचुली से बाहर निकलकर आत्मीयता और आपसी सौहार्द और सद्भावना का परिचय न देते हुए वह एक दूसरे पर दोषारोपण करते ही रहते हैं। **इसलिए मेरा सुझाव है कि व्यस्तता की इस केंचुली से बाहर आइए और अपने बच्चों के लिए समय निकालें।** अन्यथा समय आपको कभी भी माफ नहीं करेगा। महापुरुषों का जीवन में सकारात्मकता का संदेश यही है कि हम अपने सहयोगियों और अपने-अपने रिश्तेदारों से माधुर संबंध बनाए रखें और असीम आनंद का अनुभव करें और **अभिभावकों को सोचना होगा कि अपने बच्चों को समय की बलि वेदी की भेंट न चढ़ने दें और देश के उज्ज्वल भविष्य बच्चों के लिए जब भी समय मिले अपने बच्चों को टाइम दे और उनके मन की बात सुने और उनको भारत की महान सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में अवगत करवाने का कार्य करें।** उनको बताएं कि किस प्रकार से भगवान श्री राम ने अपने माता-पिता की आज्ञा का अक्षरशः पालन करते हुए राजसिंहासन का परित्याग करके 14 वर्ष के लिए वनगमन किया। अन्यथा एक दिन, आपको भी इन्हीं परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए लिए समय रहते हुए सचेत होने की जरूरत है और अगर सचेत नहीं हुए तो समय आपको सचेत कर देगा, यह जीवन का मूलाधार है।

समय के चक्र से कोई भी व्यक्ति नहीं बच पाया है।............

प्रधान की कलम से --- प्रधान, रामपाल शर्मा।

आगामी तीन वर्षों में शिक्षा की अलख जगाने के लिए सभी मिलकर समाज को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे।

सबसे पहले तो मैं, आप सभी को बसंत पंचमी और सरस्वती देवी पूजन तथा आस्था और विश्वास का प्रतीक भारतीय परम्परा की ध्वजवाहक 26 फरवरी को मनाई जाने वाली महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर बधाई देता हूं। भगवान शिव आपकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण करे और इसके साथ ही 10 फरवरी को मनाए गए कला शिल्प और विज्ञान के प्रणेता, आराध्य देव भगवान विश्वकर्मा के प्राकट्य दिवस की भी बधाई देता हूं। यह प्राकट्य दिवस विशेष रूप से राजस्थान, दिल्ली और कर्नाटक प्रदेशों में मनाया गया। मैं मनोकामना करता हूं कि भगवान विश्वकर्मा, समाज की सुख समृद्धि वैभव और सुख-शांति के लिए अपना, आशीर्वाद इस समाज पर सदैव ही बनाए रखे।

इसके साथ ही समाज के एक होनहार और प्रतिभावान कर्मठ, ऊर्जावान और उदीयमान समाज सेवा की प्रतिमूर्ति मनीष शर्मा को 14 फरवरी को राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बनने पर, महासभा रुपी परिवार की तरफ से हृदय की गहराइयों से आभार और कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। इसके साथ ही अगाध श्रद्धा, आस्था, भक्ति और अध्यात्म का अनूठा संगम, प्रयागराज महाकुंभ में गंगा स्नान करके पुण्य अर्जित करने वालों सभी श्रद्धालुओं को भी बधाई देता हूं और उन भाग्यशाली लोगों में, मैं स्वयं भी शामिल हूं, जिन्होंने महाकुंभ में गंगा में डूबकी लगाकर अपनी आस्था और विश्वास को पूरा करने का, मां गंगा ने सुअवसर प्रदान किया और मैंने गंगा मां से, समाज की, सुख शांति और कल्याण के लिए वरदान मांगा है ।

आप सभी के आशीर्वाद से इस मुख्य सेवक को, महासभा रुपी परिवार ने, 8 दिसम्बर 2024 को पुनः समाज के मुख्य सेवक का दायित्व सर्वसम्मति से और निर्विरोध निर्वाचित करके सौंपने के साथ ही, मेरे कंधों पर पहले से भी अधिक जिम्मेदारी डाल दी गई है और सच तो यह है कि मेरे कंधे इतने मजबूत नहीं हैं। हां, मेरी एक असली ताकत है और वह ताकत है, आपका असीम स्नेह और भरपूर निःस्वार्थ प्यार, जिससे अभिप्रेरित होकर मेरे कदम निरन्तर आगे बढ़ते रहे हैं और आपके भरोसे पर ही मैं, यह बोझ उठाने में सक्षम हो सकता हूं। मेरी एक तीव्र अभिलाषा है कि अब आगामी तीन वर्षो के दौरान, समाज को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणीय बनाया जाए और समाज को शिक्षा के प्रति जागृत किया जाए, क्योंकि जीवन में शिक्षा और ज्ञान ही एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा समाज में प्रगति का शंखनाद होने के साथ-साथ ही, समाज को सभी प्रकार की सभी कुरीतियों से मुक्ति दिलवाई जा सकती है।

आज प्रतिस्पर्धा के इस डिजिटल आधुनिक युग में शिक्षा के क्षेत्र में वही बच्चा आगे जाएगा, जिसकी सोच सकारात्मक होगी और जो समय के अनुसार अपने आप में, परिवर्तन करने में सक्षम होगा। ज्ञान और विद्या की कोई सीमा नहीं है, जितना भी शिक्षा बढ़ेगी, इतना ही ज्ञान बढ़ेगा और हृदय से अज्ञान रूपी अंधकार का विनाश होगा। शिक्षा, को कोई भी चोर चूरा नहीं सकता है और ज्यों-ज्यों शिक्षा बढ़ेगी त्यों-त्यों एक मनुष्य के व्यक्तित्व का विकास होगा और निखार आएगा और इस दिशा में, हम सभी को एक साथ मिलकर, संयुक्त प्रयास करने की महत्ती आवश्यकता है। मेरा अपना मानना है कि अकेला चना कभी भी भाड़ नहीं फोड़ सकता है। शिक्षा दान महादान है और शिक्षा एक ऐसा सशक्त माध्यम है, जो तिमिर का विनाश करके हृदय में ज्ञान की ज्योति प्रज्ज्वलित करती है।

मेरा मानना है कि कोई भी सामाजिक कार्य, बिना संयुक्त प्रयास के कभी भी सफल नहीं हो सकता है । नववर्ष 2025 में, मैंने अपने संकल्पों में, यह बात दोहराई है कि, समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हम सभी मिलकर विशेष ध्यान देंगे, क्योंकि शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है, जिसके के द्वारा प्रगति के नए द्वार खुलते हैं और इन प्रगति के द्वारों को खोलने के लिए, अभिभावकों को मिलकर काम करना होगा और आगे आना होगा और इस शिक्षा रुपी महायज्ञ में, हम सभी अपनी-अपनी आहुति डालकर ही इस यज्ञ को पूरा कर सकते हैं। इसीलिए मैं, यह विनम्र अनुरोध करता हूं कि महासभा की कार्यकारणी के गठन के पश्चात, हम सभी मिल बैठकर समाज के बुद्धिजीवियों के साथ एक विचार संगोष्ठी का आयोजन करेंगे, जिसमें, समाज के उच्च शिक्षित लोगों को आमंत्रित किया जाएगा और उनके सुझावों पर गम्भीरता से विचार किया करते हुए समाज के भलाई के लिए जो भी निर्णय उचित होंगे उनको तत्परता से लागू किया जाएगा और शायद इसीलिए कहा गया है कि सभी मिलकर कार्य करेंगे तो उसके बेहतर परिणाम हमारे सामने आएंगे। इसीलिए तो कहा गया है कि **करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान ।** लगातार मिलकर प्रयास करने से सफलता अवश्य ही मिलेगी।

जिस प्रकार से आपके सहयोग से ही, देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मुंडका में, महासभा का भवन बनाया गया है और इसमें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वालों के लिए उचित दरों पर रहने की व्यवस्था की जाएगी और समाज का जो, युवा भारतीय प्रशासनिक सेवा की प्रीलिम्स की परीक्षा पास कर लेगा उसको विशेष सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। मेरी यह हार्दिक इच्छा है कि भगवान विश्वकर्मा की जन्मजात इंजीनियर सन्तान, जीवन में शिक्षा के क्षेत्र में नए-नए कीर्तिमान स्थापित करे और हमारा समाज शिक्षा के क्षेत्र में तीव्र गति से आगे बढ़े । भगवान विश्वकर्मा की संतान होने के कारण हमारा समाज वैसे ही बुद्धिजीवी और जन्मजात इंजीनियर है और इसलिए समाज के युवाओं को उचित मार्गदर्शन की जरूरत है और अगर युवाओं को सही समय पर उचित मार्गदर्शन मिल जाए तो, समाज के प्रतिभाशाली और गरीब बच्चों का भविष्य उज्जवल हो सकता है इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है।

समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाने के लिए ही हम सभी मिलकर एक साथ सार्थक प्रयास करेंगे तो, इसके अवश्य ही सकारात्मक परिणाम हमारे सामने आएंगे और मुझे उम्मीद है कि जिस प्रकार से महासभा भवन बनाने के बारे में सार्थक परिणाम समाज के सामने आए हैं, उसी प्रकार से इस शिक्षा के विस्तार रुपी महायज्ञ में भी यह समाज अपनी इच्छा शक्ति के बल पर सफल होगा , ऐसी मेरी मनोकामना है। हम अंगिरस पब्लिक भारती स्कूल का दर्जा बढ़वाने के साथ ही, इसमें कॉलेज बनाने की संभावना पर भी विचार किया जा सकता है। लेकिन जो भी निर्णय होगा, वह सभी की सहमति से ही लिया जाएगा, क्योंकि समाज मिल जुलकर और आपसी हित का जो निर्णय ले सकता है, वह एक अकेला व्यक्ति कभी भी नहीं ले सकता है। इसलिए मैं, चाहता हूं कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के निवासी इस मामले में पूरा सहयोग करें, जिससे न केवल हम इस स्कूल का दर्जा बढ़वाने में सफल होंगे अपितु इसके परिसर में, कॉलेज बनाने की संभावना पर भी विचार करेंगे।

अन्त में, मैं आज की युवा पीढ़ी और देश का उज्ज्वल भविष्य युवाओं से एक बात विशेष रूप से कहना चाहता हूं कि आप मोबाइल संस्कृति से दूर रहें और माता-पिता का भी यह दायित्व है कि वह अपने बच्चों को मोबाइल नहीं, संस्कार प्रदान करे क्योंकि बेहतर आचरण से ही आध्यात्मिक संस्कार पैदा होंगे। विपुल धन्यवाद.....

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर राष्ट्रीय झंडे की रक्षा का संकल्प लें।

गणतंत्र दिवस का राष्ट्रीय पर्व, देश की अस्मिता और वैभव और असीम गौरव का प्रतीक है और इस महान दिन को हासिल करने के लिए ही भारत मां के असंख्य वीर सपूतों ने अपने वतन के लिए हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहूति दी और आज हम उन वीर शहीदों के ऋणी हैं। मैं इस पुनीत अवसर पर देश के जाने अनजाने वीर सपूतों को, जिन्होंने अपने प्राणों का बलिदान दिया उन सभी के प्रति महासभा रुपी परिवार की तरफ से कृतज्ञता प्रकट करते हुए शत् शत् नमन करता हूं।

यह उदगार महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने 26 जनवरी को महासभा भवन के नवनिर्मित और 7 सितंबर 2024 को गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर लोकार्पण करने के उपरांत पहली बार महासभा भवन के परिसर में, 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के उपरांत अपने भावों को अभिव्यक्त करते हुए व्यक्त किए ।

प्रधान रामपाल शर्मा ने अपनी उदारता का परिचय देते हुए समारोह में उपस्थित वरिष्ठ सदस्य और श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष सत्यपाल वत्स और रामानंद शर्मा को झण्डा रोहण के समय, उनको अपने साथ खड़ा करके उनको भरपूर मान-सम्मान दिया। इस ऐतिहासिक अवसर पर देश की आन बान और शान राष्ट्रीय ध्वज बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमामय तरीके से भारी जनसमूह के बीच फहराया गया। **उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय तिरंगा झंडा हमारे देश की अस्मिता और महान गौरव का प्रतीक है और देशवासियों को इस पर गर्व है और इसकी रक्षा करने के लिए हम सबको एक साथ मिलकर संकल्प लेना चाहिए और इस राष्ट्रीय ध्वज रुपी धरोहर को संजोकर रखना चाहिए। हम यहां से, आप सभी इस राष्ट्रीय ध्वज की रक्षा करने का संकल्प लेकर जाए और इसकी आन-बान और शान पर किसी भी प्रकार की कोई भी आंच न आने देंगे, क्योंकि इसके भीतर देश का गौरव छिपा हुआ है। सबसे पहले मैं देश की आन बान और शान राष्ट्रीय तिरंगे झण्डे को नतमस्तक हो कर नमन करता हूं और ह्रदय से उन सभी देशभक्तो को नमन करता हूं, जिन्होंने आजादी के संघर्ष में अतुलनीय योगदान दिया है।**

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि **विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में हर साल गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। आज इसकी वजह से भारत 75वर्ष पहले एक लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया था ।गणतंत्र दिवस ही वह दिन है, जिस दिन भारत का संविधान लागू हुआ था और देश में सबसे पहला गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 1950 को मनाया गया था। ।**

महासभा के पूर्व महामंत्री चन्द्रपाल भारद्वाज ने देश के संविधान की रक्षा के लिए देश के संविधान की प्रस्तावना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें प्रभुतासम्पन राष्ट्र की परिकल्पना की गई है और इसके अनुसार न्याय, स्वतंत्रता, समानता और आपसी सौहार्द भाईचारा (फ्रैट्रनिटी) का उल्लेख है जो हमारे संविधान की आत्मा है और यह अवधारणा देश में 26 जनवरी 1949 को संविधान सभा में अंगीकार की गई।

अंगिरस भारतीय पब्लिक स्कूल के चेयरमेन सुरेन्द्र वत्स एवं विभिन्न प्रबुद्ध समाज बंधुओं ने समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने की वकालत करते हुए कहा कि समाज के सर्वागींण विकास के लिए शिक्षा रुपी ज्ञान का दीपक प्रज्वलित करना होगा ताकि इसकी लौ में ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब और प्रतिभावान विद्यार्थियों को विशेष अवसर प्रदान किया जा सकें। हम सभी मिलकर शिक्षा की अलख जगाने का स्तुत्य प्रयास करें ताकि समाज के युवाओं की विकास के क्षेत्र में भागीदारी बढ़ सकें।

इस समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वाले समाज के प्रतिष्ठित महानुभावों में महासभा के पूर्व महामंत्री सांवरमल जांगिड और सुरेन्द्र वत्स, जयपुर से मनोहर लाल दूरदर्शन, संजय हर्षवाल और राजेन्द्र कुमार जांगिड, दिल्ली प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश खण्डेलवाल महामंत्री ब्रह्मानंद शर्मा, प्राचीन श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज दिल्ली के अध्यक्ष गंगादीन जांगिड, महासभा के पूर्व मुख्य चुनाव अधिकारी, देवमणी शर्मा, हंसराज शर्मा, कृष्ण आसौदा, श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष, सतपाल वत्स, समालखा से महासभा के संरक्षक राजेंद्र शर्मा, पूर्वी दिल्ली के जिला अध्यक्ष अरविंद शर्मा, महिला प्रकोष्ठ दिल्ली, अध्यक्ष श्रीमती सुमन जांगिड, मध्य दिल्ली, जिला अध्यक्ष हरद्वारी लाल, नजफगढ़ शाखा सभा अध्यक्ष नवीन कालोनियां, महासभा कर्मचारी चन्दन प्रकाश, दीपक जांगिड, सुशीन जांगिड और भीमराज जांगिड शामिल हैं।

प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा इस अवसर पर मदनलाल जांगिड को दिल्ली प्रदेश सभा का प्रभारी नियुक्त किया गया। मंच का बेहतरीन ढंग से संचालन, समाज के प्रखर वक्ता महासभा के पूर्व महामंत्री, चंद्रपाल भारद्वाज ने बहुत ही सुंदरता और अपनी बुलंद आवाज में किया। देश की आन बान और शान राष्ट्रीय तिरंगा झंडा रहे ऊचा हमारा के गाने के साथ ही देश भक्ति के गानों से वातावरण गूंजायमान हो उठा।

महामंत्री, प्रदेश सभा दिल्ली, ब्रह्मानंद शर्मा

मनीष शर्मा ने राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण की।

राजस्थान उच्च न्यायालय के नवनियुक्त न्यायाधीश मनीष शर्मा।

जांगिड समाज के गौरव और देदीप्यमान सितारे, समाज के राजस्थान उच्च न्यायालय में पहुंचने वाले पहले न्यायाधीश, सिविल मामलों के प्रख्यात अधिवक्ता, महान समाजसेवी परिवार से सम्बन्ध रखने वाले, अपने दादा और पिता की विरासत को गरिमामय ढंग से आगे बढ़ाने वाले, प्रख्यात अधिवक्ता मनीष शर्मा को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं और सत्य निष्ठा तथा कर्त्तव्यपरायता को ध्यान में रखते हुए ही, सुप्रीम कोर्ट की कोलिजियम द्वारा राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को उनके नाम की न्यायाधीश बनाने के लिए अनुसंशा की गई थी और राष्ट्रपति भवन द्वारा उनकी नियुक्ति का वारंट शुक्रवार 14 फरवरी को जारी किया गया । मनीष शर्मा को वकील कोटे से न्यायाधीश बनाया गया है और उन्होंने 17 फरवरी को राजस्थान उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ जोधपुर में, न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण की है तथा उनको राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मनेंद्र मोहन श्रीवास्तव द्वारा एक सादे समारोह में पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई।

मनीष शर्मा ने शपथ ग्रहण करने के उपरांत, साधु प्रवृति के धनी अपने पिता पंडित श्री प्रकाश नारायण शर्मा और धार्मिक विचारों से ओतप्रोत और उच्च संस्कारों की प्रतिमूर्ति, मां श्रीमती कृष्णा शर्मा से आशीर्वाद लिया। उनकी मां श्रीमती कृष्णा शर्मा ने भावुक होते हुए कहा कि, मुझे अपने बेटे पर गर्व है, जिसने अपने सदविवेक और बुद्धिमता का परिचय देते हुए सहज और संयमित तरीके से अपने कार्य का भलीभांति निर्वहन करते हुए, जांगिड समाज की प्रतिष्ठा को चार-चांद लगाने का स्तुत्य प्रयास किया है। उनके पिता पंडित प्रकाश नारायण शर्मा जोकि सन् 1963 से राजस्थान उच्च न्यायालय में वकालत कर रहे हैं, ने कहा कि मनीष शर्मा ने, वकालत के इस प्रतिष्ठित पेशे को अपने अथक परिश्रम और पुरुषार्थ के बल पर ऊंचाइयों पर पहुंचाने का काम किया है और इसका पुरस्कार, उनको राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति होने से मिला है। और मुझे उम्मीद है कि भविष्य में वह न्याय के मूल सिद्धांतों का सत्यनिष्ठा पूर्वक पालन करते हुए और न्याय के क्षेत्र में काम करते हुए, गरीब वर्ग के लोगों को त्वरित गति से न्याय दिलावाने के लिए सदैव ही तत्पर और प्रयत्नशील रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि मनीष शर्मा का जन्म 6 फरवरी 1971 में हुआ और उन्होने बी.एस.सी और एल.एल.बी की डिग्री राजस्थान विश्वविद्यालय से हासिल की और सन् 1993 में, वकालत के रूप में अपने कैरियर की शुरुआत की और पिछले 31 वर्षो के दौरान, राजस्थान सिविल कोर्ट, राजस्थान उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में वकालत करते हुए सिविल, आपराधिक और संवैधानिक मामलों में विशेष दक्षता और पारंगतता हासिल की है और सिविल मामलों में उनकी, बहुत अधिक गहरी पकड़ हैं और मनीष शर्मा, जयपुर में, सिविल मामलों के विख्यात अधिवक्ता रहे हैं। इनके पिता पंडित श्री प्रकाश नारायण भी, महान समाजसेवी और प्रसिद्ध अधिवक्ता हैं और इसके अतिरिक्त इनके दादा पंडित गोकुल नारायण शर्मा भी अपने समय के विख्यात एडवोकेट के साथ-साथ ही, उन्होंने अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली महासभा के सन् 1944 में प्रधान के पद को भी सुशोभित किया था और उन्होंने अपनी प्रैक्टिस की शुरुआत सन् 1933 में इलाहाबाद हाईकोर्ट से की थी।

मनीष शर्मा की नियुक्ति, उनके उदीयमान कैरियर में एक मील का पत्थर सिद्ध हुई है। उनका कानूनी बरादरी के प्रति अभूतपूर्व योगदान है और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता के कारण ही, उनको न्यायाधीश का गरिमामय पद हासिल हुआ है और न्याय के क्षेत्र में उनको एक महत्वपूर्ण भूमिका हासिल हुई है। इस अनुकरणीय उपलब्धि के लिए उनके समकक्ष न्यायधीशों, पारिवारिक सदस्यों, बार एसोसिएशन के युवा सदस्यों और शुभचिंतकों ने अनन्त शुभकामनाएं दी हैं और भविष्य में उनके प्रयासों की सफलता की भी मनस्कामना की है। शपथ ग्रहण के पश्चात न्यायाधीश मनीष शर्मा को बधाई देने वाले शुभचिंतकों का तांता लगा रहा।

इस शुभ अवसर पर बधाई देने वालों में, अजमेर से महासभा के पूर्व मुख्य सलाहकार और महान समाजसेवी और भामाशाह, श्रीगोपाल चोयल और उसकी धर्मपत्नी श्रीमती प्राप्ति शर्मा, जयपुर से प्रदेश विधि प्रकोष्ठ के अध्यक्ष हरीश जांगिड, जोधपुर से राजकीय अधिवक्ता पुखराज जांगिड, अधिवक्ताओं में, कैलाश जांगिड, विशाल

जांगिड, दीपक कुलरिया, हरीश जांगिड, राधेश्याम मांकड़, रामदेव जांगिड, दीपक जांगिड, दिलीप सुथार, अजीत कुमार, निमेश शर्मा और निमेष सुथार, जयपुर से अतिरिक्त महाधिवक्ता श्याम सुन्दर लदरेचा, अधिवक्ता बी.सी. रावत, समाज सेवी सचिन हर्षवाल, विश्वकर्मा गौरव पत्रिका के प्र. संपादक गीतेश जांगिड, झज्जर से सत्यनारायण बिडधाना और विकास जांगिड सहित अनेक महानुभावों ने न्यायाधीश मनीष शर्मा को शपथ ग्रहण के उपरांत पुष्प गुच्छ एवं माला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया और व्यक्तिगत रूप से भी मिलकर बधाई दी। इस अवसर पर न्यायाधीश मनीष शर्मा के माता-पिता का भी सम्मान किया गया और इन गौरवमय पलों के साक्षी बनने के लिए न्यायाधीश मनीष शर्मा के परिवारजन, जिनमें धर्मपत्नी श्रीमती ऋचा शर्मा, सुपुत्र उत्कर्ष शर्मा और सुपुत्री उदिता शर्मा के साथ-साथ मामा राम बिहारी शर्मा, कृष्ण कांत शर्मा तितरवाडिया तथा पार्थ दक्ष सहित परिवार जनों ने उपस्थित होकर इस शपथ ग्रहण समारोह की शोभा को द्विगुणित किया।

न्यायाधीश मनीष शर्मा को, हृदय की गहराइयों से बधाई सन्देश देने वालों में, राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा, आदमपुर के विधायक चन्द्र प्रकाश जांगिड, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. समित शर्मा, डॉ. जोगाराम, सुभाष चन्द्र शर्मा, विश्व मोहन शर्मा और रमेश कुमार शर्मा, आयकर विभाग के महानिदेशक (जांच) डॉ. नरेन्द्र शर्मा, भारतीय राजस्व सेवा के संयुक्त आयुक्त चूना राम जांगिड और दिनेश कुमार सारंग, श्री गंगानगर, जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष और पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश साहब राम मोटियार और हरियाणा के पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश जयसिंह जांगिड, महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रविशंकर शर्मा, महासभा के अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष अमराराम जांगिड, पूर्व महिला प्रकोष्ठ श्रीमती मधु शर्मा, भामाशाह और उद्योगपति गुरुग्राम के पी.एल. शास्त्री, महासभा के मुख्य संरक्षक भंवरलाल कुलरिया भी शामिल हैं।

इसके साथ ही, मध्य प्रदेश अध्यक्ष, प्रभू दयाल बरनेला, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष कैलाश शर्मा, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नानूराम जांगिड, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष खुशीराम जांगिड, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष जगतराम भदरेचा, गोवा प्रदेश अध्यक्ष भंवरलाल सुथार, तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष सिया राम जांगिड, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम पंवार, महासभा के पूर्व महामंत्री सांवरमल जांगिड और अनिल एस जांगिड, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय हर्षवाल, महामंत्री कैलाश शर्मा साली वाले, विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के अध्यक्ष गंगादीन जांगिड, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष, धर्मपाल शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश खण्डेलवाल, विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति के अध्यक्ष बृज किशोर शर्मा, जयपुर के एडवोकेट ओमप्रकाश जांगिड, बैंगलुरू से भामाशाह भंवरलाल गुगरिया, रमेश शर्मा और बाबूलाल शर्मा, हरियाणा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शेर सिंह जांगिड, दादी का फाटक जांगिड विकास समिति के अध्यक्ष कैलाश चंद जांगिड, सम्पादक ज्ञान ज्योति दर्पण, नरेन्द्र परवाना, ग्राफिक्स एण्ड विडियो एडिटर, अजीत जांगिड, दीप विश्वकर्मा के सम्पादक हरिराम जांगिड, विश्वकर्मा टूडे के सम्पादक, नरेश शर्मा, जांगिड पत्रिका के सम्पादक राम भगत शर्मा, सहित सभी प्रदेश सभाओं और समाज की विभिन्न संस्थाओं और जिला सभाओं सहित सभी ने न्यायमूर्ति मनीष शर्मा को, राजस्थान हाईकोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त करने पर अनन्त शुभ मंगल कामनाएं और बधाई दी है।

इसके अतिरिक्त, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश करनाल अनिल कुमार शर्मा और सतीश जांगिड, कुरुक्षेत्र, एसीजेएम शाहपुरा, प्रतिभा मोटियार, एसीजेएम ब्यावर कोमल मोटियार, एसीजेएम जोधपुर, राजीव जांगिड, एसीजेएम अरुण जांगिड रतनगढ़ और एसीजेएम सुनील जांगिड भीलवाड़ा, एडीशनल सिविल जज सीनियर डीविजन, मोहिनी शर्मा, मोनिका जांगिड, डी.पी. शर्मा और विक्रांत शर्मा, सिविल जज जूनियर डिविजन फरीदाबाद अनिल कुमार शर्मा, दीपक जांगिड, देवयानी जांगिड, निशा जांगिड और रश्मि शर्मा ने भी राजस्थान हाईकोर्ट के नवनियुक्त न्यायाधीश मनीष शर्मा को हृदय के अन्तःकरण से बधाई संदेश भेजा है। उन्होंने कहा है कि मनीष शर्मा ने न्यायाधीश बनकर समाज का गौरव बढ़ाया है और हरियाणा और राजस्थान के न्यायिक सेवा से जुड़े सभी अधिकारियों को इस नियुक्ति पर विशेष गौरव की अनूभूति महसूस हो रही हैं। हम न्याय प्रणाली से जुड़े सभी न्यायिक अधिकारी, माननीय न्यायाधीश के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करते हैं। **सम्पादक, रामभगत शर्मा**

आगामी तीन वर्षों के दौरान महासभा के माध्यम से शिक्षा के प्रचार प्रसार पर विशेष बल दिया जाएगा।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने समाज के महानुभाओं और विशेषकर महिलाओं का आह्वान किया कि वह अपने बच्चों को मोबाइल से दूर रखें और उनको बेहतर संस्कार प्रदान करें ताकि समाज के बच्चे भी बच्चियों के तरह ही शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ कर समाज का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने कहा कि आगामी तीन वर्षो के दौरान महासभा द्वारा शिक्षा पर विशेष बल दिया जाएगा ताकि समाज के बच्चे प्रतिस्पर्धा के इस युग में आशातीत सफलता हासिल कर सकें।

यह उदगार, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा, मुंडावर कस्बे के जांगिड धर्मशाला में 19 जनवरी को आयोजित समारोह में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। इससे पहले जांगिड धर्मशाला के मुख्य द्वार का लोकर्पण, भगवान श्री विश्वकर्मा मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा, रक्तदान, कलश यात्रा, का आयोजन और भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना करके समारोह का श्रीगणेश किया गया। उसके पश्चात महासभा प्रधान एवं भामाशाहों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

महासभा प्रधान ने समाज के उदीयमान और होनहार बच्चों को उच्च शिक्षा देने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि जो प्रतिभावान और गरीब छात्र एवं छात्राएं उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, उनकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए समाज के दो तीन व्यक्तियों को मिल कर उस बच्चे को गोद ले लेना चाहिए ताकि वह उच्च शिक्षा ग्रहण कर सके और बच्चों को बेहतर संस्कार देने की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि पहले समय में, जिस प्रकार दादी-नानी बच्चों को कहानियां सुनाकर उनमें संस्कार पैदा करती आज वही काम एक मोबाइल कर रहा, जिस समय एक बच्चा रोता है तो मां उस दोबारा चुप करवाने के लिए उनके हाथ में मोबाइल पकड़ा देती है। इस प्रवृत्ति से हमें बचना चाहिए

सर्वसम्मति से पुनः प्रधान बनाए जाने पर आभार व्यक्त करते हुए प्रधान ने कहा कि प्रधान पद के लिए 5 उम्मीदवारों, बाबूलाल शर्मा, सियाराम जांगिड, श्रीमती पुष्पा शर्मा, संजय हर्षवाल और मदनलाल जांगिड द्वारा नामांकन दाखिल किया गया था और सभी ने मेरे पक्ष में अपना नाम वापस लेने से निर्विरोध निर्वाचित होने का रास्ता प्रशस्त हुआ। इसलिए मैं उन सभी का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूं।

प्रधान जी ने भावुक होते हुए कहा कि 'मेरे अंदर समाज ने जो विश्वास व्यक्त किया है और मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसके लिए मैं समाज का धन्यवाद व्यक्त करता हूं और विश्वास दिलाता हूं कि इस काम को मैं अपना काम समझ कर महासभा के कार्यो को आगे बढ़ाऊंगा। हम सभी मिलकर समाज की प्रगति और तरक्की को नया आयाम देंगे, क्योंकि समाज में अब कोई गुट नहीं है और कोई पक्ष विपक्ष नहीं है और अब समाज को आगे बढ़ने से कोई भी नहीं रोक सकता है और हम सभी मिलकर शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करेंगे। उन्होंने समाज के उपस्थित लोगों का आह्वान किया कि पर्यावरण की रक्षा के लिए आगामी तीन वर्षो के दौरान कम से कम 21 लाख पेड़ लगाने का संकल्प लें और अपनी श्रद्धानुसार 5-10 या इससे अधिक पेड़ लगाकर इस महायज्ञ में अपनी आहुति डालने का काम करें और मेरी समाज से अपील है कि मेरे कार्यकाल में कम से कम 21 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य निर्धारित करें।

भगवान श्री राम की भव्य अयोध्या नगरी में, जांगिड धर्मशाला का निर्माण करने की अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराते हुए प्रधान ने कहा कि मैं धर्मशाला के लिए उपयुक्त जगह की तलाश करने के लिए तीन बार अयोध्या जा चुका हूं और उन्होंने आश्वासन दिया कि आगामी तीन वर्षो के दौरान अयोध्या में समाज की धर्मशाला बनाने के साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में भी अनेक सार्थक प्रयास किए जाएंगे। राजस्थान प्रदेशसभा द्वारा जयपुर में श्री विश्वकर्मा महाकुंभ की सफलता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस महाकुंभ में लगभग 2.50 लाख लोग जांगिड-सुथार और विश्वकर्मा ने शामिल होकर, जांगिड-सुथार एकता का परिचय दिया जिसकी गूंज सारे देश में सुनाई दी थी।

प्रधान रामपाल शर्मा ने याद दिलाया कि जिला अलवर सभा द्वारा जो छात्रावास का निर्माण किया जा रहा है, उसका काम अभी अधूरा है और इसके निर्माण के लिए समाज के भामाशाहों द्वारा 1 करोड़ 80 लाख रुपए की राशि दान स्वरूप बोली गई थी और इस महायज्ञ में मैंने भी 11 लाख रुपए की राशि दान स्वरूप बोली थी, जिसमें से 6 लाख रुपए की राशि मेरे द्वारा पहले ही दी जा चुकी है और बाकी की 5 लाख रुपए की दान राशि भी शीघ्र ही जमा करवा दी जाएगी। उन्होंने अलवर जिला अध्यक्ष रतन लाल जांगिड से आग्रह किया कि वह इस मामले में स्वयं ही रुचि लेकर, दानदाताओं से व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क करके, भामाशाहों द्वारा बोली गई इस दानराशि को, शीघ्रातिशीघ्र जमा करवाने के लिए अभिप्रेरित करें ताकि इस राशि का उपयोग करके छात्रावास का निर्माण कार्य पूरा करने के साथ ही इस राशि का उपयोग समाज उत्थान और विकास के लिए किया जा सके।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उद्योगपति राजेश जांगिड ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज समाज में एक विशेष जागृति पैदा हुई है और प्रतिभा और तकनीकी ज्ञान में पारंगत इस समाज ने शिल्प कला के क्षेत्र में विशेष ख्याति अर्जित की है। उन्होंने समाज में परिव्याप्त कुरितियों को दूर करने के साथ ही समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आधुनिक युग में शिक्षा के माध्यम से ही समाज की नींव सुदृढ़ की जा सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भामाशाहों के सहयोग के बिना समाज का विकास नहीं हो सकता है और दान दिए से कभी धन नहीं घटता है ।

चिड़ी चोंच भर लें गई, नदी घटयो ना नीर। दान दिए धन ना घंटे कह गए सन्त कबीर।।

इसलिए परमार्थ के कार्यो में दान देने से धन बढ़ता है। इसलिए जहां तक संभव हो सके समाज में जरुरत वाले व्यक्ति की सहायता करें और पुण्य के भागीदार बनें। उन्होंने समाज की प्रगति के लिए आपसी सौहार्द और भाईचारा बनाए रखने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

राज0 प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष संजय हर्षवाल ने समाज द्वारा बेहतरीन कार्यक्रम की व्यवस्था करने की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि इस सम्मान के वास्तविक हकदार महासभा के पूर्व उपाध्यक्ष और समाज के कर्मठ कार्यकर्ता और मिलनसार प्रवृत्ति के धनी उजेन्दर जांगिड हैं। उन्होंने भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस समय उजेन्दर जांगिड मुझे निमंत्रण देने आए तो, भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति का उल्लेख हुआ और मैंने तत्काल ही दौसा के रहने वाले समाज सेवी रामकिशोर जांगिड मूर्ति बनाने वाले को फोन किया और उन्होंने तुरंत ही भगवान विश्वकर्मा की सुन्दर मूर्ति की व्यवस्था कर दी और इस पुनीत कार्य के लिए उनका हार्दिक आभार और भगवान विश्वकर्मा उनकी इसी भावना को सदैव ही बनाए रखे। उन्होंने कहा कि समाज में दान देने वालों की कमी नहीं है, कमी है तो केवल दान लेने वालों की और इस प्रकार के प्रयास भविष्य में भी जारी रहने चाहिए और भामाशाहों को आगे बढ़कर समाज के जरुरतमंदों यथासंभव मदद करनी चाहिए।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए गुरुग्राम के उद्योगपति लक्ष्मी नारायण शर्मा ने कहा कि विनम्रता और सौम्यता तथा सहृदयता की प्रतिमूर्ति और निःस्वार्थ भाव से समाज सेवा करने वाले प्रधान रामपाल शर्मा ने समाज के महापुरुषों के सपनों को साकार करते हुए महासभा के भवन का निर्माण करके, युवाओं के भाग्य को चमकाने के लिए एक नया रास्ता प्रशस्त किया है और इस भवन में रहकर युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे जो शिक्षा के प्रति उनकी सोच को परिलक्षित करता है।

भामाशाह समारोह का शुभारंभ खैरथल जिला अध्यक्ष नरेश जांगिड, सुरेन्द्र वत्स दिल्ली, महासभा के पूर्व महामंत्री अनिल एस जांगिड, फूल चंद जांगिड और उजेन्दर जांगिड सहित समाज के गणमान्य प्रतिष्ठित महानुभावों ने दीप प्रज्वलित करके किया और समाज के प्रधान रामपाल शर्मा सहित सभी भामाशाहों का सम्मान प्रेम कुमार जांगिड व जांगिड धर्मशाला मुण्डावर के सदस्यों द्वारा सम्मान का प्रतीक साफा,शाल व प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। समारोह के अन्त में, महासभा के पूर्व उपप्रधान उजेन्दर जांगिड ने गत वर्ष का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और एक आवाज-एक समाज का नारा देकर आगुंतक मेहमानों का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त किया।

इस समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में विशिष्ट अतिथि श्रीचंद जांगिड मुल्ताननगर, प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान घनश्याम शर्मा पंवार, महासभा के पूर्व महामंत्री अनिल एस जांगिड, पूर्व सह कोषाध्यक्ष गजेन्द्र जांगिड, मिशन डेढ़ लाख के पूर्व प्रभारी रामजीलाल जांगिड,पश्चिम बंगाल के पूर्व अध्यक्ष सुशील कुमार, बैंगलूरू से बाबूलाल जांगिड, जिलाध्यक्ष रतनलाल, पूर्व जिला अध्यक्ष मदनलाल उद्योगपति शामिल हैं और इसके साथ ही दिल्ली प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश खंडेलवाल, हरियाणा प्रदेश सभा अध्यक्ष खुशीराम जांगिड, विश्वकर्मा टूडे चैनल हैड नरेश शर्मा, गुरुग्राम जिला अध्यक्ष सत्यनारायण जांगिड और पतराम जांगिड, दिल्ली से कैलाश जांगिड, उधोगपति महेन्द्र जांगिड, टपूकड़ा के सरपंच नरेश शर्मा, सोहनलाल जांगिड अलवर, खैरथल से ताराचंद जांगिड, मानसिंह और कैलाश महामंत्री, बानसूर से नेकीराम, सतप्रकाश जांगिड महामंत्री अलवर, गणेशीलाल किशनगढ़, तहसील अध्यक्ष राजकुमार जांगिड, धर्मशाला अध्यक्ष बाबूलाल जांगिड, हुकम जांगिड, राजेश जांगिड, व्यवस्थापक शिवचरण जांगिड, दिलीप जांगिड, श्रीराम, सीताराम, सुभाष जांगिड, सुरेश चंद, गर्जेद्र पाल, सतीश, प्रकाश, मोनू, जवाहर, अशोक, झुन्नू, सुमित, मुकेश, राजेन्द्र, ओमदत्त, बबली, महेन्द्र भुनगडा़, नरेंद्र पदमाडा, मामचंद मीरका, कृष्णकुमार खानपुर, प्रधानाचार्य विजय जांगिड सहित समस्त जिला अध्यक्ष, तहसील अध्यक्ष सहित पदाधिकारी, कार्यकारिणी व समाज के लोग एवं भारी संख्या में मातृशक्ति शामिल थी। मंच का संचालन बड़े ही सुनियोजित और क्रमबद्ध तरीके से ऐडवोकेट महादेव प्रसाद जांगिड ने किया।

पूर्व उपप्रधान महासभा,उजेन्दर जांगिड

जीवन में आशातीत सफलता का 9 मूल मंत्र हैं, जिनमें सपने देखना और लक्ष्य निर्धारित करना शामिल है।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी, राजस्थान, डॉ. समित शर्मा।

विनम्रता और सदाशयता के प्रतिमूर्ति, युवाओं के प्रेरणास्रोत, स्पष्ट वक्ता डॉ. समित शर्मा आज मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में अपनी एक विशेष पहचान बना चुके हैं। प्रत्येक छोटे से छोटे कार्य को महत्व देते हुए, भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर जनरेटिक औषधियों के क्षेत्र में ख्याति अर्जित कर चुके हैं। अवसर था जयपुर में 26 जनवरी को गणतंत्र के दिवस पर राजस्थान प्रदेश सभा द्वारा समाज की होनहार प्रतिभाओं को सम्मानित करने का, और इस अवसर का लाभ उठाते हुए, अपने प्रेरणादायक उद्‌बोधन में जो सकारात्मक संदेश वहां पर उपस्थित श्रोताओं को दिया और वह सभी के दिल को छू गया और उनके द्वारा दिया गया यह उदबोधन विस्मरणीय बन गया है।

विनम्र स्वभाव की प्रतिमूर्ति और माता पिता के श्रवण कुमार, डॉ. समित ने अपने उद्‌बोधन में, सबसे पहले समाज के प्रतिभावान युवाओं और जगमग सितारों को, विभिन्न क्षेत्रों आरएएस, आरजेएस और आईआईटी और इसरो सहित उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वालों को बधाई देते हुए कहा कि आज के युवाओं ने मेरा दिल जीत लिया है। इतना ही नहीं उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा की तैयारी करते समय अपनी असफलता को भी सभी के सामने सहजता से स्वीकार करते हुए, अपनी उदारता का परिचय भी दिया और इसके साथ ही सभी को और विशेषकर युवाओं को आगे बढ़ने के लिए सफलता के गुर भी सिखलाए। उन्होंने सहजता से कहा कि इस 15 मिनट के अवसर के लिए मैंने रात को दो घंटे तैयारी करनी पड़ी, क्योंकि मैं इस सुनहरी अवसर को कभी भी गवाना नहीं चाहता था। देश भक्ति से परिपूर्ण भारत माता के नारे के उद्‌घोष के साथ उन्होंने कहा कि ---

इस मिट्टी से तिलक करो यह मिट्टी है हिन्दुस्तान की।
आओ बच्चों तुम्हें दिखाए यह झांकी हिन्दुस्तान की।

जीवन में सफलता हासिल करने के उद्देश्य और लक्ष्य सहित 9 गुरु मंत्र देते हुए कहा कि इनके आत्मसात करने से सफलता आपके कदम चूमेगी। सफलता की पहली सीढ़ी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि -**1. सपने देखना और लक्ष्य निर्धारित करना**- डॉ. समित शर्मा ने कहा कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए एक सपना देखना और लक्ष्य निर्धारित करना जरूरी है, तभी आप अपने लक्ष्य की ओर उन्मुख हो सकेंगे और उसी के अनुसार मेहनत करके सफलता और सिद्धि हासिल कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान न्यायिक सेवा में चयनित, रश्मि शर्मा ने, जिस प्रकार से अपने सपने देखे और फिर अपना लक्ष्य निर्धारित करके उस हासिल करने के लिए स्तुत्य प्रयास किया और अंततः अपना लक्ष्य हासिल करने में सफलता हासिल की, यही सफलता की पहली सीढ़ी है, जिस पर चलकर आप अपना मार्ग निर्धारित कर सकते हैं।

2. सपने वह नहीं जो नींद में देखते हैं- डॉ. समित शर्मा ने कहा कि 'सपने वह नहीं है, जो हम नींद में देखते हैं अपितु सपने वह हैं जो हमें सोने ही ना दे। उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. जोगाराम जांगिड का, उदाहरण देते हुए कहा कि वह एक ग्राम सेवक थे, लेकिन उन्होंने सपना आईएएस बनने, कलेक्टर बनने का सोचा और उस सपने को मूर्त रूप देने के लिए प्रयास किया और शायद वह सपना कलेक्टर बनने का नहीं देखते, तो हो सकता है कि वह आज इतने बड़े भारतीय प्रशासनिक सेवा के उच्च अधिकारी नहीं बन पाते। **इसलिए यह जरूरी है कि सपने ऐसे देखे जो आपको सोने ही ना दे, और इन्हीं सपनों के आधार पर आप अपने जीवन की बुनियाद को हासिल करने में सफल हो सकते हैं।**

3. जीवन में सफलता की रेसिपी है कल्पनाओं को मूर्त रूप देने का प्रयास – डॉ. समित शर्मा ने कहा कि जीवन में सफलता की रेसिपी है, आप कल्पना करें और कल्पना करने से ही उसकी पृष्ठभूमि तैयार होती है। उन्होंने **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने एक दिन सपना देखा था कि वह एक दिन देश की सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के प्रधानमंत्री बनेंगे** और अपने इस सपने को मूर्त रूप देने के लिए उन्होंने एक कल्पना की और उसे कल्पना के आधार पर आधा अपना भविष्य निर्धारित किया और उसी के अनुसार कार्रवाई की, जिससे उनको सफलता मिली। जीवन में सफल होने के लिए आप अपनी संकल्पना के साथ आगे बढ़े, जो जीवन में सफलता अर्जित करने में सहायक होगी।

4. असम्भव को सम्भव बनाने के मूल में भी सफलता ही निहित है– जीवन में कोई भी चीज संभव नहीं है, असंभव है तो केवल उसकी सोच, व्यक्ति जो भी सोचता है वही उसकी भावना बन जाती है लार्ड केल्विन ने कहा था की हवा हल्के में उड़ सकती है और इसी प्रकार से राइट ब्रदर्स ने कहा था की पुरानी साइकिल के पुर्जो से हवाई जहाज उड़ सकता है तो इसी प्रकार से डॉक्टर फॉरेस्ट एक बड़े साइंटिस्ट थे उन्होंने कहा था कि पृथ्वी में गुरुत्वाकर्षण है और उस समय आर्मस्ट्रांग ने जिस पुराने साइकिल से हवा में उड़ करके दिखाया, तो इससे सिद्ध हो गया कि अगर व्यक्ति की भावनाएं और उसमें कुछ करने का जज्बा बरकरार हो तो उसके लिए वह मंजिल आसान बन जाती है।

5. सफलता हासिल करने के लिए अदम्य जिजीविषा और इच्छा शक्ति जरूरी– डॉ. समित शर्मा ने अदम्य इच्छाशक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि महान दार्शनिक सुकरात ने अपने शिष्य को सफलता का रहस्य बदलते हुए कहा कि जब तुम जो चीज चाहते हो उसके लिए बलवती इच्छा जरूरी है और इसलिए उसके सिवाय सफलता का और कोई रास्ता नहीं है अगर आपने यह निश्चय कर लिया और तय कर लिया तो सफलता मिलनी निश्चित है और इसलिए जीवन में पॉजिटिव सकारात्मक दृष्टिकोण रखना जरूरी है।

6. सकारात्मक दृष्टिकोण– डॉ. समित शर्मा ने सकारात्मक दृष्टिकोण और उत्कृष्ट जिजीविषा का सम्यक ढंग से उल्लेख करते हुए कहा कि जिस भी व्यक्ति में जिस तरह की सोच होगी, वह व्यक्ति अपने लक्ष्य की ओर उसी गति से निरंतर आगे बढ़ता रहता है और उसको निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। जीत जाएंगे हम और जिंदगी अगर हर कदम पर एक नई जंग है इस इस गाने के साथ उन्होंने युवकों में एक नया जोश भर दिया और लोग ताली बजाने पर विवश हो गए।

7. संकल्प और इच्छा शक्ति महान है तो सफलता कदम चूमेगी– जीवन में एक व्यक्ति संकल्पित है और उसने जीवन में एकाग्रता को धारण कर लिया है तो, उसको सफलता अवश्य ही मिलेगी। जब तक मन संकल्पित नहीं होता है तब तक उसे सफलता नहीं मिलती है। जिस प्रकार से एक कागज को सूर्य की किरणों से जलाने के लिए एक स्क्वायर कागज को तीन मिली मीटर में बनाना पड़ता है ताकि इस पर पूरा फोकस बन जाए। यह एकाग्रता की ही पावर है। उन्होंने पांच पांडवों का उदाहरण देते हुए कहा कि अर्जुन ने एकाग्रता से फोकस करते हुए मछली की आंख पर तीर मारा और उसकी एकाग्रता का की सफलता का यही मूल रहस्य है। जो युवा जीवन में प्रतिदिन अपने विचारों और आचरण को ठीक रखेगा तभी वह अपने जीवन में सफल होगा।

डॉ. समित शर्मा ने युवाओं का **आह्वान किया कि वह जीवन में आशातीत सफलता तभी हासिल कर सकते हैं, जिस समय वह उन चीजों को अपने आचरण में आत्मसात करेंगे। इसलिए यू ट्यूब, फेसबुक और व्हाट्सएप का उपयोग बड़े ही संतुलित तरीके से करें, क्योंकि आपका आचरण एक शीशे काम करता है। उन्होंने उपस्थित लोगों से प्रश्न किया कि ऐसा कौन सा व्यक्ति है, जिसके जीवन में बाधा न हो, हां जिनको आप बाधा समझते हैं उन्हें ही बाधा नजर आती है, लेकिन जीवन में बाधाओं को पार करने के लिए अनन्त सम्भावनाएं परिव्याप्त हैं।** उन्होंने अवनी लेखरा का उदाहरण देते हुए कहा कि विकलांगता के बावजूद उसने हिम्मत नहीं हारी और 22 साल की आयु में परालैम्पिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली वह पहली भारतीय

महिला बनी। इसी प्रकार लकवाग्रस्त धाविका विल्मा रूडोल्फ ने तीन स्वर्ण पदक जीते।

उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि उनको हताश और निराश होने की जरूरत नहीं है। **उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारी बाधा मानसिक बाधा है। लेकिन सोच हमारे नियंत्रण में है।** उन्होंने अपना स्वयं का उदाहरण देते हुए कहा कि मुझे भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी बनने में 12 साल का समय लग गया। हालांकि एमएमबीएस में, मैं गोल्ड मैडलिस्ट था। लेकिन पहली बार बुलावा नहीं आया, दूसरी बार रेलवे सर्विस में चयन हुआ, तीसरी बार साक्षात्कार में रह गया और चोथे प्रयास में सफलता मिली और मुझे यह स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं है कि यह भारतीय प्रशासनिक सेवा पैसे में नहीं खरीदी जा सकती है।, **मैंने अपने जीवन में यह सीख ली है कि असफलता ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। असफलता तो एक स्टैपिग स्टोन है। इस पर एक एक कदम आगे सोच समझ कर बढ़ाना पड़ता है ।**

जिन्दगी की यही सीख है, और हार के बाद ही जीत है

भगवान महात्मा बुद्ध ने कहा है कि जीवन में, हार जीत, यश अपयश, जय पराजय और लाभ हानि यह मनुष्य जीवन के अभिन्न अंग है। भगवान श्री राम और भगवान श्री कृष्ण ने कहा है कि असफलता और सफलता को जितनी सहजता से स्वीकार करोगे वहीं व्यक्ति जीवन में सफलता हासिल कर सकता है। जीवन में कोई भी बाधा को पार करने के लिए अभ्यास जरूरी है। इसीलिए कहा गया है कि -

करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान। रस्सी आवत जावत, पत्थर पर होता निशान

प्रसिद्ध चित्रकार पिकासो की अनूठी पेंटिंग का उल्लेख करते हुए, डॉ. समित शर्मा ने कहा कि पिकासो ने आधे घण्टे में एक महिला का चित्र बनाया और उसकी बाजार में कीमत एक हजार डॉलर थी। उस महिला ने विख्यात चित्रकार से प्रशन किया कि क्या आप मुझे ऐसा चित्र बनाना सिखा सकते हो, इस पर पिकासो ने कहा हां, लेकिन आपको 30 साल का समय देना होगा। क्या आप पिकासो की तरह उत्कृष्टता से कार्य करने की हिम्मत रखते हैं तो आपका नाम भी लोग पिकासो की तरह सदियों तक याद रखेंगे।

डॉ. समित शर्मा ने बेबाक तरीके से पूछा कि क्या आप अपना नाम सूरज की तरह चमकाना चाहते हैं तो सपनों को सिद्धि तक पहुचाने के लिए सूरज की तरह जलना होगा तपना होगा।

8. जीवन में ईमानदारी से काम करने से सफलता मिलती है- जीवन में ईमानदारी सबसे बड़ी धरोहर है। इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि आप व्हाट्सएप देख रहे हैं और मम्मी के आते ही, उसे तुरंत बन्द कर दिया, तो यह आप अपने आपको धोखा दे रहे हो। आओ मेहनत को हम अपना ईमान बनाए। अपने सपनों से प्यार करें। हम बदलेंगे तो परिवार बदलेगा, परिवार बदलेगा तो समाज बदलेगा और समाज बदलेगा तो देश बदलेगा। आज यहां से अपने आप को बदलने का संकल्प लेकर जाने, आपका जीवन निश्चित रूप से परिवर्तित होगा। यह मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं।

9. हम एक दूसरे की सहायता करने का संकल्प लें- डॉ. समित शर्मा ने कहा कि आप सबका यह दायित्व है कि आप दूसरे युवाओं को आर.जे.एस, आरएएस और दूसरी सेवाओं में जाने के लिए उनका मार्गदर्शन करें और उनको सशक्त बनाने के लिए कार्य करें ताकि उनका भी चयन इन प्रतिष्ठित संस्थानों में हो सके। इसीलिए कहा गया है कि **एक अकेला थक जाएगा, साथी हाथ हाथ बनाना** हम सभी चाचा, ताऊ, बुआ के बच्चों को, फिर समाज के बच्चों का जीवन को बदलने के लिए प्रयास करें, क्योंकि उनकी खुशी में ही आपकी खुशी निहित है और इससे हमारी खुशी भी कई गुना बढ़ जाएगी।

इस गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर हम सबको मिलकर प्रयास करना चाहिए। आज हमारे राष्ट्र का दिन है और देश के 140 करोड़ लोगों का दिन है और हम सभी मिलकर भारत को एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए संकल्प लें। जय भारत, भारत माता की जय ।

सम्पादक राम भगत शर्मा

प्रदेश सभा-राजस्थान द्वारा गणतंत्र दिवस पर राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

गणतंत्र दिवस के पावन पर जांगिड-सुथार समाज की उन देदीप्यमान सितारों को सम्मानित करने के लिए, अ.भा.जां.ब्राह्मण महासभा, प्रदेशसभा-राजस्थान का राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह प्रदेश सभा भवन विद्याधर नगर, जयपुर में 26 जनवरी 2025 को संपन्न हुआ। सर्वप्रथम राष्ट्रीय तिरंगा झंडारोहण राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. समित शर्मा द्वारा किया गया और उन्होंने गणतन्त्र दिवस की बधाई देते हुए, राष्ट्रीय तिरंगे झण्डे की आन-बान और शान बनाए रखने के लिए उपस्थित लोगों का आह्वान किया। उसके पश्चात भगवान श्री विश्वकर्मा की पूजा अर्चना की गई और उसके पश्चात समारोह का श्रीगणेश किया गया।

समारोह को सम्बोधित करते हुए, मुख्य अतिथि और राजस्थान सरकार में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि जांगिड समाज ने तकनीकी क्षेत्र में विशेष ख्याति अर्जित की है और इस समाज पर भगवान विश्वकर्मा की असीम कृपा है। इस समाज के लोगों ने, न केवल देश में अपितु अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों के लिए उनके दरवाजे सदैव ही खुले रहेंगे। उन्होंने सभी सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना भी की। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. समित शर्मा ने पुरस्कार हासिल करने वालों को जीवन में आशातीत सफलता हासिल करने के लिए 10 गुरु मंत्र बताए, जिनका पालन करने से प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में सफलता निश्चित रूप से ही हासिल होगी। राजस्थान के आर ए एस अधिकारी आशीष शर्मा ने भी बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण आत्मसात करते हुए अपना लक्ष्य हासिल करने और जीवन में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेशमंत्री अजित मांडण, पार्षद सुरेश जांगिड, जीएसटी अधीक्षक प्रेमचंद जांगिड और कार्यकारी अध्यक्ष गजानंद जांगिड, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बीसी शर्मा, युवा प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष राहुल शर्मा और मिशन डेढ़ लाख के पूर्व प्रभारी रामजीलाल जांगिड, महासभा के पूर्व चुनाव अधिकारी, नन्दलाल खड़ेला, विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्ष जिसमें महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती रेणु जांगिड, कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती कंचन जांगिड, युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष धर्मवीर जांगिड, कार्यकारी अध्यक्ष एडवोकेट सुनील जांगिड राजनैतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गिरिराज जांगिड, मुख्य सलाहकार सुभाष जांगिड, मूलचंद लोवंडीवाल, भामाशाह राजन शर्मा, रामसहाय बगवाडा, कैलाश लोईवाल, राजेश शर्मा, लालचंद बगवाडा, रामस्वरूप बगवाडा, पूरण चंद जांगिड, सुशील कुमार शर्मा, जयपुर जिला अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा एवं विभिन्न जिलों के अध्यक्ष अन्य संस्थाओं के पदाधिकारी और गणमान्य समाज बंधु उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में लगभग 400 समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया जिसमें 90 प्रतिशत से अधिक प्राप्तांक करने वाले विद्यार्थी, नव चयनित आर जे एस, आर जे एस अधिकारी, एमबीबीएस, पीएचडी एवं अन्य उच्च शिक्षा प्राप्त विद्यार्थी, राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले खिलाडी तकनीकी कक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थी, एवं समाज के अन्य उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज बंधुओ और कलाकारों को भी सम्मानित किया गया। अपने जिले में समाजोत्थान के अनेक रचनात्मक कार्य करने वाले चुरू जिला अध्यक्ष नीरज जांगिड को सर्व श्रेष्ठ जिला अध्यक्ष का पुरस्कार दिया गया। विश्वकर्मा टूडे के संपादक नरेश शर्मा और प्रधान मंत्री को, चन्दन की तलवार भेंट करने वाले शिल्पी विनोद कुमार जांगिड का भी अभिनन्दन किया गया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए, प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पंवार ने सभी छात्रों को बधाई दी और जिला अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं को इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में प्रत्येक वर्ष प्रदेश सभा द्वारा इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी जिला अध्यक्षों को भी, अपने-अपने जिलों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर ग्राम पोस्ट ठिकरिया तहसील सिकराय जिला दौसा के डॉ. नीरज जांगिड को भी पीएचडी की उपाधि हासिल करने पर प्रदेश स्तर पर, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. समित शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम पवार और महामंत्री कैलाश शर्मा साली वाले द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रदेश महामंत्री कैलाश शर्मा साली वाले ने किया।

प्रदेश महामंत्री कैलाश शर्मा।

मातृ-पितृ ऋण से मुक्ति के लिए मातृ-पितृ पूजन दिवस मनाएं

जीवन में माता-पिता ही एक ऐसे जो अपनी सन्तान का कभी अहित नहीं चाहते हैं। माता-पिता भारतीय संस्कृति की महान् विरासत और धरोहर है। भगवान शिव ने कहा है कि जो अपने माता-पिता का अपमान करता है, उसका जीवन में कभी कल्याण नहीं हो सकता है। माता-पिता को इस जीवन का विस्तृत अनुभव होता है और माता-पिता बच्चों के पहले गुरु हैं। माता-पिता और सद्‌गुरु के महान अनुभव की तुलना ही नहीं हो सकती और इन तीनों के आदर से उनका अनुभव हमें सहज में ही मिलता है। अत: जो भी युवा अपने जीवन में उन्नति करना चाहता है, उसको इस त्रिमूर्ति माता-पिता और सद्‌गुरु का आदर, पूजन, आज्ञापालन और सम्मान करना चाहिए। आज कल वैलेंटाइन डे की परम्परा ने भारतीय संस्कृति को कलंकित किया है। इसलिए इस दिन 'मातृ-पितृ पूजन करने से आपका भविष्य उज्ज्वल, सच्चरित्रता पूर्ण और सदाचारी होगा। पाश्चात्य संस्कृति से प्रभावित होकर कुछ युवाओं ने 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे मनाया, लेकिन हम माता-पिता के सम्मान की प्रतीक भारतीय संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। इस दिन हमें मातृ पितृ दिवस ही मनाना चाहिए न कि वैलेंटाइन डें।

मेरा मानना है कि अनादिकाल से ही महापुरुषों ने अपने जीवन में माता-पिता और सद्‌गुरु का सदैव ही आदर-सम्मान किया है। बच्चे माता-पिता व गुरुजन का सम्मान करेंगे तो उनके हृदय में विशेष मंगलकारी भावना पैदा होगी और उनको आशीर्वाद मिलेगा, जो देश के इन भावी कर्णधारों को 'वेलेन्टाइन डे' जैसे विकारों से बचाकर, इंद्रिय-संयम व आत्मसामर्थ्य जैसे गुण विकसित करने में सहायता करेगा। इसलिए माता, पिता एवं गुरुजनों का आदर करना हमारी संस्कृति की शोभा है। माता-पिता आत्मसम्मान की अपेक्षा रखते हैं। वह यह अपेक्षा नहीं रखते की उनकी संतानें हर समय उनका पूजन करते रहे। लेकिन बुद्धिमान सन्तान, उनके शुभ आशीर्वाद से लाभ उठाती हैं।

श्रीमती कृष्णा रामपाल ने कहा कि 14 विकसित और विकासशील देशों के बच्चों व युवाओं पर किए गए एक सर्वेक्षण में **भारतीय बच्चे व युवक सबसे अधिक सुखी और स्नेही की श्रेणी में रखे गए हैं। लंदन व न्यूयार्क में प्रकाशित इस रिपोर्ट में कहा गया है कि इसका एक बड़ा कारण है यह है कि भारतीय लोगों का आपस में पारिवारिक स्नेह एवं एक दूसरे के प्रति सत्यनिष्ठा। भारतीय युवाओं का मानना है कि उनके जीवन में प्रसन्नता लाने तथा समस्याओं को सुलझाने में उनके माता-पिता का सर्वाधिक योगदान रहता है।** उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में वैज्ञानिकों की भी यह मान्यता है कि **माता-पिता के पूजने से अच्छी पढाई का क्या संबंध है।** ऐसा सोचने वालों को अमेरिका की 'यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिल्वेनिया' के सर्जन व क्लिनिकल असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सू किम और 'चिल्ड्रेन्स हॉस्पिटल ऑफ फिलाडेल्फिया, पेंसिल्वेनिया के एटर्नी एवं इमिग्रेशन स्पेशलिस्ट जेन किम के शोधपत्र में लिखा है कि - **अमेरिका में एशियन मूल के विद्यार्थी क्यों पढ़ाई में सर्वोच्च स्थान क्यों प्राप्त करते हैं? इसका क्या रहस्य है। इस विषय पर शोध करते हुए उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला कि एशियन मूल के विद्यार्थी, अपने बड़ों का आदर करते हैं और माता-पिता की आज्ञा का पालन करते हैं तथा उज्ज्वल भविष्य-निर्माण के लिए गम्भीरता से श्रेष्ठ परिणाम पाने के लिए अध्ययन करते हैं।** इतना ही नहीं भारतीय संस्कृति के शास्त्रों और संतों में श्रद्धा न रखने वालों को भी अब उनकी इस बात को स्वीकार करके पाश्चात्य विद्यार्थियों को सिखाना पड़ रहा है कि माता-पिता का आदर करने वाले विद्यार्थी ही पढ़ाई में श्रेष्ठ परिणाम पा सकते हैं इसमें कोई भी अतिशयोक्ति नहीं है। इसलिए मेरा सुझाव है कि माता-पिता का सम्मान करना सीखों और जो विद्यार्थी माता-पिता का दिल से सम्मान और आदर करेंगे वह 'वेलेन्टाइन डे' मनाने जैसे संस्कार विरोधी मानसिकता का शिकार नहीं होते हैं और अपना चरित्र भ्रष्ट नहीं कर सकते हैं। माता-पिता का सम्मान करने और संयम से उनके ब्रह्मचर्य की रक्षा होने से उनकी बुद्धिशक्ति विकसित होगी, जिससे उनकी पढ़ाई के परिणाम अच्छे ही बेहतर और मनोवांछित आयेंगे।...........

श्रीमती कृष्णा-रामपाल शर्मा, बैंगलुरू

सांवरमल जांगिड को पुनः महासभा का महामंत्री बनाया गया एवं अरूण कुमार जांगिड को महासभा का कोषाध्यक्ष बनाया गया

महासभा के मुंडका भवन, नई दिल्ली में 19 फरवरी को महासभा के नवनिर्वाचित प्रधान रामपाल शर्मा ने समाज के बुद्धिजीवियों और प्रबुद्ध लोगों की मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य 8 दिसम्बर को निर्विरोध निर्वाचित होने पर अपने दूसरे कार्यकाल के लिये कार्यकारिणी के गठन के बारे में आपसी विचार विमर्श किया करना था और इस बैठक कार्यकारिणी से सम्बंधित प्रत्येक पहलू पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई और गहन विचार विमर्श उपरांत, सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि कार्यकारिणी के गठन का अधिकार प्रधान प्रधान रामपाल शर्मा का है और इस विषय में जो भी निर्णय प्रधान जी द्वारा लिया जाएगा वह सभी को मान्य होगा।

इस महत्वपूर्ण बैठक में समाज के प्रबुद्ध लोगों की राय जानने के उपरांत प्रधान रामपाल शर्मा ने अपने उद्बोधन में नवगठित कार्यकारिणी के बारे में अपने-अपने सुझाव और विचार रखने पर सभी का हृदय से आभार व्यक्त किया और विश्वास दिलाया कि महासभा की यह कार्यकारिणी समाज के स्वयंसेवी कर्मठ कार्यकर्ताओं एवं समाज के प्रति निष्ठा व योग्यता तथा ईमानदारी को देखते हुए ही गठित की जाएगी ताकि महासभा का कार्य सुचारू रूप से और सही दिशा में अग्रसर हो सके।

रामपाल शर्मा ने महामंत्री पद पर पुनः पूर्व महामंत्री सांवरमल जांगिड का मनोनयन किया है और महासभा के कोषाध्यक्ष पद पर दिल्ली के आया नगर के अनिल जांगिड उर्फ अरूण कुमार को मनोनीत करने की घोषणा की। इस बैठक में उपस्थित समाज बंधुओ ने प्रधान जी की इस घोषणा का दिल से स्वागत करते हुए एक स्वर में समर्थन देने की घोषणा की और दोनों मनोनीत पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं भी दी।

प्रधान रामपाल शर्मा ने सांवरमल जांगिड को बधाई देते हुए कहा कि पूर्व महामंत्री ने सत्य निष्ठा और ईमानदारी से अपने कर्त्तव्य का भलीभांति निर्वहन करते हुए, महासभा के कार्यो में पारदर्शिता को लाने का काम किया है। वह भविष्य में भी इसी भावना को आत्मसात करते हुए अपने कर्त्तव्य का सत्य निष्ठा पूर्वक कार्य करते हुए महासभा की गरिमा को बनाए रखने में सहायक सिद्ध होंगे।

इसी प्रकार नवनियुक्त कोषाध्यक्ष अनिल जांगिड उर्फ अरूण कुमार को भी बधाई देते हुए रामपाल शर्मा ने कहा कि अनिल जांगिड का श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के महासचिव के रूप में कार्य करते हुए 6 वर्ष का विस्तृत अनुभव है और अपने इस अनुभव का उपयोग, वह महासभा के कार्यो में पारदर्शिता लाने और लोगों को महासभा के साथ जोड़ने के कार्य में करेंगे। मैं इनको सफलतम कार्यकाल की बधाई देता हूं।

राधेश्याम मांडन, महामंत्री जिला सभा सीकर।

सीकर के अंगिरा भवन में 10 फरवरी को विश्वकर्मा जयंती मनाई गई।

भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर 10 फरवरी को सीकर के अंगिरा भवन में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया और सर्वप्रथम भगवान श्री विश्वकर्मा जी की सामूहिक पूजा एवं आरती की गई और भगवान श्री विश्वकर्मा से प्रार्थना की गई ताकि उसका आशीर्वाद समाज पर सदैव ही बना रहे। भंवरलाल सुटोठ, विश्वनाथ पनलावा, भंवरलाल चोयल, शंकर लदोया एवं श्रीमती रेखा जांगिड ने भगवान विश्वकर्मा के द्वारा किए गए चमत्कारी कार्यो का उल्लेख करते हुए अपने-अपने विचार व्यक्त किए और समाज में परिव्याप्त कुरितियों को दूर करने के लिए जिला सभा सीकर द्वारा जारी अनवरत प्रयास के तहत **10 सूत्रीय अपील** के बारे में सभी महानुभावों को विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। इसके साथ ही सभी वक्ताओं ने नारी शिक्षा के साथ ही 'लड़कों को उच्च शिक्षा देने का मूल मंत्र भी समाज को आत्मसात करना होगा, तभी यह समाज आशातीत प्रगति कर सकता है।

अंगिरा भवन सीकर में 10 फरवरी को भगवान विश्वकर्मा जयंती मनाई गई।

जिला सभा सीकर के महामंत्री राधेश्याम मांडण ने कहा कि शिक्षा के प्रचार प्रसार के लिए जिला सभा सीकर द्वारा एक नया अभियान शुरू किया जाएगा जिसके तहत समाज के प्रतिभाशाली बच्चों को प्रतिवर्ष विशेष रूप से सम्मानित करने एवं गरीब परिवार के बच्चों को आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए, जिला स्तर पर एक सकारात्मक पहल शुरू की जाएगी। इस शिक्षा अभियान के लिए जिला सभा सीकर द्वारा समाज के भामाशाहों के सहयोग से 10 लाख रुपए की एक एफडीआर बड़ौदा बैंक में कराई गई है और जिसका सालाना ब्याज, इन बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहन एवं सहयोग देने के लिए उपयोग में खर्च किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा फंड की राशि को 50 लाख तक करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है और बैंक में एफडीआर की इस मूल राशि का ब्याज, केवल बच्चों की शिक्षा पर ही खर्च किया जाएगा।

समाजसेवी भामाशाह मोहनलाल जांगिड जैतूसर, ने इस अवसर पर 51 हजार रूपये का आर्थिक सहयोग दिया तथा जयंती समारोह पर सांवरमल सिंहासन वालों ने भी 2100 रूपये का सहयोग दिया। दोनों भामाशाहों का जिलासभा सीकर द्वारा दुपट्टा पहनाकर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर मुख्यतः गोवर्धनलाल ढाणी मानासी, किशनलाल ग्याग्यासर, ओम प्रकाश गोकुलपुरा, रामावतार गोकुलपुरा, मोहनलाल जैतूसर, सांवरमल सिंहासन, सुनील पलसाना, राजेंद्र सिधड सीकर, लालचंद सबलपुरा, प्रमोद सुटोठ, प्रहलाद राय, इंजी. तरुण और कपिल, मानव सिटी सीकर, एवं भारी संख्या मातृशक्ति, जिनमें मुख्यतः श्रीमती मंजू सुथार प्रिंसिपल सूरतगढ़, रेखा देवी जांगिड मलसीसर, मंजू देवी पलसाना, एवं श्रीमती सांवरमल सिंहासन आदि ने उपस्थित होकर भगवान श्री विश्वकर्मा के जयंती समारोह में इसकी शोभा बढ़ाई और भगवान श्री विश्वकर्मा के जयघोष के नारों के बीच सभी का आभार व्यक्त किया गया।

महामंत्री राधेश्याम मांडण, जिला सभा सीकर

बैंगलुरु के जांगिड सुथार समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष कीरता राम छड़ियां को बनाया गया।

शिल्प कला और विज्ञान के देवता, विभिन्न प्रसादों का निर्माण करने वाले सृष्टि के रचयिता भगवान विश्वकर्मा का प्राकट्य दिवस 10 फरवरी को श्री जांगिड़ सुथार समाज ट्रस्ट कर्नाटक, के सौजन्य से बैंगलोर में स्थित भगवान विश्वकर्मा के मन्दिर के प्रांगण में ट्रस्ट के द्वारा 35वां श्री विश्वकर्मा प्राकट्य महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक तरीके से मनाया गया और इस अवसर पर समाज के लगभग 200 विद्यार्थियों को, जिन्होंने 10 और 12वीं कक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक और इंजीनियरिंग तथा एम बी बी एस में दाखिला लिया है, उनको प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया।

बैंगलुरू में 10 फरवरी को भगवान विश्वकर्मा जयंती का आयोजन

इस सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी देते हुए जांगिड-सुथार समाज ट्रस्ट के नवनियुक्त अध्यक्ष कीरता राम छड़ियां ने बताया कि यह दो दिवसीय कार्यक्रम 9 व 10 फरवरी को बड़े ही भव्य तरीके से समाज के सभी लोगों के सहयोग से आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम के सन्दर्भ में 9 फरवरी को दीप प्रज्वलित और भगवान विश्वकर्मा की आरती और पूजन करके कार्यक्रम का श्रीगणेश समाज के गणमान्य बंधुओ की उपस्थिति में किया गया और इस दौरान समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित, करने के साथ ही, महाआरती, भजन संध्या और चढ़ावे की बोलियां भी लगाई गई, जिसमें समाज बन्धुओ ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और तत्पश्चात जांगिड-सुथार समाज ट्रस्ट का वार्षिक लेखा-जोखा और सम्पूर्ण ब्यौरा व रूपरेखा समाज के बुद्धिजीवियों के समकक्ष प्रस्तुत की गई।

इस मन्दिर ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष भंवरलाल गुगरिया ने बताया कि श्री जांगिड सुथार समाज ट्रस्ट कर्नाटक, बिनी मिल रोड़, बैंगलोर के, भगवान विश्वकर्मा मन्दिर के प्रांगण में मनाए गए, इस श्री विश्वकर्मा प्राकट्य महोत्सव में गुगरिया परिवार दुदौड़ द्वारा इस मन्दिर के शिखर पर अमर ध्वजारोहण किया गया और लाभार्थी परिवारों द्वारा हवन, आरती, माला अभिषेक व गुलाल से पूजा-अर्चना कि गई और इसके साथ ही **जांगिड सुथार समाज ट्रस्ट की आम सभा का भी आयोजन किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से कीरताराम छड़िया को जांगिड-सुथार समाज ट्रस्ट कमेटी का अध्यक्ष मनोनित किया गया और इसके साथ ही किशोर कुमार गुगरिया को पुनः नवयुवक मंडल का अध्यक्ष चुना गया ।**

भंवरलाल गुगरिया ने कहा कि इस पुनीत अवसर पर मेहमानो व लाभार्थियों का स्वागत और मान-सम्मान किया गया व समाज के प्रबुद्धजनों कि उपस्थित में समाज हित के कई प्रस्तावों पर गहन चिंतन और विचार विमर्श किया गया। समारोह के अन्त में महाप्रसाद ग्रहण के साथ ही सभी आगंतुको का ट्रस्ट की तरफ से अध्यक्ष किरता राम छड़िया द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

इस समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, भामाशाह और उद्योगपति रमेश कुमार शर्मा, बाबूलाल शर्मा, पन्ना लाल,पोला राम, सज्जन राज, कैलाश चंद्र, रामदेव, ईश्वर लाल और आसूराम और मातृशक्ति शामिल हैं।

रमेश शर्मा, बैंगलुरू

जीवन में जरुरतमंद लोगों को दान देने से धन में अभिवृद्धि होती है।

इस जीवन में परमात्मा, उन महापुरूषों को ही जीवन में परोपकार करने का सुअवसर प्रदान करता है, जो नि:स्वार्थ भाव से परमात्मा का आदेश मानकर गरीबों की यथा सम्भव सहायता करते हैं और वह दानदाता धन्य हैं, जो अभाव ग्रस्त युवाओं की जरूरत के समय सहायता करने का पुण्य कार्य करते हैं। यह बात स्वयं सिद्ध है कि व्यक्ति जरूरत के समय ही सहायता के लिए अनुनय-विनय करता है और **ऐसी ही एक कहानी है समाज के एक डॉक्टर की जो एम एम बी एस के तृतीय वर्ष का छात्र हैं की जिसके पिताजी मजदूरी का काम करते हुए, जीवन यापन कर रहे हैं और उसकी की मां व्हाइट ब्लैड कैंसर की बीमारी से पीड़ित है। उनके पिता ने नाम न प्रकाशित करने की शर्तो पर कहा कि बेटे की पिछले दो सालों की एम एम बी एस की लगभग पौने दो लाख रुपए की फीस तो, जैसे तैसे करके और अपने गहने बेचकर और शरमाएदारों से कर्ज लेकर मैडीकल कालेज में भर दी थी और अब तीसरे वर्ष की फीस के लिए पैसे की व्यवस्था नहीं हो रही थी और मैं थक हार कर बैठ गया था।**

लेकिन कहते हैं, जो भगवान पर भरोसा रखते हैं। भगवान उनके लिए नया रास्ता खोल देता है। **उन्होंने कहा कि मैंने व्हाट्सएप के माध्यम से गुजरात प्रदेश अध्यक्ष कैलाश शर्मा से अपनी विकट आर्थिक स्थिति के बारे में उल्लेख किया और कैलाश शर्मा और महामंत्री मानाराम सुथार ने इस समस्या के समाधान का बीड़ा उठाया और ऐसे विकट समय में वह मेरे परिवार के लिए एक फरिश्ता बन कर आए** और उन्होंने महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा, सूरत के समाज सेवक, प्रमोद शर्मा और श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट से सम्पर्क करके मेरे बेटे की परेशानी और गहन वेदना को आगे बढ़ाया और इन महान विभूतियों ने उदात्त मानवीय भावनाओं का परिचय देते हुए, जिनमें प्रधान रामपाल शर्मा, प्रमोद कुमार शर्मा और श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट शामिल है, ने आगे बढ़कर सहायता का कदम आगे बढ़ाया और दीनदयाल उपाध्याय सरकारी मैडीकल कॉलेज चुरू, के एम बी बी एस के तृतीय वर्ष के इस छात्र के बैंक खाते में 67000 रुपए की राशि जमा करवाने का एक अनुकरणीय काम किया है।

मैं समझता हूं जीवन में जो व्यक्ति सत्य बोलने का मूल मंत्र अपने जीवन में धारण कर लेता है उसमें इतना आत्मविश्वास और आत्मबल आ जाता है कि वह जीवन में आत्मसंतोष की अनुभूति सहज रूप से ही प्राप्त कर लेता है और भगवान भी किसी के माध्यम से उसकी सहायता करने के लिए रास्ता खोल ही देते हैं। इस यज्ञ में 20 हजार रुपए की आहूति, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली, 27 हजार रुपए की राशि, सूरत के समाज सेवी प्रमोद शर्मा की मां के नाम पर स्थापित की गई 'सन्तोष राधेश्याम चैरिटेबल ट्रस्ट सूरत और 20 हजार रुपए का सहायता राशि, श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के माध्यम से उपलब्ध करवाई गई है और कुल 67 हजार रुपए के योगदान से इस जांगिड डॉक्टर की फीस की समस्या का एक वर्ष के लिए समाधान हो गया है।

उसके **पिता और मां ने बताया कि हमारे पास समाज की इन महान विभूतियों का आभार व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं कि जिन्होंने मुसीबत के समय में आगे बढ़ कर हमारे बेटे की सहायता करके उसका मनोबल बढ़ाया है। जिस समय हमारे चारों तरफ घोर अंधेरा छाया हुआ था, ऐसे समय में हमारी भावनाओं को समझते हुए, इन लोगों ने मदद का हाथ आगे बढाया उसके लिए महासभा प्रधान रामपाल शर्मा, सूरत के प्रमोद कुमार शर्मा, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष कैलाश शर्मा, महामंत्री मानाराम सुथार और एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश टाईगर का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।**

भविष्य में डॉक्टर बनने वाले, इस तृतीय वर्ष के छात्र ने समाज के लोगों को भरोसा दिलाया है कि **मैंने अपने जीवन में जिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा है, ऐसी परिस्थितियों का सामना किसी को भी नहीं करना पड़े और विश्वास दिलाता हूं कि भविष्य में वह समाज सेवा का संकल्प लेकर समाज के गरीब लोगों की सेवा करने और उन्हें मुफ्त इलाज उपलब्ध करवाने में भरसक सहयोग करने का प्रयास करुंगा,** क्योंकि मैं नहीं चाहता हूं कि मेरी तरह ही समाज के किसी गरीब व्यक्ति को, किसी के आगे हाथ फैलाने के लिए विवश होना पड़े। भगवान मुझे इतना सामर्थ्यवान बनाए, ताकि मैं समाज सेवा कर सकूं। मेरी यही कामना है। **प्रदेश अध्यक्ष, गुजरात, कैलाश शर्मा**

भगवान विश्वकर्मा जन्मोत्सव 10 फरवरी नाशिक में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया

भगवान श्री प्रभु राम और भगवान शिव की पुण्य नगरी नाशिक में जांगिड ब्राह्मण समाज के आराध्य देव भगवान श्री विश्वकर्मा जी का जन्मोत्सव 10 फरवरी को बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस श्रृंखला में 9 फरवरी को जागरण भजन एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया।

महाराष्ट्र प्रदेशसभा के पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण जांगिड ने बताया कि 10 जनवरी को सुबह 8 बजे हवन किया गया और चंदन जांगिड द्वारा सपत्नीक, भगवान विश्वकर्मा जी की पूजा-अर्चना और आरती की गई। उन्होंने कहा कि 11 बजे समाज के बुद्धिजीवियों की बैठक हुई और इस बैठक की अध्यक्षता, महासभा के पूर्व महामंत्री और जांगिड रत्न मोहनलाल दायमा ने की।

कार्यक्रम का श्रीगणेश सबसे पहले भगवान विश्वकर्मा को मोहन चैसला द्वारा और श्री गणेश जी को, मदन रोहिलीवाल और केसर देव द्वारा माला अर्पण की गई। कार्यक्रम के गरिमामय मंच पर, मुख्य अतिथि जीएसटी अधिकारी, डॉ. अनिरुद्ध धर्मअधिकारी, मेमन नगर सेविका श्रीमती खैरे, लक्ष्मी नारायण जांगिड, विनोद कुमार, राम अवतार, बाबूलाल, जिला अध्यक्ष गोपाल, ताराचंद हरसोलिया अनिल कालेया, सुभाष जांगिड और ओम विराजमान थे।

इस अवसर पर समाज के उदीयमान छात्र-छात्राओं और उदीयमान प्रतिभाओं का सम्मानित किया गया और इन छात्र-छात्राओं में, प्रथम वर्ष से लेकर विभिन्न कक्षाओं की, समाज की प्रतिभाओं का सम्मानित किया गया और इसके साथ ही नाशिक जिला में, जांगिड समाज के उद्योग व्यवसाय से जुड़े महानुभावों का भी समाज के बुजुर्गो द्वारा सत्कार और मान-सम्मान किया गया। इसके साथ ही बिना दहेज के शादी करने वालों का भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया। इसके अलावा जो श्रद्धालु प्रयागराज महाकुंभ में पवित्र गंगा स्नान करके आए हैं उन सभी का भी मान-सम्मान किया गया।

लक्ष्मी नारायण जांगिड ने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे युवा वर्ग ने विशेष मेहनत की और जिनमें, विकास, सुरेश, दीपक, मनोज, राजेश, महेश, विनोद, रामअवतार, प्रभू और सत्यनारायण विशेष रूप से शामिल हैं।

भगवान विश्वकर्मा के प्राकट्य दिवस के पुनीत अवसर पर इस कार्यक्रम में रेशमा जांगिड, सुमित्रा, शकुंतला, रश्मि सहित भारी संख्या में मातृशक्ति की भी विशेष रूप से सराहनीय उपस्थिति रही।

इस समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, रामचंद्र, केसर देव, जगदीश, रमेश, आनंद, राजेंद्र पिंपलगांव, बद्री, भाग, देवीलाल, सुभाष, किशोर, किशन, अरविंद धामू, ओम धामू, ताराचंद दायमा, कैलाश पालवास, मुकेश, गोविंद, लालचंद, भंवर, गिरधारी शामिल हैं, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्ती सहभागिता निभाई है।

लक्ष्मी नारायण जांगिड, नाशिक।

नीमच में धूमधाम से मनाया गया दो दिवसीय विश्वकर्मा जन्म महोत्सव

जांगिड ब्राह्मण समाज नीमच द्वारा आराध्य देव भगवान श्री विश्वकर्मा जी का अवतरण दिवस माघ शुक्ल त्रयोदशी 10 फरवरी को 48वें श्री विश्वकर्मा जन्म महोत्सव के रूप में बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा भाव से मनाया गया। आराध्य देव भगवान श्री विश्वकर्मा जी के जन्म महोत्सव पर जांगिड ब्राह्मण समाज भवन नीमच में, अनेक भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 9 फरवरी को बालक एवं बालिका वर्ग की अलग-अलग दौड़, बालक बालिका एवं पुरुष वर्ग के लिए स्लो साइकिल रेस, पुरुष एवं महिला वर्ग के लिए अलग-अलग स्लो स्कूटी रेस, बालिका एवं महिला वर्ग के लिए चेयर रेस, चम्मच रेस, 12 वर्ष तक के बालक एवं बालिकाओं के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई ।

इस अवसर पर युवा एवं पुरुषों के लिए क्रिकेट प्रतियोगिता भी आयोजित की गई तथा लड़कियों एवं महिलाओं के लिए मेहंदी प्रतियोगिता, बालक बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता तथा सभी के लिए सामाजिक सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और रात्रि में भगवान श्री विश्वकर्मा जी की कथा एवं रात्रि जागरण का आयोजन किया गया।

प्रवीण शर्मा ने बताया कि दो दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला में 10 फरवरी को प्रातः हवन एवं प्रथम पूज्य गणपति जी का पूजन किया गया तथा श्री विश्वकर्मा भगवान की शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से निकाली गई। शोभा यात्रा में भगवान श्री विश्वकर्मा की भव्य झांकी सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रही। शोभा यात्रा के मार्ग में अनेक संस्थाओं द्वारा शोभा यात्रा का फूल बरसाकर और पलक पांवड़े बिछाकर स्वागत और सत्कार किया गया।

प्रतियोगियों में विजेताओं को पुरस्कृत करने के लिए पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि नीमच के विधायक दिलीप सिंह परिहार तथा जिला पंचायत नीमच के अध्यक्ष सज्जन सिंह चौहान एवं नीमच नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चौपड़ा, सदस्य जिला पंचायत नीमच, तरुण बाहेती, जिला भाजपा अध्यक्ष श्रीमती वंदना खण्डेलवाल, जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौरसिया एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नीमच राकेश जैन के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। सभी मेहमानों ने कला और शिल्प के देवता और सृष्टि के रचनाकार भगवान विश्वकर्मा के प्रति अगाध श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनके द्वारा दिए गए तकनीकी ज्ञान को आत्मसात करने की सलाह दी।

पुरस्कार वितरण समारोह में सभी प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों सहित उन सभी विद्यार्थियों को जिन्होंने अध्ययन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं और प्रथम और द्वितीय स्थान हासिल किया है उन सभी को सम्मानित किया गया। उन छात्र छात्राओं को जिन्होंने अपनी कक्षा 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं तथा राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित गतिविधियों में सहभागिता निभाई है उन्हें भी प्रशस्ति एवं प्रतीक चिह्न प्रदान करके सम्मानित किया गया। इन दो दिवसीय कार्यक्रमों में समाज के प्रबुद्धजनों सहित छात्र छात्राओं एवं युवाओं और महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। भगवान श्री विश्वकर्मा की महाआरती के पश्चात, प्रसाद वितरित किया गया और अंत में अध्यक्ष सुरेश शर्मा, पूर्व अध्यक्ष एवं महामंत्री प्रवीण शर्मा तथा कोषाध्यक्ष राकेश शर्मा ने सभी आगुंतको के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया ।

प्रवीण शर्मा नीमच

खुशी जांगिड ने कराटे की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में, स्वर्ण पदक हासिल किया

खुशी जांगिड को 19 जनवरी को आयोजित की सम्मान समारोह में सम्मानित करते हुए

जीवन में सकारात्मकता दृष्टिकोण और धैर्य तथा संकल्प और अदम्य साहस और आत्मविश्वास के साथ जो अपना लक्ष्य निर्धारित करता है, वह सफलता हासिल अवश्य ही करता है और छोटे से गांव गढ़ी जिला हिसार की रहने वाली खुशी जांगिड ने यह सिद्ध करके दिखलाया है कि अगर जीवन में आगे बढ़ने की उत्कृष्ट जिजीविषा और आत्मविश्वास है तो उसे सफलता अवश्य ही मिलती है।

खुशी जांगिड ने 15 दिसम्बर को अहमदाबाद गुजरात में आयोजित की गई तीसरी सरदार पटेल राष्ट्रीय चैंपियनशिप प्रतियोगिता में अन्डर 15 आयु वर्ग और 55 किलोग्राम भार कैटेगरी में स्वर्ण पदक हासिल करके, न केवल अपने अभिभावकों का अपितु जांगिड समाज का नाम भी गौरवान्वित किया है।

खुशी जांगिड के पिता सुनील जांगिड ने बताया कि हिसार जिले के एक छोटे से गांव गढ़ी में पैदा हुई खुशी की खेलों में बचपन से ही रुचि रही है और उसने कराटे का खेल अपने पी जी एस डी स्कूल हिसार में सीखा है और सन् 2019 में उसने कराटे प्रतियोगिता में खेलना शुरू किया था और तब से अब तक कई मैडल अपने नाम कर चुकी है और हाल ही में 19 जनवरी को हिसार में आयोजित एक सम्मान समारोह में जांगिड जिला सभा द्वारा उनको आदमपुर के विधायक चन्द्र प्रकाश जांगिड और समाज के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया गया था।

खुशी की मां श्रीमती कविता जांगिड ने कहा कि, हमने बेटी को बेहतर संस्कार दिए हैं और हम चाहते हैं कि समाज की बेटी खुशी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी समाज एवं देश का नाम गौरवान्वित करे। खुशी इससे पहले भी कई मैडल हासिल कर चुकी है, उसने हरिद्वार उत्तराखंड में 19-20 अक्टूबर 2024 को आयोजित 5वीं ताइयो काई शितोरयुकराटे इंडिया, प्रतियोगिता में, चैंपियनशिप ट्रॉफी जीतने के साथ ही इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक भी हासिल किया था। इस प्रतियोगिता में खुशी ने अन्डर 15 आयु और 50 वर्ग कैटेगरी में भाग लिया था। खुशी 10वीं कक्षा की छात्रा है और इनके पिता द्वारा खेलों के साथ-साथ पढ़ाई के लिए बहुत अधिक प्रोत्साहित किया जा रहा है और भविष्य में इसके सार्थक परिणाम भी लोगों को देखने को मिलेंगे।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, खुशी जांगिड को स्वर्ण पदक हासिल करने पर बधाई देते हुए कहा कि उसका भविष्य बड़ा ही उज्ज्वल है और मुझे विश्वास है कि वह अपनी योग्यता और दक्षता के आधार पर भविष्य में समाज और देश का नाम गौरवान्वित करेगी।मैं खुशी जांगिड के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

आदमपुर के विधायक, पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी चन्द्र प्रकाश जांगिड ने कहा कि समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में, खुशी जांगिड को भी सम्मानित किया गया है और यह उपलब्धि उसकी उपलब्धि नहीं अपितु समाज की उपलब्धि है और हमें अपने बच्चों को पढ़ाई के साथ सर्वगुण सम्पन्न बनाना चाहिए ताकि वह इस डिजिटल युग में आगे बढ़ सकें और निश्चित रूप से ऐसे होनहार और प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए ताकि ऐसे होनहार खिलाड़ी समाज और देश की प्रतिष्ठा को चार चांद लगा सकें।

अन्तर्राष्ट्रीय प्रोफेशनल मुक्केबाज मनदीप जांगिड, हिसार जिला के पूर्व पार्षद ओमप्रकाश आर्य अध्यक्ष, हरियाणा के पूर्व अतिरिक्त एडवोकेट जनरल, पवन जांगिड, पूर्व रजिस्ट्रार ईश्वर जांगिड, समाज सेवी अजय कान्त जांगिड कुलवंत जांगिड, आर्य नगर से सीता राम शर्मा और मदनलाल जांगिड, जिला सभा के अध्यक्ष उदय सिंह जांगिड और उसकी कार्यकारिणी के सभी सदस्यों, पूर्व जिला अध्यक्ष, राम तीर्थ सुथार, ललित जांगिड, सुरेन्द्र कुमार जांगिड भगाना, अमिलाल जांगिड तथा मातृशक्ति ने भी, खुशी जांगिड को बधाई दी है।

ललित जांगिड, हिसार।

कैमरी जिला हिसार के भूपेंद्र सूरा जांगिड ने कांस्य पदक जीता

प्रतिभा और दक्षता सभी में विद्यमान होती है, लेकिन सफलता केवल उसी को हासिल होती है, जो संकल्प और इच्छाशक्ति के साथ निष्ठापूर्वक अपने दायित्व का निर्वहन करता है और समाज के एक छोटे से होनहार भूपेंद्र सूरा जांगिड ने 5 से 7 जनवरी 2025 तक कुरुक्षेत्र में अखिल भारतीय कराटे संघ द्वारा आयोजित हुई नार्थ जोन कराटे चैंम्पियनशिप प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल करके, जांगिड समाज का नाम रोशन करने के साथ ही प्रदेश का नाम भी रोशन किया है। भूपेंद्र ने अन्डर 11 वर्ष और 23 किलोग्राम वेट कैटेगरी में भाग लिया था। गांव कैमरी जिला हिसार में पिता पूर्ण कुमार सूरा, जांगिड और माता श्रीमती ऋतु देवी जांगिड के घर पैदा हुए भूपेंद्र सिंह सूरा की रुचि बचपन से ही पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी रही है।

भूपेन्द्र सूरा जांगिड को 19 जनवरी को हिसार जिलासभा द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित करते हुए

भूपेंद्र सिंह सूरा के दादा समाज सेवी रामकुमार सूरा, जांगिड ने बताया कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ-साथ दृढ़ इच्छाशक्ति और निश्चय भी अंहम भूमिका अदा करता है। भूपेंद्र ने केवल 11 वर्ष की आयु में ही अपनी प्रतिभा के बल पर, यह सिद्ध करके दिखलाया है कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए आयु सीमा कोई मायने नहीं रखती है। भूपेंद्र ने, पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी अभिरुचि रखने के कारण ही इस कराटे के खेल में पदक हासिल किया है। उन्होंने कहा कि 19 जनवरी को अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के अन्तर्गत आने वाली जिलासभा हिसार द्वारा, आयोजित सम्मान समारोह में, आदमपुर के विधायक चन्द्र प्रकाश और अन्तर्राष्ट्रीय मुक्केबाज मनदीप जांगिड, खुशी जांगिड और सूर्य नमस्कार में रिकार्ड कायम करने वाले संदीप आर्य जांगिड को भी उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया था।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने भूपेंद्र सूरा, जांगिड को उसकी उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि 11 वर्ष की छोटी सी आयु पुरस्कार हासिल किया है और यह तो इस बच्चे की शुरुआत है और मुझे उम्मीद है कि भविष्य में यह बच्चा बेहतर प्रदर्शन करते हुए खेलों के क्षेत्र में काफी नाम कमायेगा। इस प्रकार के होनहार बच्चों को अभिभावकों द्वारा प्रोत्साहन देने के लिए स्तुत्य प्रयास करने चाहिए, क्योंकि बच्चे ही हमारे देश का उज्ज्वल भविष्य हैं। मैं भूपेंद्र सूरा के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

आदमपुर के विधायक चन्द्र प्रकाश जांगिड ने भूपेंद्र सूरा को, सम्मान समारोह में सम्मानित करने पर बधाई देते हुए कहा कि, यह छोटा सा होनहार हीरो और प्रतिभावान खिलाड़ी, हमारे समाज की भविष्य की उम्मीद है और इस प्रकार के प्रतिभावान खिलाडियों को समाज के द्वारा अवश्य ही प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि उनको आगे बढ़ने का हौंसला और हिम्मत मिल सके, तभी वह अपना लक्ष्य हासिल करने में सफल हो सकते हैं। उन्होंने भूपेंद्र को, भरोसा दिलाया कि खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए वह हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए सदैव ही तत्पर रहेंगे। मैं भूपेंद्र सूरा के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करते हुए उसकी सफलता के भगवान से प्रार्थना करता हूं।

इस अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय मुक्केबाज मनदीप जांगिड, हिसार जिला के पूर्व पार्षद ओमपकाश आर्य, हरियाणा के पूर्व अतिरिक्त एडवोकेट जनरल पवन जांगिड, हिसार जिला सभा अध्यक्ष उदय सिंह जांगिड और उसकी कार्यकारिणी के सभी सदस्यों, पूर्व अध्यक्ष राम तीर्थ सुथार और अमिलाल जांगिड ने भी भूपेंद्र जांगिड को बधाई दी है।

डॉ. सुखबीर कैमरी, जिला हिसार

हिसार में विधायक चंद्रप्रकाश और अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी मनदीप जांगिड को सम्मानित किया गया

हिसार में जिला जांगिड ब्राह्मण सभा द्वारा जांगिड ब्राह्मण की होनहार प्रतिभाओं को सम्मानित करने के लिए समाज द्वारा 19 जनवरी को जांगिड धर्मशाला हिसार में एक सम्मान समारोह आयोजित करके समाज का मान बढ़ाने वाली हस्तियों को सम्मानित किया गया और सम्मानित होने वालों इन महान विभूतियों में आदमपुर के विधायक व सेवानिवृत्त आई.ए.एस. अधिकारी चंद्रप्रकाश जांगिड, अन्तर्राष्ट्रीय मुक्केबाज मनदीप जांगिड और खेलों में स्वर्ण पदक विजेता खुशी जांगिड और भूपेंद्र जांगिड और इसके अतिरिक्त सूर्य नमस्कार का विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले और गिनिज बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाने वाले संदीप जांगिड आर्य शामिल हैं। इस समारोह, चन्द्र प्रकाश जांगिड, मनदीप जांगिड को पगड़ी पहनाकर और अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया।

सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए आदमपुर के विधायक चंद्रप्रकाश जांगिड ने कहा कि आज यहां पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली समाज की महान हस्तियों को सम्मानित किया जा रहा है उन सभी को मैं बधाई और मुबारकबाद देता हूं और इन्होंने खेल के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और दक्षता के आधार पर एक ऐसा मापदंड तैयार किया है, जिसका अनुसरण करने से, समाज तथा अन्य युवाओं को भी अपने जीवन में सर्वोत्कृष्ट कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि आज इस आधुनिक डिजिटल युग में अपना करियर बनाने के साथ-साथ रचनात्मक सोच और सकारात्मक विचारों को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ने के साथ ही समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए विशेष कदम उठाने की महत्ती आवश्यकता है और युवाओं को सामाजिक कार्यों में दिलचस्पी रखते हुए ही अपनी विशेष भूमिका निभानी चाहिए। समाज के यह खिलाड़ी भविष्य में बार-बार यह उपलब्धि हासिल करके नाम रोशन करें।

विधायक ने कहा कि मैंने समाजहित के कार्य करने की प्रेरणा अपने चाचा पूर्व राज्यसभा सांसद पंडित रामजीलाल और अपने बड़े भाई और पूर्व पार्षद ओमप्रकाश आर्य से ही ग्रहण की है और उनका मानना है कि एक विधायक होने के नाते उसका, समाज के सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए ही हमेशा निर्णय लेने की प्रतिबद्धता है और इसके साथ ही वह अपने समाजहित के कार्य करने के लिए भी एक प्रकार से प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि जांगिड-सुथार समाज को आगे बढ़ाने के लिए सभी को यथासंभव सहयोग प्रदान करना चाहिए ताकि यह समाज प्रगति की ओर अग्रसर हो सके। उन्होंने जिलासभा द्वारा दिए गए इस स्नेह और प्यार से अभिभूत होकर भावविह्वल होते हुए कहा कि मुझे आशा है कि आप लोगों की असीम अनुकम्पा और भरपूर प्यार भविष्य में भी मुझे इसी प्रकार से सदैव ही मिलता रहेगा।

अन्तर्राष्ट्रीय प्रोफेशनल मुक्केबाज मनदीप जांगिड ने 2 अक्टूबर 2024 को वर्ल्ड बॉक्सिंग फेडरेशन द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में केमैन आइलैंड्स अमेरिका में सुपर फेदर वेट टाईटल जीतकर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर

प्रोफेशनल बॉक्सिंग प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार हासिल करने वाले, मनदीप जांगिड ने जिलासभा द्वारा दिए गए प्यार और आशीर्वाद से अभिभूत होकर कहा कि आपके आशीर्वाद से ही मुझे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर 140 करोड़ लोगों में पहला भारतीय होने का सम्मान मिला है। उन्होंने आदमपुर के नवनिर्वाचित विधायक चन्द्र प्रकाश जांगिड को, हृदय के अन्त:करण से हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि इन्होंने 56 साल का रिकार्ड तोड़कर एक इतिहास रचा है।

समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए एक दूसरे की सहायता करने का मूल मंत्र देते हुए उन्होंने कहा कि जहां तक समाज के हित की बात है मैं समाज के लोगों से विनम्र अनुरोध करता हूं कि आपसी मतभेद भुलाकर एक दूसरे की सहायता करें और एक दूसरे का साथ देने के साथ ही आपस में मिलजुल कर समाज को आगे बढ़ाने के लिए आगे आए ताकि इस समाज की प्रगति सुनिश्चित हो सके। युवाओं को जीवन में सफलता का मूल मंत्र देते हुए उन्होंने कहा कि आज के युवाओं को गाली गलौज और एक दूसरे पर छिटांकशी करने से परहेज करना चाहिए और जो लोग शराब को प्रमोट करते हैं उनसे अपने बच्चों को दूर रखते हुए उनको उत्तम संस्कार देने चाहिए ताकि वह जीवन में सफलता हासिल कर सकें। जीवन में सफलता हासिल करने के मूल मंत्र के बारे में बताते हुए उसने युवाओं का आह्वान किया कि उनको हार से कभी भी निराश नहीं होना चाहिए, अपितु हार से एक सबक लेकर अपनी कमजोरियों पर ध्यान देते हुए आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। क्योंकि असफलता ही सफलता का रास्ता प्रशस्त करती है।

इस अवसर पर पूर्व एडवोकेट जनरल पवन कुमार जांगिड, समाज सेवी अजय कान्त जांगिड, पूर्व जिला अध्यक्ष राम तीर्थ सुथार और सेवा निवृत्त तहसीलदार महावीर जांगिड ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ ही समाज में परिव्याप्त कुरितियों को दूर करने की आवश्यकता पर बल दिया। जिला सभा अध्यक्ष उदय सिंह जांगिड ने आगुंतक मेहमानों का आभार व्यक्त करते हुए सभी का हृदय से आभार व्यक्त किया। मंच का बेहतरीन तरीके से संचालन सुरेन्द्र कुमार जांगिड और डॉ. सुखबीर कैमरी ने किया।

इस सम्मान समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में उपनिदेशक सुभाष शर्मा,जांगिड, पूर्व जिला पार्षद ओमप्रकाश आर्य, जिला महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती मैना जांगिड, पूर्व जिला अध्यक्ष धर्म सिंह जांगिड, समाजसेवी अजय कान्त जांगिड, मनदीप के पिता कृष्ण कुमार जांगिड, खुशी के पिता सुनील जांगिड और भूपेंद्र के पिता पूर्ण कुमार सूरा और दादा रामकुमार सूरा जांगिड, संदीप आर्य के भाई सोनू जांगिड, सेवानिवृत्त डी.आर.ओ. महाबीर जांगिड, पूर्व रजिस्ट्रार ईश्वर जांगिड, पूर्व डी आर ओ रामपाल जांगिड, डॉ. सुखबीर कैमरी, डॉ. दर्शन जांगिड, डॉ. कलवंत जांगिड, डॉ. रामचंद्र जांगिड, डॉ. तेजराम, पूर्व सरपंच कालूराम, अमीलाल धामू, मेवा सिंह धामू, रघुबीर सुथार, ललित जांगिड, रामधन जांगिड, ललित जांगिड, सेवानिवृत्त पुलिस इंस्पेक्टर कर्ण सिंह जांगिड, रिटायर्ड नायाब तहसीलदार ओमप्रकाश जांगिड, पूर्व जिलाअध्यक्ष महेंद्र सिंह जांगिड डोबी, वेद प्रकाश जांगिड, सतीश कुमार जांगिड, अजमेर जांगिड और संदीप जांगिड, रामकुमार जांगिड, सुरेन्द्र जांगिड भगाना, जयभगवान जांगिड, आर्य नगर से मदनलाल जांगिड, सहित जांगिड समाज से जुड़े गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

सम्पादक, रामभगत शर्मा

बहुआयामी प्रतिभा के धनी, लक्षित जांगिड स्विट्जरलैंड के विश्व विख्यात प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय (एच एस एल यू) आर्टस में दाखिला लिया

जांगिड समाज के प्रतिभाशाली युवा और आईआईटी रुड़की के मेधावी छात्र और देदीप्यमान सितारे, लक्षित जांगिड ने, उच्च अध्ययन के लिए स्विट्जरलैंड के विश्वविद्यालय (Hochschule Luzern University) में प्रवेश मिला है। लक्षित जांगिड की यह उल्लेखनीय उपलब्धि उनकी, अथक मेहनत, समर्पण और उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन का ही परिणाम है, जिससे समाज में गर्व और हर्ष की लहर है।

जीवन में, जो युवा अपने सपनों को उड़ान को पूरा करने के लिए निर्धारित लक्ष्यों के साथ-साथ आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ता है, सफलता उसके कदम अवश्य ही चूमती है और लक्षित ने, अपनी असीम प्रतिभा और दक्षता तथा उत्कृष्ट जिजीविषा और माता-पिता के आशीर्वाद और उनके द्वारा दिए गए उदात्त संस्कारों के कारण ही यह सम्भव कर दिखलाया है। जयपुर निवासी डी सी जांगिड एवं श्रीमती सुरेखा जांगिड के छोटे सुपुत्र लक्षित जांगिड ने यह विशेष उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है और लक्षित, महासभा के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री अनिल एस जांगिड के भांजे हैं। लक्षित जांगिड बचपन से ही असीम प्रतिभावान रहे हैं। उनकी विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में गहरी अभिरुचि रुचि रही है और जिसके चलते ही, उन्होंने कठिन परिश्रम और सतत् साधना के बल पर ही भारतीय प्राद्यौगिक संस्थान, आई.आई.टी रुड़की में मेटरलाजी में दाखिला लिया और अब यह उदीयमान और प्रतिभावान युवा वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने के लिए अग्रसर और लालायित है और सतत प्रयत्नशील हैं। गौरतलब है, कि पूर्व महामंत्री अनिल एस.जांगिड स्वयं भी समाज की प्रतिभाओं को पोषित करते रहे हैं। उनके परिवार की शिक्षा के प्रति एकनिष्ठ प्रतिबद्धता और नि:स्वार्थ समर्पण की भावना ने, न केवल लक्षित को बल्कि समाज के अन्य युवाओं को भी आगे बढ़ने के लिए अभिप्रेरित किया है। उनका परिवार सदैव ही शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणीय रहा है और समाज में ज्ञान की लौ प्रज्ज्वलित करने और जागरूकता फैलाने में सदैव ही महत्वपूर्ण योगदान देता आया है।

राज्यसभा सांसद, रामचंद्र जांगड़ा ने लक्षित जांगिड को उसकी सफलता पर हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि समाज के उन युवाओं को कठिन परिश्रम और समर्पण की भावना से कार्य करने के लिए प्रेरणा देगी जो, प्रतिस्पर्धा के इस युग में अपने सपनों को साकार करने के लिए आगे बढ़ना चाहते हैं और जिन्होंने अपनी मेहनत और परिश्रम के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। मैं लक्षित जांगिड के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करते हुए, परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि वह अपने उद्देश्य में सफल हो और भविष्य में भी इसी प्रकार से उपलब्धि हासिल करते हुए समाज का नाम गौरवान्वित करता रहेगा।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, लक्षित जांगिड की उल्लेखनीय उपलब्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि मैं लक्षित जांगिड को बधाई देता हूं, जिसने युवाओं में आगे बढ़ने के लिए कठिन परिश्रम करने और शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा देने का काम किया है। रामपाल शर्मा ने, महासभा रुपी परिवार की तरफ से लक्षित जांगिड को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल और मंगलमय भविष्य की मनोकामना की है।

आदमपुर के विधायक चन्द्र प्रकाश जांगिड ने लक्षित जांगिड को बधाई देते हुए कहा है कि बहुआयामी प्रतिभा के धनी और कर्त्तव्यपरायता की प्रतिमूर्ति लक्षित जांगिड की यह उपलब्धि समाज के उन युवाओं के लिए एक मिल का पत्थर सिद्ध होगी, जो इस जीवन में अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं। उन्होंने लक्षित जांगिड के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की है।

हरियाणा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, डॉ. शेर सिंह जांगिड और गुरुग्राम जिला सभा अध्यक्ष सत्यनारायण जांगिड ने भी लक्षित जांगिड को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की है ।

सम्पादक रामभगत शर्मा

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी ,जलज शर्मा को प्रधानमंत्री पुरस्कार हासिल हुआ।

जीवन में जिस व्यक्ति की सकारात्मक सोच, धैर्य और बुद्धिमत्ता पूर्वक, संकल्प के साथ लोगों की सेवा करने की उत्कृष्ट जिजीविषा और आत्मविश्वास हो तो उसे निश्चित रूप से ही सफलता मिलती है। इस कड़ी में नाम दर्ज हो गया है, नाशिक में कार्यरत भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी जलज शर्मा का, जिन्होंने जनसेवा ही एक मात्र उद्देश्य है के, इस मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए सत्यनिष्ठा और ईमानदारी तथा कर्त्तव्यपरायणता से कार्य करते हुए भगवान शिव की नगरी और भगवान श्री राम और सीता के बनवास की स्मृतियों को संजोए हुए, इस नाशिक शहर का धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से विकास करने का संकल्प लिया और इस संकल्प को पूरा करने में भगवान शिव का आशीर्वाद और नाशिक शहर की जनता का अभूतपूर्व सहयोग और प्यार तथा सहयोग हासिल हुआ है और यही कारण है कि उनको वर्ष 2023 का प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री पुरस्कार हासिल हुआ है।

जलज शर्मा ने बताया कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के उन अधिकारियों को प्रधानमंत्री पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है, जिन्होंने अपने जिले के अन्तर्गत, विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया है और इन्हीं उत्कृष्ट सेवाओं को देखते हुए प्रतिवर्ष भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को प्रधानमंत्री पुरस्कार देकर इन अधिकारियों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से सम्मानित किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को मिलने से मुझे अपार खुशी हुई कि और मैं अपने आपको सौभाग्यशाली समझता हूं कि उनको यह प्रधानमंत्री पुरस्कार, नाशिक शहर का होल्सटिक (धार्मिक) दृष्टि से समग्र विकास करने की दृष्टि से ही उनकी उत्कृष्ट सेवाओं को देखते हुए ही यह प्रतिष्ठित 'प्रधानमंत्री पुरस्कार हुआ है।

प्रधानमंत्री पुरस्कार प्राप्त होने का उल्लेख करते हुए जलज शर्मा ने बताया कि भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग दिल्ली, के सचिव वी श्रीनिवासन ने 10 जनवरी को लिखे एक सरकारी पत्र में, इसकी जानकारी देते हुए, यह पत्र उनको हासिल हुआ है और इसके साथ ही पत्र में लोक प्रशासन विभाग के सचिव द्वारा, भविष्य में भी इसी प्रकार से सत्य निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करते हुए भविष्य में आने वाली सभी चुनौतियों का दक्षता पूर्वक ढंग से सामना करने के लिए प्रोत्साहित भी किया गया है। उन्होंने अपने पत्र में कहा है कि आपके द्वारा प्रतिबद्धता के साथ किया गया अमूल्य और महत्वपूर्ण योगदान और इस श्रेणी में किए गए समर्पित प्रयास विशेष रूप से उल्लेखनीय और सराहनीय हैं। इन समर्पित प्रयासों कि मैं भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूं।

जलज शर्मा ने भावुक होते हुए कहा कि मैं, जिला नाशिक के विकास के लिए उदार वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए महाराष्ट्र की सरकार, मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस, उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों और भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही, मैं, नाशिक शहर के सम्मानित लोगों का भी हृदय से कृतज्ञता व्यक्त करता हूं जिन्होंने मुझे भरपूर सहयोग और अभूतपूर्व प्यार दिया और लोगों का प्यार ही मेरी असली ताकत है। मैं भगवान शंकर की नगरी के निवासियों को

भरोसा दिलाता हूं कि हम सभी नाशिक जिला निवासी आपस में मिलकर, भगवान शिव की इस दिव्य नगरी को विकास की नई बुलंदियों पर ले जाने के लिए हर सम्भव प्रयास करेंगे ताकि इस शहर का सर्वांगीण विकास होने के साथ ही वर्ष 2027 में लगने वाले महाकुंभ के दौरान भी देश के कौने-कौने और विदेशों से आने वाले मेहमानों को भी आपके सहयोग से समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें और जिला नाशिक में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित हो सकें।

जलज शर्मा के पिता रामभगत शर्मा ने कहा कि यह प्रधानमंत्री पुरस्कार जीवन में हासिल होना, एक भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी का सपना होता है और मुझे खुशी है कि मेरे बेटे ने यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि यह सब कुछ जलज को दिए गए बेहतरीन संस्कारों और कर्त्तव्य बोध के कारण ही संभव हो पाया है। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

जलज शर्मा की मां श्रीमती रुपा रानी शर्मा ने कहा कि जलज का सकारात्मक दृष्टिकोण और अपार धैर्य, कार्य करने की अपार क्षमता और सहनशीलता जैसे अमोघ गुणों के कारण ही उनको यह प्रधानमंत्री पुरस्कार हासिल हुआ है। इस पुरस्कार के हासिल होने से उसकी असाधारण प्रतिभा उजागर हुई है। उन्होंने याद दिलाया कि वह अपने स्कूल के समय से प्रतियोगिताओं में पुरस्कार हासिल करता रहा है और उसको राष्ट्रीय स्तर पर भी अनेक पुरस्कार भी हासिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि मेरी यही मनस्कामना है कि वह जीवन में अपने कुशल और दक्ष व्यवहार का परिचय देते हुए और जीवन में सकारात्मकता दृष्टिकोण रखते हुए आगे बढ़े और अपने जीवन में गरीब लोगों की दुआओं को हासिल करें। ऐसी मेरी मनोकामना है।

राजस्थान कैडर के, भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी, मिलनसार प्रवृत्ति के धनी, विनम्रता और शालीनता की प्रतिमूर्ति, और आमजन को कम कीमत की जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध करवाने के लोक कल्याणकारी कार्य के लिए भारत के प्रधानमंत्री से पुरस्कृत, डॉ. समित शर्मा ने, नाशिक शहर के होलस्टिक दृष्टि से सर्वांगीण विकास के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार मिलने के उपलक्ष में नाशिक के जिला कलेक्टर, जलज शर्मा को हृदय के अन्तःकरण से बधाई देते हुए कहा कि जलज शर्मा की राष्ट्रीय स्तर पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि, उसके सकारात्मक दृष्टिकोण, उत्कृष्ट जिजीविषा, अथक प्रयास और समर्पण की भावना से, जनसेवा के कार्य करने के कारण ही हासिल हुई है। यह पुरस्कार भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए गौरव और प्रतिष्ठा का प्रतीक है। इससे भविष्य में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अन्य अधिकारियों का भी, न केवल मनोबल बढ़ेगा अपितु अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने की प्रेरणा भी मिलेगी। मैं आशा करता हूं कि भविष्य में भी जलज शर्मा इसी प्रकार से जन सेवा का कार्य करते हुए, प्रशासनिक अधिकारियों का नाम रोशन करेंगे।मैं जलज शर्मा के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता हूं।

भारतीय राजस्व सेवा के वरिष्ठ अधिकारी, सौम्यता, शालीनता और विनम्रता की प्रतिमूर्ति और आयकर विभाग में महानिदेशक (जांच) डॉ. नरेन्द्र शर्मा ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, जिला नाशिक के कलैक्टर जलज शर्मा को, उसकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रधानमंत्री मंत्री पुरस्कार मिलने पर अन्तःकरण से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सर्वश्रेष्ठ प्रतिष्ठित पुरस्कार जलज शर्मा को नाशिक शहर का होलस्टिक दृष्टि से सर्वांगीण विकास करने की एवज में दिया है और यह भारतीय प्रशासनिक

सेवा के एक अधिकारी के लिए गर्व की अनुभूति का अहसास करवाने के साथ ही एक अमूल्य गहना भी है।

डॉ. नरेन्द्र शर्मा ने कहा कि यह पुरस्कार एक जिले के लोगों के प्रति एक कर्त्तव्यनिष्ठ अधिकारी की कर्त्तव्यपरायणता और उत्तरदायित्व के बोध को स्पष्ट रूप से परिलक्षित करता है। यह प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री पुरस्कार इस बात का परिचायक है कि किस प्रकार से एक भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी ने अपने कर्त्तव्य का भलीभांति निर्वहन करते हुए न्यायोचित तरीके से जन भावनाओं को ध्यान में रख कर नाशिक शहर के हित के लिए बेहतर निर्णय लिए गए और यह उसकी कार्यप्रणाली और कार्य क्षमता को ही परिलक्षित करता है। मैं जलज शर्मा के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने जलज शर्मा को प्रधानमंत्री पुरस्कार मिलने पर बधाई देते हुए कहा कि यह उनकी लोकप्रियता और स्वीकार्यता तथा जनसेवा की भावना को परिलक्षित करता है। उन्होंने कहा कि माता-पिता द्वारा दिए गए उत्तम संस्कारों और अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली के कारण उनको यह उपलब्धि हासिल हुई है। उन्होंने इससे पहले भी अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय देते हुए महाराष्ट्र सरकार का जिला कलेक्टर का सर्वोत्तम पुरस्कार हासिल किया था। मैं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

गुरूग्राम के उद्योगपति पी एल शास्त्री, जीएसटी के अतिरिक्त आयुक्त चूनाराम जांगिड, हरियाणा के पूर्व मुख्य सचिव संजीव कौशल, जलज की नानी लीलावती शर्मा, ससुर रमेश खत्री, सास श्रीमति संतरेश ने भी प्रधानमंत्री पुरस्कार मिलने पर बधाई दी है।

सम्पादक राम भगत शर्मा।

शिवानी जांगिड ने खेलों इण्डिया प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया।

जिस होनहार प्रतिभा में, जीवन में आगे बढ़ने की उत्कृष्ट जिजीविषा और आत्मविश्वास तथा दृढ़ संकल्प हो उसको आगे बढ़ने और सफलता हासिल करने से कोई भी नहीं रोक सकता है। युवाओं में परिव्याप्त प्रबल भावना हो तो रास्ता आसान हो जाता है और सफलता मिलना निश्चित है और इसका ज्वलंत प्रमाण है, गांव जाटावाली जिला जयपुर की रहने वाली शिवानी जांगिड जिन्होंने 5 से 7 जनवरी तक दिल्ली में आयोजित खेलो इंडिया में योगासन प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल हासिल करके, माता-पिता, समाज और प्रदेश का नाम रोशन किया है।

शिवानी जांगिड द्वारा दिल्ली में 5-7 जनवरी को आयोजित खेलो इण्डिया प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया

शिवानी जांगिड का जन्म पिता महेंद्र जांगिड और माता श्रीमती ममता देवी जांगिड के घर हुआ और शिवानी बचपन से ही पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी रुचि रखती थी और उसी का यह प्रतिफल है कि उसको राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित योगासन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया है । शिवानी जांगिड ने बताया कि, योग करने की प्रेरणा उनको, अपने पिता महेंद्र जांगिड से मिली है, क्योंकि वह प्रतिदिन योगाभ्यास के साथ हर रोज व्यायाम और योगासन भी करते हैं और उनकी प्रेरणा से ही मुझे योगा स्पोर्ट्स खेलते हुए लगभग 3 वर्ष हो गए हैं और इसके साथ ही कोच अभिनव जोशी, शैलेंद्र कुमार और अशोक के सानिध्य और मार्गदर्शन में, मैं निरंतर अपना अभ्यास करती रही और मुझे आगे बढ़ने का मौका मिला।

उनके पिता महेंद्र कुमार जांगिड ने बताया कि शिवानी जांगिड इससे पहले भी दो बार राष्ट्रीय स्तर की योगासन प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल कर चुकी है और इतना ही नहीं, अस्मिता खेलो इंडिया में, महिला लीग में भी उसने दो बार स्वर्ण पदक हासिल करके समाज और माता-पिता का गौरव बढ़ाया है।

इतना ही नहीं शिवानी ने इससे पहले दो बार वेस्ट जोन में आयोजित योगासन प्रतियोगिता में एक स्वर्ण और एक रजत पदक भी हासिल किया है और इसी बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर ही शिवानी जांगिड का चयन 38वें राष्ट्रीय खेलों में हुआ है।

उनके दादा शंकर लाल जांगिड ने कहा कि शिवानी ने जिस प्रकार से योगासन प्रतियोगिता में पदक हासिल करके समाज का गौरव बढ़ाया है, उसके लिए उसके माता-पिता द्वारा दिए गए बेहतर संस्कार और संस्कृति तथा शिक्षा शामिल है। शिवानी जांगिड, वर्तमान में जगतगुरु रामानंदाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय में, योग विषय में स्नातकोत्तर कक्षा की द्वितीय वर्ष की छात्रा है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, शिवानी जांगिड को उसकी उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि इस आधुनिक भौतिकवादी युग में, योग और व्यायाम ही बेहतर स्वस्थ रखने के लिए रामबाण के समान हैं और इस मामले में माता-पिता द्वारा दिए गए बेहतर संस्कारों और परम्पराओं का पालन करते हुए ही शिवानी जांगिड ने, अनेक योग प्रतियोगिताओं में पुरस्कार हासिल किया है और मुझे आशा है कि भविष्य में भी वह इसी प्रकार से माता-पिता और समाज का नाम गौरवान्वित करती रहेगी।

मैं महासभा रुपी परिवार की तरफ से शिवानी जांगिड को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

राधामोहन जांगिड, जाटावाली, जयपुर।

प्रेम नारायण शर्मा बने उज्जैन जिले के निर्विरोध जिलाध्यक्ष

मध्य प्रदेश में उज्जैन जिले के जिलाध्यक्ष पद के लिए 14 फरवरी को उज्जैन जिला अध्यक्ष की चुनाव अधिसूचना के अनुसार नामांकन प्रक्रिया संपन्न हुई। उज्जैन जिलाध्यक्ष पद के लिए अधिसूचना 30 दिसंबर 2024 को जारी की गई थी और निष्पक्ष चुनाव करवाने के लिए ख्याली राम भदरेचा को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया था और साथ ही, ललित बिरानियां, सुनील डायलवाल एवं अशोक कुमार जटावा को सहायक चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया था। नामांकन प्रक्रिया में निर्धारित समय तक केवल एक ही नामांकन प्रेम नारायण शर्मा का प्राप्त हुआ। एक ही नामांकन पत्र प्राप्त होने के कारण चुनाव अधिकारीगण ने ग्राम नजरपुर, जिला उज्जैन के प्रेम नारायण शर्मा सुपुत्र अर्जुन लाल शर्मा को निर्विरोध रुप से उज्जैन जिले का जिलाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया और उनको जिलाध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। चुनाव अधिकारियों ने नामांकन प्रक्रिया में सहयोग देने के लिए उपस्थित सभी समाज बंधुओ के प्रति आभार व्यक्त किया।

नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष, प्रेम नारायण शर्मा ने निर्विरोध निर्वाचन पर समाज के सभी के गणमान्य व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त व्यक्त करते हुए, सभी को एक साथ लेकर समाज के विकास और आगे ले जाने की बात कही। महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और मध्य प्रदेश प्रदेश सभा के प्रदेशाध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला ने, प्रेम नारायण शर्मा को उज्जैन जिलाध्यक्ष निर्वाचित घोषित होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी और आशा व्यक्त की है कि वह लोगों की आशाओं पर खरा उतरने का काम करेंगे।

यहां पर यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश एक ऐसा प्रदेश है, जहां प्रदेशाध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला के नेतृत्व में और उनके प्रयासों के कारण सभी जिलों के जिलाध्यक्षों के चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए हैं और यह समाज में आपसी बंधुत्वभाव एवं सामाजिक एकता का द्योतक है।

चुनाव अधिकारी, ख्याली राम भदरेचा

भगवान श्री विश्वकर्मा के प्रकाटय दिवस पर विशेष

कला, विज्ञान और सृजन के देवता भगवान विश्वकर्मा का जन्मोत्सव माघ शुक्ल त्रयोदशी 10 फरवरी को देश के अनेक राज्यों में मनाया गया।

विश्व-निर्माण-कर्तारं मंगलं वरदायकम, हसांरूढ वास्तुदेवं विश्वकर्माणिनमामि

आराध्यदेव प्रभु भगवान विश्वकर्मा के एक हाथ में गज, दूसरे हाथ में जल मण्डल और तीसरे हाथ में डोरी और चौथे हाथ में सर्व सृष्टि रचित विद्या शिल्प विश्वकर्मा पुराण धारण किये हुए हैं और हंस पर विराजमान हैं, जिनके तीन नेत्र और मस्तक पर रत्न जड़ित मुकुट धारण किये हुए हैं, जिनका शरीर सर्व जगत से वृद्धि अवस्था में है। तीनलोक, देवलोक, राजमहलों एवं सारी सृष्टि की रचना कर सर्व के हितकारी, कल्याणकारी, विश्व विराट् शेष नारायण, दयालु भगवान विश्वकर्मा प्रभु को हम बारम्बार नमस्कार करते हैं।

इस जगत को, जिसने बनाया उस परमपिता परमात्मा को अनेक नामों से पुकारा जाता हैं। इनमें विराट विश्वकर्मा भी एक है। सृष्टि निर्माता का यह गुणबोधक एवं गुणात्मक नाम है। विश्व के समस्त पदार्थो को ईश्वर ने रचा है। इसलिए इनका नाम विश्वकर्मा है। विराट विश्वकर्मा द्वारा बनाए गए नियमों के आधार पर ही, यह संसार का चक्र चल रहा है। ऋग्वेद और यजुर्वेद के विश्वकर्मा सुक्तों में इसका वर्णन आया है। स्कन्द पुराण में भगवान विश्वकर्मा को अनादि, निराकार आदि बताकर विश्वकर्मा के विराट स्वरूप का ही वर्णन किया है। जिसका न आदि है और न ही अंत है।

आराध्यदेव भगवान विश्वकर्मा, सृष्टिकर्ता, सर्वेश्वर, सर्वव्यापक, सर्वान्तिव्यापी, अभय, अजर, अमर, अनुपम अनादि गुणों से परिपूर्ण है, उनकी उपासना करने योग्य है, वह जगत नियन्ता है। विश्वकर्मा सृष्टिकर्ता, सर्वेश्वर और विज्ञान के पूर्ण ज्ञाता है। इन्हें विज्ञान का आद्याचार्य और शिल्प प्रवर्तक भी कहा जाता है तथा संसार में इन्हें संस्कृति का प्रथम आविष्कारक भी मानते हैं। विश्वकर्मा ने ही सृष्टि को ज्ञान-विज्ञान, शिक्षा, स्थापत्य और समस्त कला का प्रकाश दिया। मानव को प्राथमिक अवस्था से, आज की उच्च अवस्था में पहुंचाने का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है। देवताओं के इंजीनियर कहलाने वाले, महान तेजस्वी विश्वकर्मा ने जन कल्याण के लिए अनेक अस्त्र-शास्त्रों का निर्माण किया है। विश्वकर्मा निर्माण एवं सृजन कारक है। स्वर्गलोक से द्वारकापुरी तक का रचियता इन्हें ही माना जाता है। विश्वकर्मा की शिल्प विद्या इतनी अलौकिक और चमत्कारिक है कि अन्य देवतागण भी इनका असीम सत्कार करते थे। समस्त विश्व की रचना करने के कारण ही इन्हें विश्वकर्मा के नाम से पुकारा जाता है। आज संसार में जो भी दृष्टिगोचर हो रहा है, यह सब उन्हीं की देन है।

देव शिरोमणि, शिल्पाचार्य भगवान विश्वकर्मा का अवतरण सतयुग में हुआ। जिस प्रकार चैत्र शुक्ल नवमी मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की, भाद्रपद कृष्ण अष्टमी भगवान कृष्ण की अवतरण तिथि है। उसी प्रकार माघ शुक्ल त्रयोदशी को निर्माण के देवता, विज्ञान सम्राट विश्वकर्मा का जन्मदिवस है। भगवान विश्वकर्मा में ईश्वरीय ज्योति का प्रकाश पूंज था। इसलिए उनकी गणना उच्च कोटि के देवताओं में की जाती है। समस्त ऋषिगण, भगवान कृष्ण तथा देवाधिदेव महादेव ने विश्वकर्मा की पूजा कर अपने को धन्य समझा है, तो हम मनुष्यों की क्या बिसात है ?। यदि सम्पूर्ण शास्त्रों व साहित्य का अवलोकन किया जाए तो भगवान श्री विश्वकर्मा जी की महिमा में अनेकों ग्रन्थ लिखे जा सकते हैं। किसी भी प्रकार का मांगलिक कार्य हो, यज्ञ, गृहप्रवेश की पूजा किए बिना पूर्ण हुआ माना ही नहीं जा सकता । वस्तुत: यह अटल सिद्धांत है कि विश्वकर्मा पूजा कल्याण चाहने वालों के लिए अनिवार्य है। परम दयालु विश्वकर्मा देदिप्यमान, तेजप्रताप तथा स्वयं प्रकाशित है। उनका ध्यान सुख, वैभव, शांति एवं उन्नति प्रदान करता है।

हे, अखिल ब्रह्माण्ड को धारण करने वाले तथा संसार के रचियता प्रभू विश्वकर्मा, आपकी सदा ही जय हो, जय हो, । आपके प्रत्येक रोम में, लाखों ब्रह्माण्ड विद्यमान हैं और आप सम्पूर्ण संसार पर शासन करने वाले हैं। आप सगुण तथा निर्गुण जैसे भी हो, हमें सब प्रकार के सुख-सम्पत्ति प्रदान करने वाले परम देव एवं आराध्य है। आपकी सदा ही जय हो। इस प्राकट्य दिवस के पुनीत अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

प्रवीण शर्मा, नीमच, पूर्व प्रवक्ता महासभा

श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज दिल्ली में भगवान विश्वकर्मा जन्मोत्सव व 121वां वार्षिकोत्सव मनाया गया।

श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज अपने में सैकड़ों वर्ष पुरानी सांस्कृतिक विरासत और अमूल्य धरोहर को संजोए हुए है और इसकी गरिमा को चार चांद लगाने के लिए 10 फरवरी को इस ऐतिहासिक मन्दिर का 121 वां वार्षिकोत्सव और भगवान श्री विश्वकर्मा का जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक तरीके से मनाया गया। इस दिन को विस्मरणीय बनाने के लिए रामकृष्ण आश्रम से भगवान विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज तक भारी संख्या में मातृशक्ति ने एक जैसी वेशभूषा पहन कर कलश यात्रा और शोभा यात्रा निकाली गई। समाज के प्रमुख वयोवृद्ध समाज सेवी, भामाशाहों को बग्गी में मान-सम्मान के साथ बिठाकर मंदिर प्रांगण तक लाया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए लोगों को, वास्तुकला में सर्वश्रेष्ठ देवशिल्पी भगवान श्री विश्वकर्मा के जन्मोत्सव की बधाई देते हुए कहा कि भगवान विश्वकर्मा के वंशज इस समाज के लोगों ने अपनी कला और शिल्प का लोहा मनवाया है, चाहे वह एजन्ता-अलोरा की गुफाएं हो, या बड़े-बड़े प्रासाद हो, इस समाज के लोगों के हुनर का कोई भी सानी नहीं है, जिन्होंने न केवल देश में अपितु अन्तर्राष्ट्रीय स्तर भी ख्याति अर्जित की है। उन्होंने समाज बन्धुओं को अपने-अपने हुनर को दर्शाने के लिए प्रेरित किया ताकि उनकी एक विशेष पहचान बन सके।

एजुकेशन ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष सतपाल वत्स ने योग की महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवन में सुखी और स्वस्थ रखने के लिए योग क्रियाओं को दैनिक जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि योग का अभ्यास करने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और मानसिक तनाव दूर होगा।

गुरुग्राम से अखिल भारतीय विश्वकर्मा संघ की महिला अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा शर्मा जांगिड ने सम्बोधित करते हुए कहा कि समाज की प्रगति और विकास का एक ही मूल मंत्र है और वह है सभी आपस में मिलजुल कर संगठन को मजबूत करें और अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करें।

भाजपा ओबीसी मोर्चा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सुनील यादव और महासचिव राम खिलाड़ी ने कहा कि दिल्ली में जांगिड समाज ने भाजपा को अपना पूर्ण समर्थन देकर भाजपा को प्रचंड बहुमत से जीत दिलाई। इसके लिए जांगिड समाज का कोटि-कोटि आभार। उन्होंने जांगिड समाज को विश्वास दिलाया कि दिल्ली में भाजपा सरकार बनने पर उनकी सभी मांगे पूरी की जाएगी।

मंदिर पहाड़गंज के संविधान में किये गए बदलाव को आम सभा के बीच रखते हुए आम सभा में संविधान को सभी समाज बन्धुओं की उपस्थिति में स्वीकृत करवाया गया और वहां पर उपस्थित सभी लोगों ने अपने हाथ खड़े करके पूर्ण समर्थन दिया और करतल ध्वनि के बीच इस बदलाव को स्वीकार कर लिया गया। प्राचीन विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के अध्यक्ष गंगादीन जांगिड और कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश खण्डेलवाल ने सभी का आगुंतकों का साफा और माला पहनाकर मान सम्मान किया और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यकारिणी और सभी का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन, महासचिव देशराज जांगिड और के डी शर्मा ने बहुत ही बेहतरीन ढंग से किया।

देशराज जांगिड, महामंत्री

जांगिड ब्राह्मण समाज समिति, दिल्ली संगम विहार में मनाया गया भगवान विश्वकर्मा का जन्मोत्सव

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने सृष्टि रचयिता और शिल्पकला और विज्ञान का उदगोष करने वाले, भगवान विश्वकर्मा के प्रकटोत्सव पर लोगों को बधाई देते हुए कहा कि विश्व में भगवान विश्वकर्मा ही एक मात्र ऐसे देवता हैं, जिनका उत्सव पूजा के रूप में एक वर्ष में तीन बार मनाया जाता है। पहला माघ शुक्ल त्रयोदशी और यह 10 फरवरी को मनाया गया, दूसरा 17 सितंबर और तीसरा दीपावली से अगले दिन और यह उत्सव अलग-अलग राज्यों में विभिन्न अवसरों पर मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि वराह पुराण के अनुसार ब्रह्माजी ने विश्वकर्मा जी को धरती पर उत्पन्न किया और विश्वकर्मा ने धरती पर बड़े-बड़े प्रासाद, हवेली व शस्त्रों का निर्माण किया और उन्होंने ही इन्द्र के लिए इंद्रपुरी, भगवान श्री कृष्ण के आदेश पर द्वारकापुरी और हस्तिनापुर, स्वर्ग लोक और सोने की लंका बनाई। इसीलिए ही पूजा उत्सव के अवसर पर मशीनों, औद्योगिक इकाइयों में निर्माण के देवता भगवान विश्वकर्मा की श्रमिकों द्वारा भी पूजा की जाती है।

रामपाल शर्मा, दिल्ली में 10 फरवरी को, जांगिड ब्राह्मण समाज समिति (पंजीकृत) द्वारा भगवान विश्वकर्मा मंदिर, संगम विहार में, समिति द्वारा आयोजित 33वें, विश्वकर्मा जयंती समारोह के अवसर पर, मुख्य अतिथि के रूप में लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महासभा का निर्विरोध, प्रधान नियुक्त होने पर, समाज के सभी महानुभावों का आभार व्यक्त करते हुए लोगो का आह्वान किया कि, हम सभी मिलकर, महासभा को आने वाले समय में नई ऊंचाइयों पर ले जाने का कार्य करेंगे और इस महायज्ञ में आप सभी का सहयोग और समर्थन और सहभागिता जरूरी है।

इस अवसर पर समारोह उपाध्यक्ष और श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष कैलाश चंद्र जांगिड ने बताया कि, महासभा के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष और समारोह के अध्यक्ष लादूराम जांगिड के नेतृत्व में शोभायात्रा और कलश यात्रा निकाली गई। यह शोभा यात्रा सुबह भगवान विश्वकर्मा मंदिर संगम विहार से, समारोह अध्यक्ष लादूराम के नेतृत्व में रवाना हुई और विभिन्न मार्गो से होते हुए, समापन पर पुनः विश्वकर्मा मंदिर संगम विहार में पहुंची। शोभा यात्रा के दौरान वाहनों में भगवान विश्वकर्मा एवं अन्य देवी देवताओं की भव्य झांकियां बड़े ही आकर्षक ढंग से सजाई गई थी और रास्ते में इन पर पुष्प वर्षा की गई। इन झांकियां के साथ भारी संख्या में महिलाएं मंगल कलश लिए हुए और भगवान विश्वकर्मा के गीत गाती हुई चल रही थी। इस शोभायात्रा में सजाई गई झांकियां विशेष रूप से सभी के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही।

समारोह के मुख्य अतिथि उद्योगपति भामाशाह, कानपुरा, कोटपूतली के श्री राम जांगिड ने इस अवसर पर, समाज की होनहार प्रतिभाओं का सम्मान करते हुए उनको जीवन में आगे बढ़ने का मूल मंत्र देते हुए जीवन में सकारात्मकता को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ने का आह्वान किया ताकि वह अपने लक्ष्य को हासिल कर सकें। उन्होंने समाज की आशातीत प्रगति के लिए आपस में मिलजुल कर मानव सेवा कार्य करने का सन्देश भी दिया ताकि यह समाज तीव्र गति से आगे बढ़ सके। उन्होंने समाज के सभी कार्यकर्ताओं की होंसला अफजाई करते हुए, बेहतरीन कार्यक्रम के आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया ।

युवा उधोगपति अरूण कुमार उर्फ अनिल कुमार लेकड़ी ने बताया कि सभी अतिथियों का, विश्वकर्मा मंदिर की नवगठित कार्यकारिणी संगम विहार द्वारा, जांगिड ब्राह्मण समाज समिति के नव निर्वाचित प्रधान, सुरेश जांगिड, टाईगर सहित सभी का माला पहनाकर व साफा बांधकर भावभीना स्वागत किया गया। विश्वकर्मा मंदिर के महामंत्री गिरिराज जांगिड ने समारोह में आए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया

महामंत्री ने बताया कि इससे पूर्व 9 फरवरी को संगम विहार स्थित भगवान विश्वकर्मा के मंदिर में रात्रि जागरण किया गया, जिसमें क्षेत्र के प्रसिद्ध भजन गायकों ने अपने मधुर भजनों के माध्यम से श्रोताओं का मन मोह लिया और 10 फरवरी को प्रातः 8 बजे पूजा अर्चना एवं हवन का आयोजन किया गया, जिसमें यजमानों द्वारा पत्नी सहित, पूजा अर्चना करके इस यज्ञ में आहूति प्रदान की गई।

इस अवसर पर समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, दिल्ली प्रभारी मदन लाल जांगिड़ तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला प्रमुख करोली राजस्थान, सीताराम जांगिड, विश्वकर्मा मंदिर हरसौर के अध्यक्ष मूलचंद पालडिया, बनवारी लाल जांगिड, उद्योगपति छतरपुर दिल्ली, संपतराम जांगिड करौली उद्योगपति दिल्ली और जांगिड ब्राह्मण समाज समिति के कोषाध्यक्ष बाबूलाल जांगिड शामिल रहे।

समारोह का श्रीगणेश, मुख्य अतिथि प्रधान रामपाल शर्मा और श्रीराम जांगिड के साथ विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के महामंत्री जगदीश प्रसाद जांगिड, प्रेमचंद पलाडिया पूर्व कोषाध्यक्ष एजुकेशन ट्रस्ट, जांगिड एकता सेवा समिति गोवर्धन के प्रधान जितेंद्र जांगिड, पुर्ष्पेद्र जांगिड, पूर्व कोषाध्यक्ष जांगिड एकता सेवा समिति, युवा उद्योगपति कूंजीलाल जांगिड और उदय सहित,भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्वलित करके पूजा अर्चना करके किया गया और ध्वजारोहण किया गया।

महामंत्री गिरिराज जांगिड

जिला सभा भरतपुर द्वारा सम्मान समारोह के आयोजन के साथ ही स्मारिका का विमोचन भी किया गया

राजस्थान प्रदेश सभा के अध्यक्ष धनश्याम शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भरतपुर जिला अध्यक्ष सोहनलाल शर्मा एवं उसकी समस्त कार्यकारिणी द्वारा समाज उत्थान के लिए जो सराहनीय कार्य किया गया है, इसलिए उनके इस कार्यकाल को अगर जिला भरतपुर का स्वर्ण काल कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। उन्होंने युवा पीढ़ी का आह्वान किया कि वह प्रतिस्पर्धा के इस युग में उच्च शिक्षा ग्रहण करें, क्योंकि जीवन में प्रगति करने का एकमात्र साधन शिक्षा और ज्ञान ही है। उन्होंने अभिभावकों से अनुरोध किया कि वह अपने बच्चों में बेहतर संस्कार पैदा करें ताकि वह जीवन में सफलता अर्जित कर सकें। इसके साथ ही समाज में परिव्याप्त कुरीतियों को भी जड़-मूल से खत्म करने में सहयोग करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

धनश्याम शर्मा, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, के अन्तर्गत जिला सभा भरतपुर द्वारा 12 जनवरी को आयोजित 10वीं त्रैमासिक बैठक, स्मारिका का विमोचन और सम्मान समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे।

राजस्थान प्रदेश सभा के पूर्व अध्यक्ष और विशिष्ट अतिथि, संजय हर्षवाल ने समाज के लोगों का आह्वान किया कि वह आपसी एकता और भाईचारे की भावना को बनाए रखते हुए, समाज को आगे बढ़ने में अपना बहूमूल्य योगदान प्रदान करें ताकि समाज, सामाजिक क्षेत्र के साथ-साथ राजनीतिक क्षेत्र में भी अपनी विशेष पहचान बनाकर नए आयाम स्थापित कर सके। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि महासभा परिवार के साथ अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का सार्थक प्रयास करें ताकि समाज का चहुंमुखी विकास होने के साथ ही महासभा रुपी परिवार एक वृहत परिवार बन सके। संजय हर्षवाल ने कहा कि समाज की उन्नति का केवल एक ही मार्ग है और वह मार्ग है समाज में आपस में मिलजुल कर एकता का शंखनाद करना।

डॉ. अशोक कुमार जांगिड ने कहा कि युवाओं को सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर भाग लेकर समाज को मजबूत करने में अपना अमूल्य योगदान देना चाहिए। किसी भी समाज का विकास और भविष्य उसके युवाओं पर निर्भर करता है इसलिए युवाओं के भविष्य को उज्ज्वल बनाने पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

इस अवसर पर विमोचन की गई पारिवारिक परिचय स्मारिका के, प्रधान संपादक सेवानिवृत्त प्रिंसिपल पन्नालाल जांगिड ने स्मारिका के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए, जिला सभा, प्रदेश सभा और महासभा के पदाधिकारियों से युवाओं और महिलाओं को समाज की गतिविधियों के साथ जोड़ने के लिए, महत्वपूर्ण योजनाएं लागू करने की भी मांग की। जिला अध्यक्ष सोहनलाल शर्मा ने अपनी तीन वर्षो की उपलब्धियों के साथ ही जिला सभा की तरफ से सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर कवि पूर्ण शर्मा ने अपनी कविताओं के माध्यम से लोगों का मन मोह लिया और अंत में सभी अतिथियों द्वारा स्मारिका का विमोचन किया गया और मंच का संचालन सभा के महामंत्री सीताराम जांगिड ने बेहतरीन ढंग से अपनी रोचक राजस्थानी शैली में किया।

इस अवसर पर दीप विश्वकर्मा के सम्पादक हरिराम जांगिड, विश्वकर्मा टूडे के सम्पादक नरेश शर्मा, प्रदेश सभा के पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष एडवोकेट ओमप्रकाश शर्मा, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजस्थान प्रदेशसभा, धर्मवीर जांगिड, मनोहर लाल जांगिड, हनुमान प्रसाद जांगिड, हरमान जांगिड, जिला प्रभारी ओम प्रकाश जांगिड, डीग जिला अध्यक्ष दिनेश जांगिड, तुलसी राम पूर्व जिला अध्यक्ष भरतपुर घनश्याम शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष देवकीनंदन, पूर्व संगठन महामंत्री महासभा, सुरेश चंद्र, सहित सभी तहसील अध्यक्ष एवं पदाधिकारीगण एवं समाज बंधु उपस्थित रहे।

एडवोकेट ओमप्रकाश जांगिड

नारायणपुर कस्बे में 10 फरवरी को भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा की गई

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल ने कहा कि सृष्टि के रचनाकार, शिल्पकला और विज्ञान के देवता, भगवान विश्वकर्मा ने विज्ञान और शिल्पकला का निर्माण करके, विश्व को तकनीकी ज्ञान से विभूषित किया और उनको औजारों का देवता भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने ही इंद्र का वज्रास्त्र और अनेक दिव्य आयुधो का निर्माण किया। विश्वकर्मा ने ही भगवान शिव के आदेश पर महर्षि दधीचि द्वारा दी गई, उनकी हड्डियों से ही वज्र का निर्माण किया था जो कि देवताओं के राजा इंद्र का प्रमुख हथियार है ।

प्रधान रामपाल शर्मा का नारायण पुर में विश्वकर्मा भगवान की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के दौरान सम्मानित करते हुए

यह उदगार, प्रधान रामपाल शर्मा ने 10 फरवरी को कस्बा नारायणपुर जिला अलवर में मानसरोवर जोहड़ पर स्थित श्री भगवान विश्वकर्मा मंदिर में, भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा एवं भामाशाह सम्मान समारोह में उपस्थित लोगों को समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रधान रामपाल शर्मा ने, भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा पर आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि भगवान विश्वकर्मा को आधुनिक इंजीनियर के साथ ही वास्तु शास्त्र का जनक भी माना जाता है। भगवान विश्वकर्मा को सृजन का देवता भी कहा जाता है और ऐसी मान्यता है कि विश्वकर्मा जी ने ही इंद्रपुरी, द्वारिका, हस्तिनापुर, स्वर्ग लोक और सोने की लंका का निर्माण किया था और आज यहां पर विश्वकर्मा के प्राकट्य दिवस के पुनीत अवसर पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया जा रहा है, जो सोने पर सुहागा है। भगवान विश्वकर्मा के प्राकाट्य दिवस के अवसर पर मैं, आप सबको ढेर सारी बधाई देता हूं। भगवान विश्वकर्मा आपकी सभी मनोकामना पूरी करें और उनकी अनुकम्पा आप और आपके परिवार पर सदैव ही बनी रहे, मेरी यही मनोकामना है।

उन्होंने कहा कि जो भक्त सच्चे मन से भगवान की पूजा अर्चना करते हैं वह अवश्य ही स्वीकार होती है। उन्होंने समाज की एकता पर बल देते हुए कहा कि हम सभी को आपसी सहयोग करके ही आगे बढ़ना होगा, तभी समाज तरक्की कर सकता है। उन्होंने प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशने की आवश्यकता पर पर बल देते हुए कहा कि हमारा समाज अभी भी राजनैतिक दृष्टि से एवं नौकरियों में पिछड़ा हुआ है और इसके लिए समाज के लोगों को आगे आकर मेहनत करनी होगी। **उन्होंने मंदिर निर्माण के लिए एक लाख रुपए की सहयोग राशि देने की घोषणा करते हुए कहा कि भगवान विश्वकर्मा के मंदिर के निर्माण कार्यो के लिए धन की कमी कभी भी नहीं आने दी जाएगी।**

समारोह की अध्यक्षता अलवर जिला अध्यक्ष रत्न लाल जांगिड ने की समारोह का शुभारंभ रतन लाल जांगिड द्वारा भगवान श्री विश्वकर्मा जी की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्वलित करके किया गया और उसके उपरांत चौहान वाले बाल हनुमान मंदिर के महंत तुलसीदास महाराज की सानिध्य में जोहड़ वाले हनुमान जी मंदिर से लेकर कस्बे के मुख्य मार्ग होते हुए श्रद्धालुओं ने ध्वज हाथ में लेकर भक्ति गीतों की मधुर धुन के साथ भगवान विश्वकर्मा की आकर्षक और मनोहारी झांकी को भगवान विश्वकर्मा मंदिर परिसर तक लाई गई।

महासभा के नवनिर्वाचित प्रधान रामपाल शर्मा का, पहली बार नारायणपुर कस्बे में पहुंचने पर नारायण पुर जोधपुरा के जांगिड समाज के लोगों द्वारा फूलों की माला और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। महिलाओं द्वारा नारायणपुर चेयरमैन मंत्री देवी को भी शाल ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अलवर के पूर्व जिला अध्यक्ष मदन लाल जांगिड और विशिष्ट अतिथि विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष कैलाश चंद्र जांगिड, महासभा के पूर्व सलाहकार मनोहर लाल जांगिड, प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष गजानंद जांगिड, अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ धर्मवीर जांगिड, जांगिड समाज समिति जयपुर के अध्यक्ष गणेश जांगिड, नारायणपुर चेयरमैन मंत्री देवी उपस्थित रही। चेयरमैन मंत्री देवी ने मंदिर सहयोग के लिए भरपूर आश्वासन भी दिया।

भगवान विश्वकर्मा मंदिर निर्माण के लिए, भामाशाह रतन लाल जांगिड और मदन लाल जांगिड द्वारा भी मंदिर के निर्माण के लिए एक-एक लाख की सहयोग राशि दी गई। इस अवसर पर बंशीधर जागिड, देवेन्द्र जांगिड रामोतार जांगिड, बद्रीप्रसाद जांगिड, शांति लाल जांगिड, घनश्याम जांगिड, चौथमल जांगिड, गिर्राज जांगिड, कांतिलाल जांगिड, बुद्धाराम जागिड, रामकरण जांगिड, राजेंद्र प्रसाद, सुनील जांगिड, गोपाल जांगिड, राजेश जांगिड, तहसील अध्यक्ष लोकराम जांगिड, प्रदीप जांगिड, बसंती लाल जांगिड, महासभा के पूर्व उपप्रधान उजेन्दर जांगिड, सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रहीं।

मंच का संचालन बेहतरीन तरीके से महासभा के पूर्व सह कोषाध्यक्ष गजेन्द्र जांगिड ने किया।

अलवर जिला अध्यक्ष रतन लाल जांगिड

चुनाव अधिसूचना जिलाध्यक्ष पद
बारां, नागौर, राजसमन्द, उदयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, जिला सभा बारां, नागौर, राजसमन्द, उदयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ का कार्यकाल पूर्ण हो रहा है। अतः चुनाव करवाए जाने अपेक्षित है। इन जिलों के चुनाव के लिए प्रदेश सभा, राजस्थान के मुख्य चुनाव प्रभारी बसन्त कुमार जांगिड ने बारां, नागौर, राजसमन्द, उदयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ जिला अध्यक्ष पद के चुनाव की घोषणा करते हुए कहा कि इसके लिए चुनाव अधिसूचना जारी की जा चुकी है। जारी अधिसूचना के अन्तर्गत बारां, नागौर, राजसमन्द, उदयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ जिलों का चुनाव कार्यक्रम निम्नानुसार रहेगा :-

क्र.सं.	जिला	सदस्यता मान्य	नामांकन तिथि	नामांकन का स्थान	मतदान तिथि	चुनाव अधिकारी
1	बारां	06 मार्च 2025 (गुरूवार)	23 मार्च 2025 (रविवार)	अंगिरा छात्रावास एवं सामुदायिक भवन बारां	06 अप्रैल 2025 (रविवार)	श्री कमलकिशोर गोठडीवाल- 9414524982
2	नागौर	23 फरवरी 2025 (रविवार)	09 मार्च 2025 (रविवार)	श्री विश्वकर्मा भवन इन्द्रा कॉलोनी, नागौर	23 मार्च 2025 (रविवार)	श्री कमलकिशोर गोठडीवाल- 9414524982
3	राजसमन्द	06 मार्च 2025 (गुरूवार)	23 मार्च 2025 (रविवार)	विश्वकर्मा भवन हवेली चौक, नाथद्वारा राजसमन्द	06 अप्रैल 2025 (रविवार)	श्री महेशचन्द जोपालिया- 9462006515
4	उदयपुर	06 मार्च 2025 (गुरूवार)	23 मार्च 2025 (रविवार)	विश्वकर्मा विकास संस्थान, भुवाणा उदयपुर	06 अप्रैल 2025 (रविवार)	श्री जगदीश चन्द्र कंवलेचा- 9982925854
5	भीलवाड़ा	23 फरवरी 2025 (रविवार)	09 मार्च 2025 (रविवार)	जांगिड कन्या छात्रावास भीलवाड़ा	23 मार्च 2025 (रविवार)	श्री ब्रह्मदेव शर्मा- 9783694225
6	चित्तौड़ गढ़	23 फरवरी 2025 (रविवार)	09 मार्च 2025 (रविवार)	श्री विश्वकर्मा छात्रावास, सेंती, चित्तौड़गढ़	23 मार्च 2025 (रविवार)	श्री ओम प्रकाश- 9829125351

नामांकन आवेदन	नामांकन तिथि को प्रातः 10 से मध्यान्ह 1 बजे तक
नामांकन पत्रों की जांच	नामांकन तिथि को मध्यान्ह 1 से 1:30 बजे तक
नाम वापसी	नामांकन तिथि को मध्यान्ह 1:30 से 3:30 बजे तक
सर्वसम्मति व एक नामांकन प्राप्त होने पर जिलाध्यक्ष पद की घोषणा एवं शपथ समयानुसार की जावेगी	
अंतिम प्रत्याशियों के नामों को घोषणा	नामांकन तिथि को सायं 3:45 बजे
चुनाव चिह्न आवंटन	नामांकन तिथि को सायं 4 बजे
मतगणना	मतदान समाप्ति के पश्चात

सदस्यता अभियान की अंतिम तिथि तक बने प्लेटिनम, गोल्ड, रजत, विशेष सम्पोषक, संरक्षक(पत्रिका सहित व पत्रिका रहित) एवं महिला संरक्षक सदस्य ही मतदान हेतु पात्र होगें जिसकी सूची महासभा कार्यालय से प्राप्त होगी। मतदाता सूची में संशोधन मतदान तिथि से 10 दिन पूर्व लिखित आपत्ति प्राप्त होने पर किया जा सकेगा। संशोधित सूची के अनुसार ही मतदान प्रक्रिया सम्पन्न होगी।

बसंत कुमार जांगिड, मुख्य चुनाव प्रभारी, मो-9680010591

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला, (इन्दौर)

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स, दिल्ली

श्री अशोक कुमार बरनेला, इन्दौर

श्री पी.एल.शास्त्री, गुड़गांव

श्री देबूराम जांगिड, दिल्ली

श्री रामनिवास शर्मा, दिल्ली

श्री राजेन्द्र शर्मा, इन्दौर

श्री निर्मल कुमार जांगिड, इन्दौर

श्री लीलू राम शर्मा, दिल्ली

श्री रमेशचन्द शर्मा 'सरपंच', दिल्ली

श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, दिल्ली

श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, दिल्ली

श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली

श्री श्रीगोपाल चोयल, अजमेर

श्री कृष्ण कुमार शर्मा, मुम्बई

श्री विद्यासागर जांगिड, गुड़गांव

श्री सुशील कुमार शर्मा, कोलकता

श्री सांवरमल जांगिड, सीकर

श्री रघुवीर सिंह आर्य, शामली

श्री वेदप्रकाश शर्मा, अहमदाबाद

श्री प्रभुदयाल शर्मा, देवास

श्री प्रहलादराय शर्मा, इन्दौर

श्री पूनाराम जांगिड, जोधपुर

श्री ललित जड़वाल, अजमेर

श्री मीता राम जांगिड, मुम्बई

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री यश अजय शर्मा, मुम्बई

श्री रविन्द्र शर्मा, बीकानेर

श्री जवाहरलाल जांगिड, उज्जैन

श्री नरेश जांगिड, गुड़गांव

श्री भुवन जांगिड, गुड़गांव

श्री कृष्ण कुमार जांगिड, गुड़गांव

श्री किशन लाल शर्मा, नागपुर

श्री किशोर जी मोखा, नागपुर

श्री बाबू लाल शर्मा, अहमदाबाद

श्री नारायण दत्त, साड़ीवाले, दिल्ली

श्री ओमप्रकाश जांगिड, दिल्ली

श्री धनपत शर्मा, फरीदाबाद

श्री सुरेन्द्र शर्मा, अहमदाबाद

श्री सत्यनारायण शर्मा, दिल्ली

श्री सोमदत्त शर्मा, दिल्ली

श्री बी.सी. शर्मा, जयपुर

श्री सुरेश शर्मा, नीमच

श्री नितिन शर्मा, इन्दौर

श्री प्रमोद कुमार जांगिड, सूरत

श्री हुकुमचन्द जांगिड, इन्दौर

श्री सत्यनारायण जांगिड, इन्दौर

श्री गजानन जांगिड, जालना

श्री अशोक कुमार मोखा, नागपुर

श्री घनश्याम जांगिड, बैंगलुरू

श्री देवमणि जांगिड, दिल्ली

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री फूलकुमार शर्मा, द्वारका-दिल्ली

श्री अमराराम जांगिड, जोधपुर

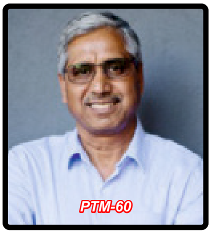

श्री रमेश शर्मा, बैंगलुरू

श्री रविशंकर शर्मा, जयपुर

श्री यादराम जांगिड, दिल्ली

श्री बाबू लाल, बैंगलुरू

श्री अशोक दत्तु राम, अहमदाबाद

श्री दयानन्द शर्मा, दिल्ली

श्री यशवंत नेपालिया, अजमेर

श्री राधेश्याम शर्मा, वापी

श्री रामपाल शर्मा, बैंगलुरू

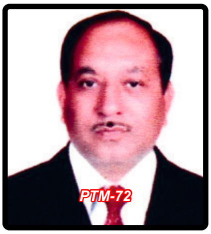

श्री गोपाल शर्मा, कोरबा

श्री भंवर लाल कुलरिया, मुम्बई

श्री अमित कुमार शर्मा, जयपुर

श्री नरेश चन्द्र शर्मा, बैंगलुरू

श्री भीमराज शर्मा, जयपुर

श्री रवि जांगिड, बैंगलुरू

श्री भंवरलाल सुथार, गोवा

श्री रामनिवास शर्मा, भिलाई

श्री शुभम शर्मा, कोरबा

श्री नानूराम जांगिड, धुलिया

श्री प्रहलाद शर्मा, जयपुर

श्री रीछपाल शर्मा, बिलासपुर, छ.ग.

श्री धर्मचन्द शर्मा, बस्तर

श्री राधेश्याम जांगिड, रेनवाल

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री कन्हैया लाल खाती, अजमेर

श्री कन्हैया लाल सिलक, अजमेर

श्री अनिल शर्मा, इन्दौर

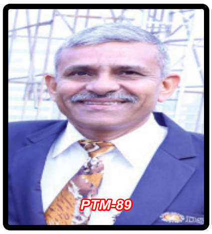

श्री धन सिंह जांगिड, फरीदाबाद

श्री लालचन्द जांगिड, नारनौल

श्री रोहिताश जांगिड, औरंगाबाद

श्री सांवरमल जांगिड, बांसवाडा

श्री महावीरप्रसाद जांगिड,अहमदाबाद

श्री शंकरलाल जांगिड, जयपुर

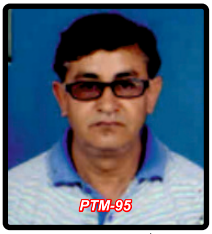

श्री संजय शर्मा, चित्तौड़गढ़

श्री जगतराम भद्रेचा, बंगलौर

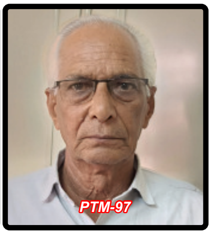

श्री पुरूषोत्तम लाल जांगिड, जयपुर

श्री अनिल शर्मा, चंडीगढ़

श्री लक्ष्मीनारायण जांगिड, गुरूग्राम

श्री नेमीचन्द जांगिड, सूरत

श्री चिरंजीलाल जांगिड, इन्दौर

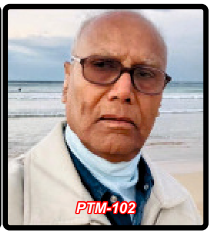

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, सूरत

श्री सत्यपाल वर्त्स, बहादुरगढ़

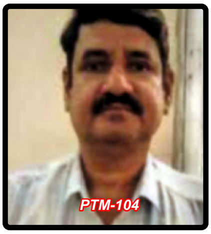

श्री सोमदत्त शर्मा, लखनऊ

श्री ओम प्रकाश जांगिड, दिल्ली

श्री अनिल शर्मा, तेलंगाना

श्री मुकेश जांगिड, तेलंगाना

श्री भंवरलाल जांगिड, सूरत

श्री जगदीश खण्डेलवाल, दिल्ली

श्री भंवरलाल शर्मा, पाली,राज0

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री प्रहलाद चन्द शर्मा, बैंगलुरू

श्री नानूराम जांगिड, हिंगोली,

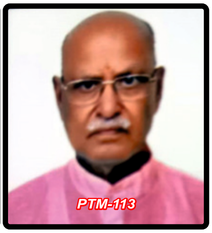

श्री रामानन्द शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, दिल्ली

श्री कैलाश जांगिड, सूरत

श्री मदन लाल शर्मा, वडोदरा

श्री गजानन्द जांगिड, सूरत

श्री हरिराम शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

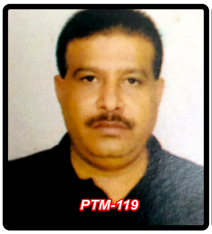

श्री सतवीर शर्मा, गुरूग्राम

श्री किशोरी लाल शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

श्री सुनील सिद्धड, चिड़ावा, झुंझुनू

श्री सुरेश कुमार जांगिड, नजफगढ़

श्री मोहन पंवार, सागरपुर दिल्ली

श्री रामावतार जांगिड, सरदारशहर, चूरू

श्री राजील कुमार जांगिड, सूरत

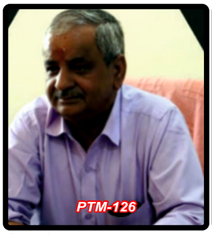

श्री सादीराम जांगिड, हनुमानगढ़,रा0

श्री मामराज मिस्त्री, सूरत

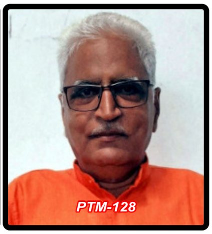

श्री सागरमल जांगिड, वडोदरा

श्री सुनील कुमार जांगिड, महाराष्ट्र

श्री महेश कुमार शर्मा, दिल्ली

श्री किशन लाल जांगिड, जयपुर

श्री एकलिंग प्रसाद सुथार, सूरत

श्री राजेश जांगिड, हैदराबाद

श्री सियाराम जांगिड, हैदराबाद

श्री रामवतार शर्मा,तिरूवल्लुर,तमिलनाडू

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री सतीश कुमार जांगिड,(किशनगढ़ बास)वलसाड

श्री शंकरलाल माकड़, हैदराबाद

श्री महेश चन्द शर्मा, साध नगर, दिल्ली

श्री राकेश जांगिड, सूरत

श्री देवकरण जांगिड, हैदराबाद

श्री सुभाष शर्मा, भरूच

श्री महेश शर्मा, बैंगलुरू

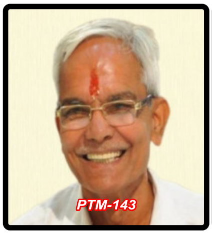

श्री चंद्र प्रकाश शर्मा, गांधीधाम,कच्छ

श्री सतवीर जांगिड, बैंगलुरू

श्री महेन्द्र सिंह जांगिड, धारूहेड़ा रेवाड़ी

श्री पूरनमल जांगिड, सूरत

श्री नरेश शर्मा, भरूच

श्री बंशीधर जांगिड, भरूच

श्री मुकेश कुमार जांगिड, हिम्मतनगर

श्री गोपाल जांगिड, गांधी नगर

श्री राजेन्द्र कुमार डभाण, खेड़ा

श्री ओम प्रकाश शर्मा, अहमदाबाद

श्री अरूण कुमार डभाण, खेड़ा

श्री कैलाश चंद्र शर्मा, डभाण, खेड़ा

श्री मदन लाल सुथार, भरूच

श्री महेन्द्र जांगिड, भरूच

श्री कन्हैया लाल, (ओजटू वाले) बैंगलुरू

समस्त प्रबुद्ध समाज बन्धुओं से विनम्र अनुरोध है कि महासभा को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिए अधिक से अधिक प्लेटिनम, स्वर्ण, रजत सदस्य बने।

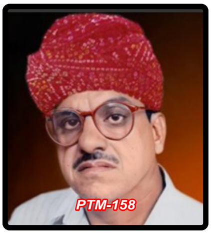

श्री शंकरलाल जांगिड, झुंझुनूं

श्रीमती उषा बरड़वा धर्मपत्नी श्री आनन्द बरड़वा, कोटा राज

महासभा दिल्ली के इक्यावन हजार रूपये के स्वर्ण सदस्य

श्री मदनलाल जांगिड
जोधपुर

श्री मुरारी लाल शर्मा
अहमदाबाद

श्री राजतिलक जांगिड
गुड़गांव

श्री मनोज कु.जांगिड
अहमदाबाद

श्री सुरेश कु.जांगिड
इन्दौर

श्री घनश्याम कडवानिया
इन्दौर

श्री बंशीलाल शर्मा
इन्दौर

श्री सीताराम जांगिड
नागपुर

श्री बंशीलाल शर्मा
जयपुर

श्रीमती शारदा शर्मा
दिल्ली

श्री सांवरमल जांगिड
गोवा

श्री रमेशचन्द्र शर्मा
इन्दौर

श्रीमती सुमित्रा देवी जांगिड
अहमदाबाद

श्री मोतीराम जांगिड
रींगस-सीकर

समस्त प्रबुद्ध समाज बन्धुओं से विनम्र अनुरोध है कि महासभा को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिए अधिक से अधिक प्लेटिनम, स्वर्ण, रजत सदस्य बने।

श्री प्रेमाराम जांगिड
अहमदाबाद,

श्री महेन्द्र जांगिड (पंवार)
इन्दौर

महासभा दिल्ली के पच्चीस हजार रूपये के रजत सदस्य

पं. भीम सिंह , दिल्ली

पं. किशनराम शर्मा, नागपुर

पं. राजेश शर्मा, अहमदाबाद

पं. विजय शर्मा, जोधपुर

पं. भंवरलाल जांगिड, नागपुर

पं. ईश्वर दत्त जांगडा, दिल्ली

पं. रघुनाथ जांगिड, नागपुर

पं. सत्यनारायण जांगिड, नागपुर

पं. बृजमोहन जांगिड, नागपुर

श्रीमती शान्ति शर्मा, कोटा

पं. चौथमल जांगिड, रींगस

पं. महेश जे. मोखा, नागपुर

श्री रामदयाल जांगिड, दुर्ग

श्रीमती लीलावती शर्मा, नीमच

श्री निकुंज शर्मा, लखनऊ

जीवन में सफलता के लिए
सत्य को सुनना, समझना, और
सत्य बोलना भी जरूरी है

श्रीमती निति रसीवाल, लखनऊ

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला (इन्दौर) पूर्व प्रधान महासभा 1,31,00,000/–

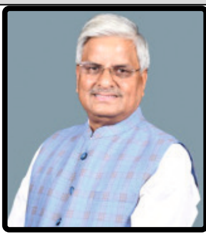
श्री रामपाल शर्मा (बेंगलुरू) प्रधान महासभा 1,25,00,000/–

श्री भंवर लाल कुलरिया मुम्बई, 31,00,000/–

श्री मीता राम जांगिड मै.सुमित वुड वर्क्स लि. (मुम्बई) 21,00,000/–

श्री पी.एल. शास्त्री, (गुरूग्राम) 13,51,551

श्री कांति प्रसाद जांगिड (टाईगर) (दिल्ली) 11,51,151/–

श्री लादूराम सिद्धड, (संगम विहार, दिल्ली) 11,51,000/–

प्रमुख स्तंभ समाजसेवी श्री रमेशचन्द शर्मा सरपंच एवं श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, दिल्ली 11,50,500/–

श्री भंवरलाल गुगरिया (बेंगलुरू) 11,01,000/–

श्री गिरधारी लाल जांगिड (बेंगलुरू) 11,01,000/–

श्री रविशंकर शर्मा, (जयपुर), पूर्व प्रधान महासभा 11,00,000 /–

श्री सीताराम शर्मा (बैंगलोर) 11,00,000/–

श्री एकलिंग प्रसाद जांगिड सूरत, महासभा भवन हेतु ग्रेनाइट सहित 11,00,000/–

श्री ओम प्रकाश जांगिड, दिल्ली (सीकर, राजस्थान वाले), 11,00,000 /–

श्री लक्ष्मण जांगिड (मुम्बई) 11,00,000 /–

श्री कैलाश चन्द जांगिड आया नगर, दिल्ली 11,00,000

श्री मदन लाल जांगिड (कानपुरा वाले)द्वारका दिल्ली 11,00,000

श्री लीलूराम शर्मा चेयरमैन,जा.ब्रा.शिरोमणी सभा,दिल्ली 7,50,000/–

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स(पूर्व कोषाध्यक्ष महासभा) एवं श्री दिनेश कुमार वत्स, दिल्ली 5,55,551/-

श्री अनिल कुमार जांगिड, आया नगर, दिल्ली 5,51,000/–

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री अमरा राम जांगिड
जोधपुर, अंतरराष्ट्रीय
प्रकोष्ठ, 5,51,000/–

श्री मधुसूदन आमेरिया,
(जयपुर)
5,11,000/–

श्री सुरेन्द्र शर्मा
(अहमदाबाद)
5,00,111/–

श्री प्रभुदयाल शर्मा
(वाराणसी)
5,00,000/–

श्री रमेश शर्मा
बेंगलुरू
5,00,000/–

श्री नेमीचन्द जांगिड
सूरत
5,00,000/–

श्री प्रमोद जांगिड, श्री रकेश जांगिड,
दिनेश जांगिड एवं रेखा जांगिड,
सम्मिलित रूप से सूरत गुजरात
5,00,000/-

जांगिड वेलफेयर सोसायटी
यमुना विहार दिल्ली
5,00,000/–

श्री सुरेश शर्मा
सावेर रोड, इन्दौर
5,00,000

श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(मंडावाले)इन्दौर
5,00,000/–

श्री नानूराम जांगिड
(हिंगोली)
5,00,000/–

श्री श्रीगोपाल चोयल जी एवं श्री आर.एस.चोयल जी
श्री महादेव चोयल (जांगिड) चेरिटेबल ट्रस्ट, अजमेर
5,00000/-

राजस्थान प्रदेशसभा
5,00,000/–

श्री सुनील कुमार शर्मा
(चित्तौडगढ)
5,00,000/–

श्री नवीन जांगिड
(जयपुर)
5,00,000/–

श्री एम.डी.शर्मा
जोधपुर
5,00,000/–

श्री पूनाराम जांगिड(बरनेला)
(जोधपुर)
5,00,000/–

श्री गिरधारी लाल जांगिड
(मीरा रोड, भायन्दर)
5,00,000/–

श्री फूल कुमार शर्मा
(पूजा भट्टा वाले),सोनीपत,हरि.
5,00,000

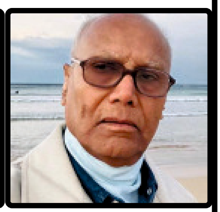

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
सूरत
4,25,000/–

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री महेन्द्र कुमार जांगिड, धारूहेड़ा, रेवाड़ी 3,51,000/-

श्री नरेश चन्द्र शर्मा बेंगलुरू 3,02,000

डॉ. शेरसिंह जांगिड गुड़गांव,(पूर्व.प्र.अ.हरि.) 2,62,111/-

श्री सोमदत्त शर्मा नांगलोई पूर्व कोषाध्यक्ष महासभा, दिल्ली 2,52,151/-

श्री सीताराम शर्मा (पूर्व जिला प्रमुख, करौली) दिल्ली 2,51,151/-

श्री अभय शर्मा रामगंज, अजमेर 2,51,051/-

श्री रवि जांगिड (बेंगलुरू) 2,51,000/-

श्रीमती सावित्री शर्मा धर्मपत्नी श्री बाबूलाल (बेंगलुरू) 2,51,000/-

श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली (प्रधान शिरोमणी सभा) 2,51,000/-

श्री अशोक जांगडा (नजफगढ़, दिल्ली) 2,51,000/-

श्री किशनलाल शर्मा (रोहिणी, दिल्ली) 2,51,000/-

श्री नीरज शर्मा हरि नगर, दिल्ली 2,51,000/-

श्री इंदरचंद चांदराम जांगिड, मुम्बई 2,51,000/-

श्री महेन्द्र शर्मा (मुम्बई), 2,51,000/-

श्री मनीलाल जांगिड (मुम्बई), 2,51,000/-

श्री सुभाषचंद्र जांगिड (भाईदर,वेस्ट,मुम्बई) 2,51,000/-

श्री रामअवतार जांगिड (जयपुर), 2,51,000/-

श्री सुभाष (बोरवेल वाले) (जयपुर) 2,51,000/-

श्री सतीश शर्मा (नदबई), 2,51,000/-

श्री बनवारी लाल खंडेलसर (सीकर), 2,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री रामकरण शर्मा
(फरीदाबाद)
2,51,000/-

श्री टेकचन्द शर्मा,
फरीदाबाद (हरि.)
2,51,000/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा देवास,
(मध्य प्रदेश)
2,50,000/-

श्री प्रहलादराय जांगिड
(नांदेड)
2,50,000/-

श्री जगदीश प्रसाद जांगिड
बदरपुर दिल्ली
2,50,000/-

श्री लक्ष्मी नारायण जांगिड
गुडगांव
2,22,222/-

श्री प्रभुदयाल बरनेला
इन्दौर, मध्य प्रदेश
2,21,101/-

श्री बाबूलाल शर्मा
(अहमदाबाद)
2,01,000/-

श्री संजय शर्मा हर्षवाल
(जयपुर)
2,00,000/-

जिलासभा
बाड़मेर
2,00,000/-

श्री जगन्नाथ जांगिड,
बावल-रेवाडी
1,72,000/-

श्री खुशीराम जांगिड
धारूहेडा-रेवाड़ी
1,72,000/-

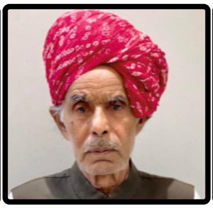
श्री चांदमल बालुराम जांगिड
सूरत, राजलोता
1,61,000/-

श्री चौथमल जांगिड
सौरभ विहार, दिल्ली
प्रधान कार्यालय फर्नीचर, 1,61,000/-

श्री योगिन्द्र शर्मा
दिल्ली
1,53,000/-

श्री शिव चन्द्र,
अटेली मण्डी, नारनौल,
महेन्द्रगढ 1,51,555/-

श्री सत्यपाल वत्स,
(बहादुरगढ़)
1,51,251/-

श्री बाबू लाल शर्मा
(इन्दौर, मध्य प्रदेश)
1,51,151/-

श्री देवी सिंह ठेकेदार
करावल नगर
1,51,111/-

श्री वेद प्रकाश आर्य
सवाई माधोपुर
1,51,001/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री विजय शर्मा
शामली
1,51,000/-

श्री वीरेन्द्र शर्मा
(शामली)
1,51,000/-

श्री किरताराम छड़िया
बेंगलूरू
1,51,000/-

श्री मोहन लाल जांगिड
(गुजरात)
1,51,000/-

श्री चंद्राप्रकाश एवं गुरूदत्त शर्मा
(गांधीधाम) 1,51,000/-

श्री द्वारका प्रसाद शर्मा
(वापी, गुजरात)
1,51,000/-

श्री दुलीचन्द जांगिड
सवाई माधोपुर
1,51,000/-

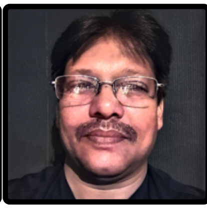
श्री देवेन्द्र गौतम,
उत्तम नगर (दिल्ली)
1,51,000/-

श्रीमती दयावंती धर्मपत्नी
श्री रामकिशन शर्मा,(डीसीपी)
द्वारका,दिल्ली 1,51,000/-

श्री विजय प्रकाश शर्मा
(द्वारका, दिल्ली)
1,51,000/-

श्री राम पाल शर्मा
यमुना विहार, दिल्ली
1,51,000/-

श्री श्रीकृष्ण जांगडा
रानी खेड़ा, दिल्ली
1,51,000/-

श्री हरिराम जांगिड
ठाणे, मुम्बई
1,51,000/-

श्री नानूराम जांगिड
धुलिया
1,51,000/-

श्री जीवनराम जांगिड
(नागपुर)
1,51,000/-

श्री मोहनलाल दायमा
नासिक,
1,51,000/-

श्री बी.सी.शर्मा
जयपुर
1,51,000/-

श्रीमती ब्रह्मो देवी धर्मपत्नी
श्री नत्थूराम शर्मा,
बहादुरगढ़, 1,51,000/-

डॉ. मोतीलाल शर्मा
(वैशाली, जयपुर)
1,51,000/-

श्री ओमप्रकाश शर्मा
(जी.ओ.जी.मार्बल जयपुर)
1,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री सत्यनारायण शर्मा
फूतली वाले, सागरपुर,दिल्ली
1,51,000/-

श्री हरीश एवं
नरेश दम्मीवाल
(जोधपुर) 1,51,000/-

श्री जवाहरलाल जांगिड,
उज्जैन (मध्य प्रदेश)
1,51,000/-

श्री अनिल एस.जांगिड
(पूर्व महामंत्री महासभा)गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री जयसिंह जांगडा
गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा
पैरामाउंट इंजीनियर्स,गुरूग्राम
1,51,000/-

श्रीमती उर्मिला जांगिड
पत्नी श्री लक्ष्मीनारायण
जांगिड, गुरूग्राम
1,51,000

श्रीमती सुषमा, धर्मपत्नी
श्री किशोर कुमार जांगिड
बहादुरगढ 1,51,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड
हिसार
1,51,000/-

श्रीमती शारदा देवी
W/o श्री महेन्द्र सिंह जांगिड,
धारूहेड़ा (हरि.)
1,51,000/-

श्री राधेयाम पालडिया
बोपल, अहमदाबाद, गुजरात
1,51,000/-

श्री प्रबोध कुमार जांगिड
उत्तम नगर, दिल्ली
1,51,000/-

स्व.श्री नेमीचन्द शर्मा
गांधीधाम, 1,51,000/-
पूर्व प्रधान महासभा

श्री तेजस लुंजा
बेंगलूरू
1,50,000/-

जिलासभा
पुणे
1,50,000/-

श्री उम्मेद सिंह डेरोलिया
(बहादुरगढ़)
1,21,251/-

श्री राजू जांगडा सुपुत्र
श्री ईश्वर सिंह ठेकेदार(नजफगढ़,
दिल्ली)-1,21,000/-

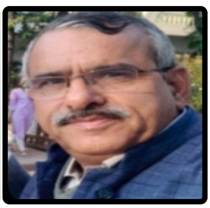
श्री रोहिताश जांगिड
(औरंगाबाद, महा0)
1,21,000/-

इंजि. जय इन्द्र शर्मा
(कुरथल)विज्ञान लोक,दिल्ली
1,11,121/-

श्री जटाशंकर शर्मा
(दमण, वापी)
1,11,111/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री संजीव कुमार
(रोहतक)
1,11,111/-

श्री वीरेन्द्र आर्य
(रोहतक)
1,11,111/-

श्री विश्वकर्मा जांगिड
समाज सेवा समिति
सोजत, पाली
1,11,111/-

श्री फूलकुमार जांगडा,
(सोनीपत)
1,11,111/-

श्री रमेश कुमार
(सोनीपत, हरि.)
1,11,111/-

श्री प्रहलाद सहाय शर्मा,
बुलढाणा (महा.)
1,11,100/-

श्री रघुवीर सिंह आर्य
शामली, (उत्तर प्रदेश)
1,11,000/-

शाखासभा
उत्तम नगर
1,11,000/-

श्री बनवारी लाल जांगिड,
(त्रिनगर, दिल्ली)
1,11,000/-

श्री प्रवीण जांगिड
(द्वारका, दिल्ली)
1,11,000/-

श्रीमती शकुन्तला देवी धर्मपत्नी
स्व. श्री कृष्ण कु बिजेनिया
(द्वारका मोड, दिल्ली)
1,11,000/-

शाखासभा
नजफगढ़
1,11,000/-

श्री श्रीचन्द शर्मा
मुल्तान नगर (दिल्ली)
1,11,000/-

जांगिड ब्राह्मण
कल्याणकारी समिति
श्याम विहार, दिल्ली
1,11,000/-

श्री सुरेंद्र जांगिड
(दिल्ली)
1,11,000/-

श्री अमर सिंह जांगिड
(मुम्बई)
1,11,000/-

श्री नाथूलाल जांगिड एवं
श्री हरीशंकर जांगिड,
(जयपुर) 1,11,000/-

श्री महासिंह जांगडा
नांगलोई, दिल्ली
1,11,000

श्री ओम नारायण शर्मा,
साहिबाबाद
1,02,251

श्री ईश्वर दत्त जांगिड
(रोहतक)
1,02,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री राहुल जांगिड
पूठ खुर्द
1,02,000/-

श्री राजेन्द्र शर्मा
समालखा (पानीपत)
1,01,111/-

श्री सुनील कुमार जांगिड
मयुर विहार, दिल्ली
1,01,101/-

श्री अतरसिंह काला
(नांगलोई, दिल्ली)
1,01,101/-

श्री बृजमोहन जांगिड
(नागपुर)
1,01,101/-

श्री गिरधारी लाल
जांगिड (नागपुर)
1,01,101/-

श्री चंपा लाल शर्मा
(बुलढाणा)
1,01,100/-

श्री प्रमोद कुमार जांगिड
(बड़ौत, उ.प्र.)
1,01,000/-

श्री रमेश चन्द शर्मा
(प्रदेशाध्यक्ष-उत्तराखण्ड)
1,01,000/-

सीए अनिल कुमार शर्मा
आई.पी.एक्सटेंशन, दिल्ली)
1,01,000/-

श्री राजबीर सिंह आर्य
कोंडली-पूर्वी दिल्ली
1,01,000/-

श्री चन्द्रपाल भारद्वाज
ज्योति कॉलोनी-पूर्व महामंत्री
1,01,000/-

श्री दीपक कुमार शर्मा
ज्योति कालोनी
दिल्ली 1,01,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा
(नांगलोई, दिल्ली)
1,01,000/-

श्री रमेश शर्मा
(मै.कमल प्रिंटर्स)
दिल्ली 1,01,000/-

श्री आर.पी.सिंह जांगिड
श्याम विहार, दिल्ली
1,01,000/-

श्री गंगादीन जांगिड
(दिल्ली)
1,01000/-

श्री सत्य नारायण जांगिड,
मन्दसौर (म.प्र.)
1,01,000/-

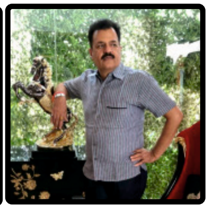

श्री अशोक कमार शर्मा
(औरंगाबाद)
1,01,000/-

श्री बंशीधर जांगिड
गोरेगांव, (मुम्बई)
1,01,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री इन्दरराम तेजाराम जांगिड (मुम्बई) 1,01,000/-

श्री गणेशमल सुथार राजलदेसर चुरू, 1,01,000/-

श्री रविन्द्र कुमार जांगिड (जयपुर,) 1,01,000/-

श्री किशन लाल जांगिड जयपुर, 1,01,000/-

श्री पुरूषोत्तम लाल शर्मा (जयपुर,) 1,01,000/-

श्री हरिपाल शर्मा फालना, 1,01,000/-

श्रीमती स्नेहलता जांगिड धर्मपत्नी श्री प्रदीप कुमार सोनीपत 1,01,000/-

श्री जगदीश चन्दर जांगिड (सोनीपत) 1,01,000/-

श्रीमती सुशीला शर्मा W/o श्री लख्मीचन्द शर्मा कुण्डली, सोनीपत,1,01,000/-

श्री विश्वकर्मा महिला संकीर्तन मंडल, रामगंज, अजमेर 1,00,121/-

श्रीमती सुमित्रा देवी ओमप्रकाश शर्मा, पूर्व प्रधान म. 1,00,111/-

श्री मंगलसैन शर्मा (बड़ौत, उत्तर प्रदेश 1,00,000/-

श्री बजरंग शर्मा, दुर्ग (छत्तीसगढ़) 1,00,000/-

श्री प्यारे लाल शर्मा (छत्तीसगढ़) 1,00,000/-

श्री पुखराज जांगिड (सिकन्दराबाद) 1,00,000/-

श्री नेमीचन्द जांगिड (सिकन्दराबाद) 1,00,000/-

डॉ. ओ.पी. शर्मा (दिल्ली) 1,00,000/-

जांगिड यूथ संगम विहार, दिल्ली 1,00,000/-

श्री सोमदत्त जांगिड (नांगलोई, दिल्ली) 1,00,000/-

श्री ब्रह्मानन्द शर्मा सागरपुर दिल्ली, 1,00,001/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री रमेश चंद शर्मा (इंदौर) 1,00,000/-

श्री सूरजमल मिस्त्री (मुम्बई, महा०) 1,00,000/-

श्री सूरजमल जांगिड (हिंगोली) 1,00,000/-

श्री ललित जड़वाल (अजमेर) 1,00,000/-

श्री पूरनचन्द एवं ओम प्रकाश शर्मा, नीमराना, 1,00,000/-

श्री गंगा राम जांगिड (जयपुर) 1,00,000/-

श्री राजतिलक जांगिड (गुड़गांव) 1,00,000/-

श्री विद्यासागर जांगिड (गुड़गांव) 1,00,000/-

श्री विजय शर्मा (ताबडू) 1,00,000/-

श्री प्रेम कुमार जांगिड करड वाले, GST (सीकर)1,00,000/-

जिलासभा रायपुर 1,00,000/-

वधु चाहिए

1. Wanted a suitable match for a Jangid Brahmin boy, D.O.B. 05.11.1992, Height 5'9", Birth place- Meerut (UP), Education -B.Tech, MBA,Job-Private, **Gotra** : Kaloniya, Ransiwal, Vashisth, Present Address- Lucknow, (UP), Contact- 6394740576, 9454969269

वर चाहिए

1. Wanted a suitable match for healthy & pleasant personality J.B. girl, D.O.B.- 30/06/1996, Ht.- 5'2", residence in Pragati Nagar, Kotra, Ajmer, Rajasthan, Education- B.Pharma (Hons.) from BITS, Pilani, Rajasthan. worked as a Sr. Content Development Associate in BYJU's Banglore for 4 Years, Currently working as "Content Specialist" in a Pvt Organization in Banglore, **Shasan** Self-Kalonia, **M-** Dayalwal, **GM-** Khandelwal. **Contact-** Dr. Tej Prakash Sharma, 9461413101, 9461413103

2. गृह कार्य में दक्ष, गौर वर्ण, सुंदर, सुशील, एमबीए (एचआर) पास (फिलहाल कहीं कार्यरत नही), कद 5'7", उम्र 31 वर्ष, जन्म तिथि 03 अगस्त 1993, जन्म समय अपराह्न 02.41 बजे, कुमारी गार्गी शर्मा पुत्री स्वर्गीय विजय पाल एवं श्रीमती रमा शर्मा, जन्म स्थान व निवासी थाना भवन, जिला शामली, उत्तर प्रदेश के लिए सुयोग्य वर चाहिए। इच्छुक माता-पिता नीचे दिए गए मोबाइल फोन पर संपर्क करें। ताऊजी-9670000100,चाचाजी-6239689271 माताजी-9045623749

जांगिड समाज के कर्मठ समाजसेवी

सादर श्रद्धांजलि सुमन

अत्यंत दुख के साथ लिखना पड़ रहा है कि पूर्व महासभा सम्पादक प्रभु दयाल जी 31 जनवरी 2025 को इस संसार को छोड़ स्वर्गवासी हो गए हैं।
स्व. प्रभु दयाल जी एक लोकप्रिय समाज सेवी हँसमुख स्वभावी व धार्मिक प्रवृत्ति के सच्चे इंसान थे। इन्होंने महासभा में 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका के सम्पादक के रूप में कई वर्ष तक अपनी अवैतनिक सेवाएं प्रदान की। पहले सह सम्पादक के रूप में कार्य प्रारम्भ किया था। उनकी उत्कृष्ट सेवा व मेहनत को देखकर तत्कालीन प्रधान जी ने उनको सम्पादक पद की जिम्मेदारी सौंपी। इस पद की मान मर्यादा का ध्यान रखते हुए लग्न व समर्पित भाव से कार्य किया व पत्रिका के स्तर को चार चाँद लगाए। इस महत्वपूर्ण कार्य को उन्होंने मेहनत व समर्पित भाव से पूरा निभाया।

उनकी समाज सेवा के प्रति लग्न प्रंशसनीय रही.. वे अपने शहर जयपुर से आकर महासभा कार्यालय में ही रहकर अपना सम्पादन कार्य सुचारु रूप से करते रहे। ऐसे त्यागी, परमार्थी व सच्चे समाज सेवी सदैव याद रहेंगे। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़कर गए हैं।

भगवान उनकी दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर अपने चरणों में स्थान दें तथा परिजनों को इस दुख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

।।ॐ शान्ति, ॐ शान्ति, ॐ शान्ति।।

रामपाल शर्मा
प्रधान महासभा

रामभगत शर्मा
सम्पादक

BHARAT WHEEL

Manufacturer of Rims for Tractor,
Motor Vehicle, Earthmoving Machine.

Our valued customers

VECTRA MANITOU GROUP JCB ESCORTS

Bharat Wheel Private Limited
Muzaffarnagar Road, Shamli - 247776, UP, India
Email : info@bharatwheel.com
www.bharatwheel.com

SHARMA
Group of companies

HYUNDAI
25
YEARS OF DRIVEN EXCELLENCE
SHARMA HYUNDAI
SINCE 1998

LATE SHREE
KANHAIYALAL
SHARMA
(CHOYAL)

HYUNDAI

AUTHORISED HYUNDAI DEALER
SHARMA
HYUNDAI
Since 1998

Ashram Road Call : 9099978327	Satellite Call : 9099978334
Parimal Garden Call : 9099978328	Naroda Call : 9099938777

TOYOTA

Authorised Toyota Dealer : **NARMADA TOYOTA**
VADODARA : 9099916601 I ANAND : 9099916631/32

MORRIS GARAGES
Since 1924

Authorised MG Dealer :
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31

Registered With The Registrar of News Papers For INDIA, Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2024-26
Posted Under Licence No. U(DN)39/2024-26 of Post without prepayment of postage

Mahindra Rise.

महिन्द्रा का अधिकृत शोरूम एवं वर्कशॉप

भागीरथ मोटर्स (इं) प्रा.लि.

पर्सनल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154144, 9109154152
कमर्शियल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154153

शोरूम : सर्वे नं. 379/2,ग्राम-डाबला, रेवाड़ी, आगरा रोड, आर.डी. गार्डी कॉलेज के पास, उज्जैन (म.प्र.)

Bhagirth & Brothers

Bus & Truck Body Manufacture Since 1960

Organization :

Audi Automobiles, Pithampur
Bhagirath Coach & Metal Fabricators Pvt. Ltd., Pithampur
B & B Body Builders, A.B. Road, Indore
Rohan Coach Builders, 29Nehru park, Indore

Adm. Office
29, Nehru Park Road, Indore-1(M.P.)
Phone : 0731-2431921, Fax" 0731-2538841

Works:
Plot No. 199-b, Sector-1
Pithampur Dist. Dhar (M.P.) 454775
Phone : 07292-426150 to 70

Website : www.bhagirathbrothers.com

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 February 2025
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110006

Printed, Published by Sh. J.P. Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) Akhil Bhartiya Jangid Brahmin Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed at M/s. Kamal Printers, Anand Parbat, N.D.-05, Ph.:9810622239, Published at Delhi, Editor Sh. Ram Bhagat Sharma, 1741 Sector - 23 B Chandigarh (UT)